ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

शक्ति प्रदर्शन व रोड शो के साथ उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 04 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-94

केरल सरकार का दुराग्रह और बदमिजाज चरम पर

राष्ट्रपति के खिलाफ मोर्चा खोलने की हिमाकत

केरल की मार्क्सवादी सरकार का दुराग्रह चरम पर पहुंच गया है। माकपा के नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पहले ही राज्यपाल डॉ. आरिफ मोहम्मद खान से सीधे-सीधे टकराव पर उतरी हुई थी। फिर वह उनके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में गई और अब उसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ मोर्चा खोलने की हिमाकत की है। केरल की पिनराई विजयन सरकार ने 23 मार्च को राष्ट्रपति के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है।

संवैधानिक मर्यादा ताक पर रख कर बौराए पिनराई

इसमें उसने आरोप लगाया है कि राज्यपाल डॉ. आरिफ मोहम्मद खान द्वारा प्रस्तावित कई विधेयकों को राष्ट्रपति ने रोक रखा है। साथ ही, राज्यपाल पर भी आरोप लगाया है कि उन्होंने वर्षों तक इन विधेयकों को रोके रखा। राज्य सरकार का तर्क है कि इन विधेयकों को

शुभ-लाभ समीक्षा

मर्यादा लांघने में माकपा के साथ कांग्रेस भी शरीक

समयबद्ध मंजूरी मिलनी चाहिए। उसका आरोप है कि राज्यपाल विधानसभा के कानून बनाने के अधिकार में बाधा डाल रहे हैं।

राष्ट्रपति ने इन चार असंवैधानिक विधेयकों को मंजूरी नहीं दी

1. केरल विश्वविद्यालय कानून (संशोधन नंबर-2) विधेयक-2022 : इसका उद्देश्य राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के पद से हटाना है।
2. विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक-2021 : इसका उद्देश्य राज्यपाल को बाहर रखना और सरकार को अपीलीय न्यायाधिकरण नियुक्त करने का अधिकार देना है।
3. विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक-2022 : यह कुलपति के चयन के लिए खोज समिति के विस्तार से संबंधित है।
4. मिल्मा यानी केरल सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (संशोधन) विधेयक-2022 : इसका उद्देश्य नामित सदस्यों के माध्यम से केरल सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ पर कब्जा करना है।

ईडी के पास आम आदमी पार्टी के वित्तीय लेनदेन का पूरा ब्यौरा

जब्त हो सकती है 'आपा' की सम्पत्ति

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आम आदमी पार्टी (आपा) की सम्पत्ति जब्त करने की तैयारी में है। अतिरिक्त महाधिवक्ता एसवी राजू ने यह साफ-साफ कहा कि आपा की सम्पत्ति अटैच की जा सकती है, क्योंकि ईडी के पास सारे वित्तीय लेनदेन (मनी-ट्रेल) के सबूत हैं। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दाखिल याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

हाईकोर्ट में केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता ने याचिका को खारिज किए जाने का हाईकोर्ट से आग्रह किया और अदालत को यह जानकारी दी कि ईडी आम आदमी पार्टी की सम्पत्तियों को जब्त कर सकता है। अतिरिक्त महाधिवक्ता एसवी राजू ने कहा कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं, इसका यह मतलब नहीं कि वे लोकसभा चुनाव को लेकर

किसी अपवाद का फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि कोई आम आदमी अपराध करता है, तो उसे गिरफ्तार किया जाता है। लिहाजा, केजरीवाल को केवल शराब घोटाले में मनी ट्रेल का पता लगा लिया है और ईडी के पास सारे सबूत हैं। पैसे का इस्तेमाल कर लिया गया है, इसलिए पैसा ढूंढ़ा नहीं जा सकता

- **अतिरिक्त महाधिवक्ता वीएस राजू ने दिए महत्वपूर्ण संकेत**
- **केजरीवाल की गिरफ्तारी पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला रिजर्व**

इसलिए नहीं छोड़ा जा सकता कि वे मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने सवाल पूछा, आप देश को लूटेंगे और कानून आपको छुए भी नहीं, क्योंकि चुनाव है। यह कैसा विवादित तर्क है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत से कहा कि ईडी ने है, लेकिन कहां और कैसे खर्च हुआ यह तो पता चल गया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार इसलिए किया गया क्योंकि आम आदमी पार्टी को मनी लॉड्रिंग का फायदा हुआ और इसलिए जिम्मेदार अरविंद केजरीवाल ही थे। ईडी ने यह भी कहा कि केजरीवाल सीधे तौर पर आबकारी नीति (एक्साइज पॉलिसी) 2021-22 बनाने की प्रक्रिया में शामिल थे। ईडी ने ही उन्हें शराब घोटाले का मुख्य सरगना यानी किंग पिन भी कहा है।

ईडी ने दिल्ली शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी को भी आर-ोपी बनाया है। ईडी ने हाईकोर्ट में बाकायदा हलफनामा दाखिल कर कहा है कि आम आदमी पार्टी मुख्य लाभार्थी है। हलफनामे में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका का विरोध किया गया। ईडी ने बताया कि दिल्ली आबकारी घोटाले की मुख्य लाभार्थी आम आदमी पार्टी है और अरविंद केजरीवाल किंगपिन हैं।

ईडी ने जवाबी हलफनामे में कहा कि इस घोटाले से मिले करीब 45 करोड़ की रकम से आम आदमी पार्टी ने गोवा में 2022 के विधानसभा के चुनाव प्रचार में खर्च किए। आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की है। आम आदमी पार्टी की ओर से किया गया यह अपराध मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 50 के तहत आता है। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए 27 मार्च को हाईकोर्ट ने कोई राहत नहीं दी थी। हाईकोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

उधर, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। फैसले को फिलहाल सुरक्षित रख लिया गया है। याचिका दाखिल होने के बाद हाईकोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शपथ-पत्र के जरिए मंगलवार को अपना जवाब पेश किया।

केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अपना पक्ष रखा। सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल के खिलाफ पीएमएलए की धारा 50 के तहत कोई सामग्री नहीं है। ईडी से पहला समन 30 अक्टूबर 2023 को भेजा गया और 9वां समन 16 मार्च 2024 को भेजा गया। पहले और आखिरी समन के बीच छह महीने बीत गए।

तेलंगाना के संगारेड्डी में बड़ा हादसा

जोरदार धमाके के साथ उड़ा दवा कारखाना, पांच मरे

हैदराबाद, 3 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में बुधवार को एक दवा कंपनी में हुए विस्फोट में पांच कर्मचारियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मरने वालों में कंपनी का निदेशक भी शामिल है। यह घटना जिले के हटनूरा मंडल के चंदापुर गांव में एसबी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड में हुई। केमिकल रिएक्टर में विस्फोट के बाद फैक्ट्री में आग लग गई। विस्फोट से लगी आग तेजी से इकाई में फैल गई। विस्फोट के प्रभाव से औद्योगिक परिसर की एक संरचना भी ढह गई। सभी मृतक मजदूर बिहार के बताए जा रहे हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि करीब पांच बजे हुए विस्फोट के बाद आग लग गई। दवा कंपनी में रिएक्टर में विस्फोट हुआ और उसके आसपास मौजूद लोग धमाके के प्रभाव के चलते दूर जा गिरे। अधिकारियों ने बताया कि कई अन्य लोग अब भी भी फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने का काम जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि विस्फोट के समय इमारत में करीब 50 लोग थे। घटनास्थल से विचलित करने वाले वीडियो सामने आया है, जो विस्फोट की भयावहता को दर्शाते हैं। पुलिस के हवाले से न्यूज एजेंसी ने बताया, दवा कंपनी में रिएक्टर में विस्फोट हुआ और उसके आसपास मौजूद लोग धमाके के प्रभाव के चलते दूर जा गिरे। समाचार लिखे जाने तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 25-30 लोग घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आठ से 10 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारी ने कहा कि राहत अभियान जारी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात की सबसे अधिक चिंता जताई जा रही है कि इमारत में अगले रिएक्टर में एक और विस्फोट हो सकता है।

दुखद सूचना: भाजपा नेता सुशील मोदी को कैंसर

चुनाव में सक्रिय नहीं होने का गहरा अफसोस

पटना, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। देश और बिहार की राजनीति से जुड़ी एक दु:खद खबर सामने आई है। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के कैंसर से ग्रस्त होने की सूचना से सियासी जगत हतप्रभ है। सुशील मोदी ने यह खबर खुद सार्वजनिक की और कहा कि वह पिछले छह महीने से कैंसर से जूझ रहे हैं। इसीलिए लोकसभा चुनाव में सक्रिय नहीं रह पा रहे हैं। सुशील मोदी ने फिलहाल राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की है। सुशील मोदी का इलाज फिलहाल दिल्ली के एम्स में चल रहा है।

सुशील मोदी ने कहा, मैं पिछले छह माह से कैंसर से संघर्ष कर रहा हूं। अब लगा कि लोगों को बताने का समय आ गया है। अफसोस है कि लोकसभा चुनाव में मैं कुछ नहीं कर पाऊंगा। मैंने प्रधानमंत्री को सब कुछ बता दिया है। देश, बिहार और पार्टी का सदा आभारी रहूंगा और समर्पित रहूंगा। सुशील मोदी की इस सूचना पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, मैं सुशील मोदी जी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। लोकसभा चुनाव में उनकी कमी बहुत खलेगी। राष्ट्रीय जनता दल के वरीय नेता शिवानंद तिवारी ने कहा कि सुशील मोदी की बीमारी की खबर सुनकर बहुत पीड़ा हुई। 1974 के बिहार आंदोलन से उपजे त्रिमूर्ति में से सुशील मोदी एक हैं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष दोनों का नेतृत्व आज इन्हीं त्रिमूर्ति के हाथ में है। लालू प्रसाद, नीतीश कुमार और सुशील मोदी तीनों उसी आंदोलन से निकले हैं और धीरे-धीरे इन लोगों ने बिहार की राजनीति की पुरानी पीढ़ी को अपदस्थ किया। लगभग तीस वर्षों से इन्हीं तीनों के हाथ में बिहार की राजनीति का नेतृत्व है। शिवानंद तिवारी ने कहा, सुशील मोदी और मैं लगभग तीन महीना बांकीपुर जेल में एक साथ और एक ही सेल में रहे। हमलोगों में तीखा वैचारिक मतभेद रहा है।

चिदंबरम के बयान पर हरदीप सिंह पुरी ने दी तीखी प्रतिक्रिया

कच्चातिवु पर चिदंबरम का ज्ञान कच्चा

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार द्वारा कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दिए जाने के मामले पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने चेतावनी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने करारा पलटवार किया है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि चिदंबरम को कच्चातिवु मुद्दे के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। उन्होंने कुछ पढ़ा ही नहीं है। चिदंबरम ने कहा था कि कच्चातिवु द्वीप पर भ्रामक और आक्रामक बयानबाजी श्रीलंकाई सरकार और तमिलों के बीच संघर्ष का कारण बन सकती है।

हरदीप पुरी ने कहा, मुझे लगता है कि पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कच्चातिवु द्वीप के बारे में सही तरीके से पढ़ा नहीं है। पीएम मोदी जो भी कहा है, उसे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूरे तथ्यों और रिकॉर्ड के साथ बताया है। पुरी ने कहा कि ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि दोनों देशों का इस द्वीप पर दावा था, लेकिन पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने इस द्वीप को श्रीलंका को देने का फैसला लिया। पूर्व राजनयिक केवल सिंह उस वक्त मद्रास गए थे और उन्होंने तत्कालीन सीएम के साथ बैठक भी की थी। किसी फार्मूले पर उनकी सहमति बनी, जिसकी वजह से यह द्वीप श्रीलंका को मिल गया। इससे कई मुद्दे जुड़े हुए हैं।

हाल ही में पीएम मोदी कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को देने के लिए पूर्व की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। कांग्रेस भारत की एकता और हितों को कमजोर करती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी दावा किया कि पूर्व पीएम पंडित नेहरू ने कच्चातिवु द्वीप को कोई अहमियत नहीं दी थी। साल 1974 में भारत श्रीलंका के बीच हुए मेरीटाइम समझौते के तहत कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया गया था।

लखनऊ एयरपोर्ट पर हुआ हैरतअंगेज कारनामा

कस्टम की गिरफ्त से भाग गए 30 तस्कर

शारजाह से लेकर आए थे साढ़े तीन करोड़ का सोना

लखनऊ, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के एयरपोर्ट से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। सोने की तस्करी के 30 संदिग्धों को कस्टम विभाग ने हिरासत में लिया लेकिन वो सभी कुछ घंटे बाद रहस्यमय परिस्थितियों से फरार हो गए। संदिग्ध तस्कर शारजाह से 3.5 करोड़ का सोना लेकर लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरे थे।

कस्टम विभाग की टीम ने उनके पास से 25 लाख रुपए नकद भी बरामद किए थे और सभी को एयरपोर्ट परिसर की कड़ी सुरक्षा में रखा गया था। इसके बावजूद सभी रहस्यमय परिस्थितियों में फरार हो गए। मामला खुलने पर लखनऊ पुलिस को जानकारी दी गई तो पुलिस हरकत में आई।

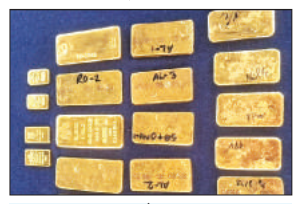

हवाई अड्डों पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट तैनात

लखनऊ, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। आयकर विभाग के अन्वेषण निदेशालय ने लोकसभा चुनाव में काले धन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। इसके लिए प्रदेश के सभी हवाई अड्डों पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट्स (एआईयू) तैनात की गई हैं। ये इकाइयां हवाई मार्ग से नकदी व अन्य कीमती सामान की आवाजाही पर निगरानी रख रही हैं।

कार्टून कॉर्नर

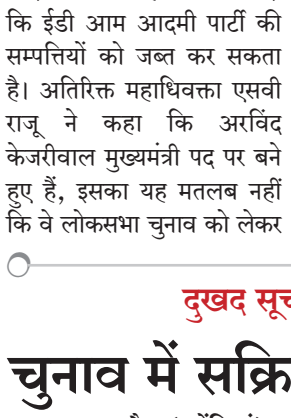

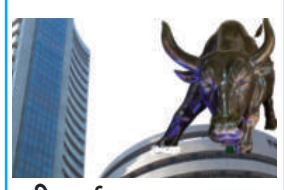

फोर्ब्स ने जारी की भारत के धनपतियों की लिस्ट

200 भारतीयों की मुट्ठी में है 954 अरब डॉलर

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। फोर्ब्स की विश्व के अरबपतियों की 2024 की सूची में इस बार 200 भारतीयों के नाम शामिल हैं। पिछले साल इसमें 169 भारतीयों का नाम था। इन भारतीयों की कुल सम्पत्ति 954 अरब डॉलर है, जो पिछले साल के 675 अरब डॉलर से 41 फीसदी अधिक है।

फोर्ब्स की भारतीय अरबपतियों की सूची में सबसे ऊपर मुकेश अंबानी का नाम है, जिनकी कुल सम्पत्ति 83 अरब डॉलर से बढ़कर 116 अरब डॉलर हो गई, जिससे वह 100 अरब डॉलर क्लब में प्रवेश करने वाले पहले एशियाई बन गए। मुकेश अंबानी ने दुनिया के नौवें सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में

अपना स्थान बरकरार रखा और भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। गौतम अडाणी सूची के अनुसार दूसरे सबसे अमीर भारतीय हैं। उनकी सम्पत्ति में 36.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। वे 84 अरब डॉलर की सम्पत्ति के साथ सूची में 17वें स्थान पर हैं। सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला बनी हुई हैं। भारत के सबसे अमीर लोगों की सूची में उनका नाम चौथे स्थान पर है। एक साल पहले वह छठे स्थान पर थीं। उनकी कुल सम्पत्ति 33.5 अरब डॉलर है।सूची में पच्चीस नए भारतीय अरबपतियों ने अपना कदम रखा है। इनमें नरेश त्रेहन, रमेश कुन्हीकन्नन और रेणुका जगतियानी का नाम शामिल हैं। बायजू रवींद्रन और रोहिका मिस्त्री का नाम सूची से बाहर हो गया है

भारत के 10 सबसे अमीर

1. **मुकेश अंबानी-** नेट वर्थ 116 अरब डॉलर
2. **गौतम अडाणी-** कुल सम्पत्ति 84 अरब डॉलर
3. **शिव नादर-** कुल सम्पत्ति 36.9 अरब डॉलर
4. **सावित्री जिंदल-** नेट वर्थ 33.5 अरब डॉलर
5. **दिलीप सांघवी-** नेट वर्थ 26.7 अरब डॉलर
6. **साइरस पूनावाला-** कुल सम्पत्ति 21.3 अरब डॉलर
7. **कुशल पाल सिंह-** नेट वर्थ 20.9 अरब डॉलर
8. **कुमारमंगलम बिड़ला -** कुल सम्पत्ति 19.7 अरब डॉलर
9. **राधाकिशन दमानी-** कुल सम्पत्ति 17.6 अरब डॉलर
10. **लक्ष्मी मित्तल-** कुल सम्पत्ति 16.4 अरब डॉलर

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,876.82
-27.09 -0.04% ↓
एनएसई :22,434.65
-18.65 (-0.08%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,151/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 80,125/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 25^0

आईआईएफएल अहिंसा रन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु के अंतर्गत जीतो एपेक्स द्वारा निर्देशित आईआईएफएल अहिंसा रन 2.0 का आयोजन अहिंसा, शांति, प्रेम एवं एकता के संदेश को प्रसारित करने हेतु हाल ही में वाइट पेटल्स- पैलेस में किया गया। नवकार महामंत्र के साथ इसका शुभारंभ हुआ। जीतो महिला विंग साउथ अध्यक्ष सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत किया। जीतो महिला नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने अहिंसा रन उद्देश्य के बारे में बताया।

बेंगलूरु साउथ चैप्टर अध्यक्ष दिनेश बोहरा और नॉर्थ चैप्टर अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने महिला विंग के उत्साह उमंग की सराहना की। केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा ने अहिंसा रन को रन फॉर पीस, रन फॉर नॉन वायलेन्स का नारा लगाया। जेटीएफ अध्यक्ष रतन हरण ने शुभकामनाएँ दी। बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर एपेक्स निदेशक विनोद जैन, हितेश पालरेचा, नरेंद्र सामर, केकेजी महामंत्री दिलीप जैन उपस्थित थे। साउथ चैप्टर महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल और महामंत्री सुधीर गादिया ने सभी को शुभकामनाएँ संप्रेषित की। जीतो महिला विंग कन्वेनर कमल पुनमिया, संजय भंडारी तथा जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, रेश्मा पुनमिया, बबिता रायसोनी, सहमंत्री नीलम ललवानी, पिंकी मेहता उपस्थित रहे। अहिंसा रन संयोजिका सोमना सिसोदिया और रेखा जैन व्यवस्था संभाली। साउथ महिला विंग महामंत्री मोनिका पिरगल ने संचालन किया। नॉर्थ महिला विंग महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

होली स्नेह मिलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांठा प्रांत विजयनगर मंडल द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन चंद्रशेखर आजाद वेदिके मैदान में किया गया। जिसमें विजयनगर क्षेत्र के विधायक कृष्णाप्पा मुख्य अतिथि, यूथ आइकॉन प्रदीप कृष्णा विषेश अतिथि एवं महेंद्र, हंसराज, आनंद मुणोत उद्घाटन कर्ता के रूप मे मौजूद रहे। महेंद्र मुणोत ने अपने उद्बोधन में होली के महत्व को बताते हुए अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए राजस्थान में होने वाली होली का जिक्र किया। प्रेम, अपनापन एवं सौहार्द बढ़ाने वाले इस त्यौहार पर सबको आपसी सामंजस्य से रहने की प्रेरणा दी। ललित कुमार, जतिन कुमार गांधी एवं खिवराज, अन्नराज, सुरेश कुमार, धर्मीचंद, महावीर चंद भंडारी परिवार का विषेश योगदान रहा।

कार्यक्रम में गेरियो के नृत्य के साथ सभी के लिए मनोरंजन गेम्स एवं मैजिक शो का सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। अतिथियों द्वारा तपस्वियों का बहुमान एवं प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस मौके पर मंडल की महत्वाकांक्षी परियोजना केपीवीएम ऐप का अतिथियों द्वारा अनावरण किया गया। कार्यक्रम में धर्मीचंद डंक, घेवरचंद कटारिया, राजेश गांधी, चेतन प्रकाश खिवेसरा, सुरेन्द्र गुंदेचा, दिनेश गुगलिया, अमरचंद बोहरा, अशोक चुतर, डूंगरमल कटारिया और गौतम गुंदेचा समेत अनेक गणमान्यों का विषेश सहयोग रहा। कांठा प्रांत विजयनगर मंडल के सभी सदस्यों का आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्राप्त हुआ।

नाजुक सा रिश्ता ननद-भाभी का पर कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार हासन तेरापंथ महिला मंडल ने नाजुक सा रिश्ता ननद -भाभी का कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला रोहिणी ग्रुप के निर्देशन में हुई। रोहिणी ग्रुप की संयोजक विनीता सुराणा ने सभी का स्वागत किया। सर्वप्रथम नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महिला मंडल की बहनों ने प्रेरणा गीत गाया। अध्यक्ष कौशल्या तातेड़ ने अपने स्वागत वक्तव्य में इस नाजुक से रिश्ते को किस तरह निभाया जाना चाहिए पर अपने विचार रखें। सज्जू बरलोटा ने नारी लोक का वाचन किया। कौशल्या तातेड़ और नम्रता सुराणा ने ननंद भाभी वाद संवाद में भाग लिया। रेखा, श्वेता, ममता, कविता, ललिता, रसना, दीपिका ने ननद-भाभी पर लघु नाटिका प्रस्तुत की। उपस्थित बहनों के बीच इस रिश्ते पर चर्चा भी हुई। विनीता सुराणा ने सभी का आभार ज्ञापित किया। आचार्य श्री महाश्रमण जी के दीक्षा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में ललिता सुराणा, शर्मिला तातेड़, निकिता सुराणा ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सुंदर संचालन नेहा तातेड़ और मानसी तातेड़ ने किया।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा की नयी कार्यकारिणी का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा की नयी कार्यकारिणी का गठन अध्यक्ष पंकज बाफना व महामंत्री विकाश खटोड़ द्वारा किया गया। परिषद के संरक्षक कुशलराज गुलेच्छा ने कार्यकारिणी की घोषणा एवं पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। नए सदस्यों में संरक्षक कुशलराज गुलेच्छा, सलाहकार कैलाश संखलेचा, ललित डाकलिया, चेयरमैन भरत रांका, अध्यक्ष पंकज बाफना, उपाध्यक्ष मनीष गुलेच्छा, विकाश पारख, महामंत्री विकाश खटोड़, सहमंत्री हेमंत गोलेच्छा, कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, सहकोषाध्यक्ष दिनेश संकलेचा, विहार वैय्यावच्च सयोजक नीलेश मेहता, विनोद बाफना, दीपक छाजेड़, कुशल दोशी, प्रचार प्रसार संयोजक कल्पेश लुंकड़, मानव सेवा संयोजक गौतम कोठारी, महावीर गुलेच्छा, कल्पेश लुंकड़, प्रमोद गुलेच्छा, गिरीश राखेचा, तीर्थयात्रा एवं गुरुभगवन्तों के दर्शन वंदन संयोजक ललित रांका, हितेंद्र चोपड़ा, स्वाध्याय संयोजक मनीष धारीवाल, अंकित गुलेच्छा, हेमंत कवाड़, विकाश लुंकड़, खेल- कूद संयोजक तेजश छाजेड़, तोफराज गुलेच्छा, हितेश गुलेच्छा, कुनाल भड़कतिया, बैंड व संगीत संयोजक अरविंद चोपड़ा, गौरव संखलेचा और कुनाल मरलेचा को नियुक्त किया गया।

प्रदेश कांग्रेस की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं: रामलिंगारेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से आमजन में कांग्रेस के प्रति विश्वास बढ़ा है। सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में कार्यकर्ता लगे रहें।

यह बात शहर के कोरमंगला स्थित एस. टी.बेड. लेआउट में कर्नाटक सरकार के परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी सौम्या रेड्डी के पक्ष में आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बलिदान देकर देश में लोकतंत्र को मजबूत किया है। प्रदेश आज विकास की ओर अग्रसर है। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर पार्टी को मजबूत बनाएं। इस मौके पर रेसिडेंड वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र बाबू, सचिव प्रकाश रेड्डी, बी.ओ.डी. यतिराज भंडारी, मोहनराज, डीके शिवन्ना, प्रभाकर रेड्डी, जितेंद्र कुमार, अशोक अग्रवाल, दलपत गेलानी, बाबू केबल, उमा थापा, विजया, रेणुका रेड्डी, संजना रेड्डी, गीता सहित कई लोग उपस्थित थे।

कर्नाटक में पार्टी मामलों में येदियुरप्पा का प्रभाव कम नहीं हुआ

अस्तित्व बचाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व येदियुरप्पा के पीछे पड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हालांकि वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा सत्ता से बाहर हैं और चुनावी राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन कर्नाटक में पार्टी मामलों मेंउनका प्रभाव कम नहीं हुआ है। क्योंकि आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी काअस्तित्व बचाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व दिग्गज राजनेता येदियुरप्पा के पीछेपड़ गया है। चाहे वह उम्मीदवारों का चयन हो या कई निर्वाचन क्षेत्रों मेंमतभेदों को दूर करना, पार्टी के 81 वर्षीय येदियुरप्पा को सीजन के आदमी केरूप में देखा जाता है। ऐसे में, उनके बीच राजनीतिक दांव वास्तव में ऊंचेहैं। क्योंकि उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि उनके बेटे बीवाई विजयेंद्र प्रदेश अध्यक्ष का पद सुरक्षित कर लें और उन आलोचकों को चुप करा दें जो सवाल कर रहेहैं कि उन्होंने दिग्गजों की बातों को नजरअंदाज कर किसी और कोटिकट दे दिया। भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने पहले ही चुनावी राजनीतिसे संन्यास की घोषणा कर चुके येदियुरप्पा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राज्यमें एक प्रमुख व्यक्ति बना दिया है। कभी उपेक्षित रहे येदियुरप्पा को अब इतना महत्वक्यों दिया जा रहा है, इसका कारण ढूंढने का समय नहीं है। चार बार केमुख्यमंत्री, जिन्होंने जमीनी स्तर से पार्टी का निर्माण किया, की बड़े पैमानेपर अपील और संबंध हैं, खासकर राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लिंगायत समुदाय केबीच। साफ है कि पार्टी येदियुरप्पा फैक्टर का फायदा उठाने केलिए तैयार है। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने अपने गृह जिले शिवमोग्गा मेंएक सार्वजनिक बैठक में येदियुरप्पा की जमकर तारीफ की थी। शिवमोग्गा एकविशेष भूमि है। जनसंघ के

दिनों में जब कोई नहीं जानता था, जब नगरपालिका स्तरपर भी कोई सदस्य नहीं थे, येदियुरप्पा अपने राजनीतिक उत्कर्ष पर थे। कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों और बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, पिछले सालमई में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने येदियुरप्पा को किनारे करने कीकोशिश की थी। नतीजा ये हुआ कि 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस ने बीजेपी को सत्ता से बेदखल कर दिया। पार्टी सिर्फ 66 सीटें ही जीत सकी। भ्रष्टाचार का मुद्दा, कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यक वोटों का एकीकरण और लिंगायतों के एकवर्ग का भाजपा से अलगाव भाजपा की हार के प्रमुख कारक थे। इससे चिंतित भाजपा आलाकमान ने पिछले साल नवंबर में विजयेंद्र को राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्तकरके एक बार फिर येदियुरप्पा पर भरोसा जताया। शिवमोग्गा में सबसे बड़ेबेटे बीवाई राघवेंद्र, बेंगलूरु उत्तर में शोभा करंदलाजे, दावणगेरे में एमपी जीएमसिद्धेश्वर की पत्नी गायत्री सिद्धेश्वर, हावेरी में सीएम बसवराज बोम्मई, चित्रदुर्ग में गोविंदा एम करजोला समेत अन्य उम्मीदवारोंके चयन में येदियुरप्पा की छाप साफ नजर आ रही है क्योंकि कई वफादारों को टिकट मिला है। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने पूर्व मैसूरु शाहीपरिवार के सदस्य यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार को सांसद प्रताप सिम्हा केनिर्वाचन क्षेत्र मैसूरु सीट से निर्वाचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, येदियुरप्पा को टिकट नहीं मिलने वाले कई दावेदारों से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। तुमकुरु से जेसी मधुस्वामी, पूर्व विधायक एमपी रेणुकाचार्य, चित्रदुर्ग से एसए रवीन्द्रनाथ, कोप्पल से सांसद कराडी सांगन्ना, बेलगावी से कुछ नेता उनकी उम्मीदवारी का समर्थन नहीं करने पर उनके खिलाफ खुलेआम आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। पार्टी को बीदर और चित्रदुर्ग जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में असंतोष का सामना करना पड़ा। पार्टी के वरिष्ठनेता केएस ईश्वरप्पा ने विद्रोह कर दिया है और घोषणा की है कि वह शिवमोग्गा सेस्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे जहां राघवेंद्र उम्मीदवार हैं। येदियुरप्पा ने पड़ोसी हावेरी से अपने बेटे केई कांतेश कोटिकट नहीं दिलाने का आरोप लगाया है। येदियुरप्पा ने असंतुष्ट नेताओं से मुलाकात की और कुछ नेताओं से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात करउन्हें सांत्वना दी।- सबसे ज्यादा फायदा बीजेपी को हुआयेदियुरप्पाकी मांग से सबसे ज्यादा फायदा बीजेपी को हुआ है, लेकिन कई बार इसका उल्टा असर भी हुआ है। यह दोधारी तलवार की तरह है। पार्टी के भीतरऔर मतदाताओं, विशेषकर लिंगायतों के बीच उनके करिश्मे और अपील को नकारा नहींजा सकता। साथ ही, इससे भाई-भतीजावाद और पक्षपात के आरोपों के बीचपार्टी के भीतर मनमुटाव और दरार पैदा हो गई है। जाहिर है,येदियुरप्पा कारक मजबूत नेतृत्व और लोकप्रिय अपील की अनिवार्यता को इंगित करता है। हालाँकि, पार्टी के एक पदाधिकारी का कहना है कि लिंगायत वोटों पर ध्यान केंद्रित करने से ओक्कालिगा जैसे अन्य समुदायों के बीच अपने सामाजिक आधार का विस्तार करने की क्षमता कुछ हद तक सीमित हो गई है। येदियुरप्पा ने ईश्वरप्पा और दिवंगत एचएन अनंत कुमार जैसे अन्य नेताओं के समर्थन से कर्नाटकमें भाजपा को खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विवादों और भ्रष्टाचार के आर-ोपों के बावजूद उनके नेतृत्व में पार्टी ने उपलब्धियां हासिल कीं। जब भी उन्हें दरकिनार किया गया तो चुनावों में प्रदर्शन कमजोर रहा।

इस बात को समझते हुए हाईकमान ने उन्हें फिर से ज्यादा महत्व दिया। पार्टीके एक नेता ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने शुरुआत में येदियुरप्पा के बिना लिंगायत समर्थन हासिल करने की पूरी कोशिश की, लेकिन वहइसे लेकर बहुत आश्वस्त नहीं थी और बाद में उसे खुद एक वरिष्ठ नेता को मैदान मेंउतारना पड़ा। कुछ अन्य समुदायों से समर्थन जुटाने से भी वांछित परिणाम मिले। येदियुरप्पा ने 26 जुलाई, 2021 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनके शीर्ष पद से हटने में उम्र को एक प्राथमिक कारक के रूप में उद्धृत किया गया था, भाजपा मेंएक अलिखित नियम के तहत 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को बाहर रखा गयाथा। साथ ही विधानसभा चुनाव से पहले नए नेतृत्व के लिए रास्ता साफ करना है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री शनि देवर देवालय लगेरी में आयोजित शनेश्वर स्वामी जात्रा महोत्सवकार्यक्रम में विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने शनि देवता की पूजा अर्चना कर अन्नदानकार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

वार्षिक साधारण सभा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो

वनबंधु परिषद बेंगलूरु महिला समिति द्वारा बुधवार को अपनी वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रोटरी क्लब में किया गया। राष्ट्रीय और सभी आयामों के आमंत्रित पदाधिकारियों की उपस्थिति में ओंकार और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अध्यक्ष द्वारा सभी का स्वागत किया गया। सचिव ने वार्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी, कोषाध्यक्ष ने वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट दी। सेवापात्र, संक्रांति, वनयात्रा प्रभारी ने अपनी अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

समिति के 4 सक्रिय सदस्यों को पूरे वर्ष अच्छा कार्य करने के लिए अवॉड्र्स से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अगले हिस्से में तंबोला का आयोजन किया गया, जो गणगौर, गृह सजावट और प्रशनोतर के विषय पर आधारित था। सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में भाग लिया और चाँदी के सिक्के और सुंदर पुरस्कार जीते। कुछ सदस्यों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी। धन्यवाद ज्ञापन और शान्ति मन्त्र से कार्यक्रम का समापन हुआ।

शक्ति प्रदर्शन व रोड शो के साथ उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

पहले चरण के लिए आज नामांकन भरने का आखिरी दिन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के 14 लोकसभा क्षेत्रों में वर्तमान लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन पत्र जमा करने का गुरुवार को आखिरी दिन है। विभिन्न पार्टी के नेता नामांकन पत्र दाखिल कर चुनाव मैदान में उतर गये हैं। इसके चलते लोकसभा चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। नामांकन पत्र जमा करने से पहले कुछ उम्मीदवारों ने मंदिरों में पूजा की और फिर रोड शो किया। कुछ ने शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से अपना नामांकन दाखिल किया, जबकि अन्य ने बिना किसी शक्ति प्रदर्शन के बस अपनी उम्मीदवारी दाखिल की। रोड शो और जनसभा के बाद कई उम्मीदवार अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारियों के कार्यालय गए और अपनी उम्मीदवारी जमा की। रोड शो और नामांकन पत्र जमा करने के दौरान संबंधित दलों के नेताओं ने

उम्मीदवारों का समर्थन किया। बुधवार को नामांकन दाखिल करने वालों में केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, विधानमंडल में विपक्ष के नेता कोटा श्रीनिवास पुजारी, मैसूरु राजघराने के वंशज यदुवीर कृष्णराजदत्त वाडियार, पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना, बेंगलूरु सेंट्रल लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार मंसूर अली खान प्रमुख थे। नामांकन पत्र जमा करने की शुरुआत 28 मार्च से हुई थी और बुधवार तक 152 उम्मीदवार नामांकन पत्र जमा कर चुके हैं। जिनमें से 135 पुरुष और 17 महिला अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बीजेपी से 9, कांग्रेस से 8, बीएसपी से 5 और जेडीएस से दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। हालाँकि राजनीतिक दलों ने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, लेकिन कुछ ने अभी तक अपनी उम्मीदवारी दाखिल नहीं की है। कुछ लोग शुभ दिन, मुहूर्त के लिए गुरुवार तक का इंतजार कर रहे हैं। कुछ ने पहले ही प्रतीकात्मक रूप से अपनी उम्मीदवारी जमा कर दी है, और कुछ ऐसे भी हैं जो एक बार फिर रोड शो करेंगे और शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। शोभा करंदलाजे ने संजयनगर में राधाकृष्ण मंदिर और मैसूरु बैंक सर्कल में गणपति मंदिर में पूजा करने के बाद एक रोड शो किया। बाद में, वह शहर के जिला कलेक्टर कार्यालय गए और बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र के लिए भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव अधिकारियों को अपनी उम्मीदवारी सौंपी।

चुनाव अधिकारियों को अपना नामांकन पत्र जमा किया

यदुवीर कृष्णराजदत्त ने फोर्ट मैसूरु में अंजनेयस्वामी मंदिर में विशेष पूजा करने के बाद मैसूरु लोकसभा क्षेत्र के लिए भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव अधिकारियों को अपना नामांकन पत्र जमा किया। तुमकुरु लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार वी. सोमन्ना ने रोड शो कर अपनी उम्मीदवारी पेश की। चामराजनगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार एस. बलराज, कांग्रेस प्रत्याशी सुनील बोस ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उडुपी-चिक्कमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कोटा श्रीनिवास पुजारी ने अपना नामांकन पत्र जमा किया। मैसूरु निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार लक्ष्मण ने मैसूरु में चामुंडी पहाड़ी पर विशेष पूजा करने के बाद अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की। बेंगलूरु सेंट्रल लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार मंसूर अली खान ने बीबीएमपी कार्यालय में अपनी उम्मीदवारी दाखिल की।

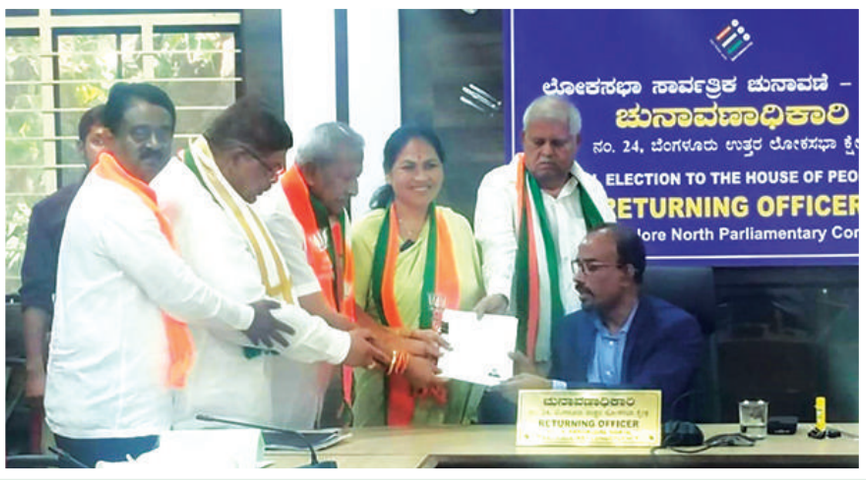

सत्ता गवाने वाले राज्यों में केंद्र दिखा रही सौतेला रवैया: गृह मंत्री

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक सहित जिन राज्यों में भाजपा ने सत्ता खो दी है, उनके प्रति केंद्र सरकार सौतेला रवैया दिखा रही है। उन्होंने शहर के राजीव भवन में पार्टी के विभिन्न पदाधिकारियों और नेताओं के साथ बैठक की और फिर पत्रकारों से बात करते हुए कहा केंद्र सरकार राज्य को सूखा राहत अनुदान और योजनाएं देने में भेदभाव कर रही है। केंद्र सरकार भूल गई है कि देश में संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था है। राज्य में भीषण सूखा पड़ने के बाद भी लोगों की पीड़ा पर ध्यान नहीं दिया गया तो सुप्रीम कोर्ट में अनुदान की गुहार लगाने की नौबत आ गयी है। यह अच्छी वृद्धि नहीं है। जनता बीजेपी पार्टी को नकारने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत बीजेपी नेताओं की बातों पर गौर करें तो ऐसा लगता है कि देश के लोकतंत्र को खतरा है। एक देश में एक चुनाव होता है और ये संविधान बदलने में लग गए हैं। तुमकुरु लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार मुद्दहनुमेगौड़ा एक सज्जन राजनीतिज्ञ हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोग मुद्दहनुमेगौड़ा को जिताएंगे, जो हमेशा लोगों के लिए खड़े रहते हैं। मुद्दहनुमेगौड़ा गुरुवार को सुबह 10.30 बजे कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। परमेश्वर ने कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में शामिल होकर कांग्रेस पार्टी की ताकत बढ़ाने का आह्वान किया।

वरिष्ठ पत्रकार एमके भास्कर राव का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 75 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार एम.के. भास्कर राव का बुधवार सुबह बेंगलूरुमें निधन हो गया। उनके करीबी सूत्रों ने बताया कि वह पिछले दो साल सेकैंसर से पीड़ित थे और एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहांबुधवार सुबह उनका निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। भास्करराव शिवमोग्गा जिले के सागर में पले-बढ़े, जहां उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कीऔर बाद में पत्रकार बन गए। उन्होंने प्रमुख कन्नड़ दैनिक प्रजावाणी में तीनदशकों से अधिक समय तक काम किया और सहायक संपादक के रूप में सेवानिवृत्तहुए। पहले, उन्होंने रायचूर के जिला रिपोर्टर के रूप में और बाद में बेंगलूरुमें अखबार के लिए फिल्म रिपोर्टर के रूप में काम किया। वह कन्नड़थिएटर में सक्रिय थे और उन्होंने कुछ फिल्मों में अभिनय किया है। बादके वर्षों में, भास्कर राव एक स्तंभकार बन गए जो वर्तमान मामलों, मुख्य रूप सेकर्नाटक की राजनीति के तीव्र विश्लेषण के लिए जाने जाते हैं। वहकन्नड़ समाचार टेलीविजन चैनलों पर एक लोकप्रिय राजनीतिक विश्लेषक भीथे। वह अपनी राय को शांतिपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते थे।

लोकसभा कांग्रेस के उम्मीदवार जेपी हेगड़े ने दाखिल किया नामांकन

मैंने उडुपी और चिक्कमगलूरु दोनों जिलों में कई विकास कार्य शुरू किए: हेगड़े

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी-चिक्कमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र के लिए लोकसभा (एलएस) कांग्रेस उम्मीदवार जेपी हेगड़े ने बुधवार को उडुपी उपायुक्त कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोटाम्मा, पूर्व मंत्री विनय कुमार सोराके, कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष और चिक्कमगलूरु कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अम्शुमंत गौड़ा, कर्नाटक सरकार के ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज और अन्य उपस्थित थे। अपनी आकांक्षाओं को व्यक्त करते हुए, जेपी हेगड़े ने कहा 20 महीनों के भीतर, मैंने उडुपी और चिक्कमगलूरु दोनों जिलों में कई विकास कार्य शुरू किए हैं। मैं इस अवसर की तलाश उन लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कर रहा हूं जो मेरे पिछले कार्यकाल के दौरान शुरू की गई थीं। दोनों जिलों को अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चिक्कमगलूरु में कॉफी और सुपारी की खेती से लेकर उडुपी में तटीय पर्यटन, मछुआरों की चिंताएं, शिक्षा और स्वास्थ्य तक के मुद्दे हैं। गारंटी योजनाओं को मजबूत करना महत्वपूर्ण है, और हमें उन्हें बढ़ावा देना चाहिए और प्रचारित करना चाहिए। अगर केंद्र सरकार ने 2 करोड़

नौकरियां पैदा की होतीं, तो हम आज 20 करोड़ नौकरियों का सृजन देखते। विनय कुमार सोरके ने जोर देकर कहा आगामी चुनावों की निष्पक्षता को लेकर आशंका है। आईटी, ईडी और सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियों का कथित तौर पर विपक्ष के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। जेपी हेगड़े का शामिल होना कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति है। हालिया खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, कांग्रेस के उडुपी-चिक्कमगलूरु सहित कर्नाटक में 17 सीटें जीतने का अनुमान है। वर्तमान में, मीडिया पर बड़े पैमाने पर अडानी और अंबानी का स्वामित्व है, जो अक्सर सच्ची वास्तविकता को छिपाते हैं। उडुपी जिले की स्थापना जेपी हेगड़े के योगदान का एक प्रमाण है। हमारा प्राथमिक उद्देश्य चुनाव में जेपी हेगड़े की जीत सुरक्षित करना है। आइए हम अपने मतभेदों को दूर करें और इस लक्ष्य के लिए एकजुट हों। शोभा करंदलाजे की आलोचना करते हुए, सोराके ने टिप्पणी की कि संथेकट्टे में शोभा करंदलाजे का अधूरा काम उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। उनके पास दिखाने के लिए पर्याप्त उपलब्धियों का अभाव है। के जे जॉर्ज ने कहा कि जे पी हेगड़े को उम्मीदवार के रूप में चुना गया है, लेकिन वह अकेले नहीं खड़े हैं। सभी कांग्रेस नेता उम्मीदवार हैं। हमें सामूहिक रूप से खुद उम्मीदवार के रूप में प्रयास करना चाहिए।

सूखे के मद्देनजर : ग्रीष्मकालीन अवकाश मध्याह्न भोजन 11 अप्रैल से 28 मई तक होगा लागू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में सूखे के कारण, राज्य सरकार ने कक्षा 1 से 8 तक के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूली बच्चों के लिए गर्मी की छुट्टियों के दौरान आगामी 11 अप्रैल से 28 मई तक 41 दिनों के लिए 223 सूखाग्रस्त तालुकों में स्कूली बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का विस्तार करने का आदेश दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त द्वारा हाल ही में एक आदेश जारी किया गया था।

इससे कक्षा 1 से 8 तक के लगभग 55 लाख सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूली बच्चों को फायदा होगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के लिए कुल 88.4 करोड़, जिसमें केंद्र का हिस्सा 55.82 करोड़ और राज्य का हिस्सा 32.58 करोड़ (60/40 अनुपात) है, सरकार द्वारा जारी

किया गया है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए मध्याह्न भोजन कार्यक्रम 10 अप्रैल तक समाप्त हो जाएगा। केंद्र के सूखा प्रबंधन मैनुअल-2020 सूखा शमन दिशानिर्देशों के अनुसार, राज्य सरकार ने सर्वेक्षण किया और कुल 236 में से 223 तालुकों को सूखा-प्रवण तालुक घोषित किया। स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीएसईएल) ने सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) और सार्वजनिक निर्देश उप निदेशकों (डीडीपीआई) को केंद्रीय विद्यालयों की पहचान करने का निर्देश दिया है। यदि सूखाग्रस्त तालुक के अंतर्गत गाँव में एक से अधिक स्कूल हैं, तो ऐसे स्कूलों में सबसे अधिक बच्चों की संख्या वाले सरकारी स्कूल या सहायता प्राप्त स्कूल को केंद्रीय विद्यालय के रूप में पहचाना जाना चाहिए। बताया गया है कि इस केंद्रीय विद्यालय के एक या दो किमी के दायरे में आने वाले उच्च विद्यालयों के कक्षा 8 के विद्यार्थियों एवं निम्न प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को शामिल कर मध्याह्न भोजन वितरण की कार्रवाई की जाये। डीएसईएल ने मध्याह्न भोजन प्राप्त करने के इच्छुक बच्चों के माता-पिता से सहमति पत्र लेना भी अनिवार्य कर दिया है। स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को अभिभावकों से सहमति पत्र लेना होगा। विभाग ने अपने संबंधित कस्बों या गांवों में बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश का मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के लिए भी कदम उठाए हैं। गर्मी की छुट्टियों में बच्चे कहां रहेंगे और किस स्कूल में बच्चों को भोजन वितरित किया जाएगा, इसकी जानकारी अभिभावकों से ली जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त बी.बी. कावेरी ने कहा सूखे की स्थिति के दौरान यह एक नियमित कार्यक्रम है और इससे लाखों छात्रों को लाभ होगा।

सांसद सुमलता अंबरीश बीजेपी में होंगी शामिल

एनडीए उम्मीदवार का करेंगी समर्थन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में भाजपा और जद (एस) गठबंधन को बढ़ावा देते हुए मांड्या लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश ने बुधवार को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की अटकलों पर विराम लगाते हुए भाजपा को अपना समर्थन देने की घोषणा की।

बुधवार को मांड्या शहर में अपने समर्थकों की एक बैठक को संबोधित करते हुए सुमलता ने यह भी घोषणा की कि वह भाजपा में शामिल होंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेंगलूरु की अपनी यात्रा के दौरान उन्हें व्यक्तिगत फोन किया था और पूर्व सीएम और जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी का समर्थन करने के लिए उनसे बात की थी। कुमारस्वामी को राज्य, विशेषकर दक्षिण कर्नाटक क्षेत्र में भाजपा

और जद (एस) गठबंधन से एक मजबूत संकेत भेजने के लिए मांड्या संसदीय सीट से एनडीए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा गया है।

कुमारस्वामी ने सुमलता अंबरीश से उनके आवास पर मुलाकात की थी और उनसे समर्थन मांगा था। उन्होंने 2019 के आम चुनाव में मांड्या में उनके बेटे निखिल कुमारस्वामी को हराया था। उन्होंने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार ने मांड्या संसदीय क्षेत्र के लिए 4,000 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया था। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे विश्वास में लिया, मुझसे बात की और मुझे समझाया कि मेरे किसी भी फैसले के परिणाम क्या होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे कहा कि पार्टी को मेरे नेतृत्व की जरूरत है। यह किसी भी व्यक्ति के प्रति सम्मान दिखाने का तरीका है। प्रधानमंत्री मोदी हमारे देश को एक अलग स्तर पर ले गए हैं। आज सभी देश भारत को एक शक्ति के रूप में पहचान रहे हैं। उनके शासन के दौरान भ्रष्टाचार का कोई निशान नहीं है।

सुमलता ने आगे कहा कि वह उस सीट का त्याग कर रही हैं जिसके लिए वह मौजूदा सांसद हैं। आम लोग राजनीति की पेचीदगियों को नहीं समझेंगे। अगर मैं निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ूंगी तो इससे किसे फायदा होगा? कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा था कि उनकी पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है। इस बयान के बाद भी मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बारे में सोच भी कैसे सकती हूं? कांग्रेस पार्टी ने उद्योगपति वेंकटरमणे गौड़ा उर्फ स्टार चंद्रू को मांड्या सीट से मैदान में उतारा है।

हेमा मालिनी को टक्कर देने वाले कांग्रेस प्रत्याशी भाजपा में शामिल

मथुरा, 03 अप्रैल (एजेंसियां)।

दो दिन पहले तक मथुरा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद हेमा मालिनी को टक्कर देने वाले बॉक्सर विजेंदर सिंह ने कांग्रेस का पूरा खेल बिगाड़ दिया है। अब वह भाजपा में आ गए हैं। बुधवार को उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली। इसे कान्हा की नगरी ही नहीं पूरे प्रदेश में भाजपा का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

मथुरा से दो बार सांसद रहीं और सिने स्टार हेमामालिनी के ग्लैमर की काट करने के लिए कांग्रेस ने अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह को चुनाव मैदान में उतारा था।

कांग्रेस ने चार दिन पहले विजेंदर सिंह को मथुरा लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया था। कांग्रेस का इरादा यह भी था कि जिले के जाट बहुल मतदाताओं

को आकर्षित किया जा सके। लेकिन विजेंदर के भाजपा में शामिल होने के बाद बाजी पलट गई। विपक्षी गठबंधन में मथुरा लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में आई थी। लेकिन कांग्रेस का यहां दृश्य ही बदरंग हो गया। यहां से 2014 के लोकसभा चुनाव में हेमामालिनी ने रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को करीब तीन लाख वोटों से हराया था। अब रालोद भी एनडीए का हिस्सा है। हेमा मालिनी ने 2019 के चुनाव में भी रालोद के ही कुंवर नरेंद्र सिंह को रिकॉर्ड वोटों से हराया था।

भाजपा में शामिल होने के बाद बॉक्सर विजेंदर ने कहा, मैं देश के विकास के लिए भाजपा में आया हूं। विजेंदर सिंह ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था लेकिन वो हार गए थे। विजेंदर सिंह जाट समुदाय से आते हैं, जिसका हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बड़ी संख्या में सीटों पर राजनीतिक प्रभाव है। बॉक्सर विजेंदर कुमार ने देश को ओलंपिक में बॉक्सिंग में पहला पदक जिताया था। विजेंदर सिंह का जन्म 29 अक्टूबर 1985 को हरियाणा के भिवानी में हुआ। पिता का नाम महिपाल सिंह बेनीवाल है। जो हरियाणा रोडवेज में बस ड्राइवर थे। उनकी मां गृहिणी हैं।

विजेंदर ने 2004 के एथेंस समर ओलंपिक्स और 2006 के कामनवेल्थ गेम्स में भी हिस्सा लिया। 2006 में दोहा में हुए एशियन गेम्स में कजाखस्तान के बख्तियार अर्तायेव के खिलाफ सेमीफाइनल हारने के बाद ब्रोंज मेडल जीता। 2008 के बीजिंग ओलंपिक्स में क्वार्टरफाइनल में इक्वेडोर के कार्लोस गोंगोरा को 9-4 से हराकर ब्रोंज जीता। विजेंदर को खेल क्षेत्र में भारत के सर्वोच्च अवार्ड राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड और भारत के चौथे नागरिक सर्वोच्च सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया। 2009 में इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन ने विजेंदर को अपने वार्षिक मिडिलवेट केटेगरी की सूचि में 2800 पॉइंट के साथ टॉप बॉक्सर घोषित किया। बाक्सर विजेंदर ने बॉलीवुड फिल्म फगली में एक्टर अक्षय कुमार के साथ काम किया है।

फिल्म में वह एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में थे। बॉक्सर होने के अलावा विजेंदर हरियाणा पुलिस में डीएसपी भी हैं। उनके प्रोफेशनल बॉक्सिंग में आने को लेकर भी काफी विवाद हो चुका है।

कौन होगा पीएम मोदी का विकल्प?

हम केवल एक व्यक्ति को नहीं चुनते: थरूर

तिरुवनंतपुरम, 03 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प से जुड़े सवाल को बेतुका करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह सवाल गलत है, क्योंकि हम किसी एक व्यक्ति को नहीं बल्कि एक पार्टी या पार्टियों के गठबंधन को चुनते हैं।

शशि थरूर ने कहा, एक बार फिर से किसी पत्रकार ने मुझसे पूछा कि पीएम मोदी के विकल्प में कौन हो सकता है? यह सवाल संसदीय प्रणाली में बेतुका है। हम किसी एक व्यक्ति का चुनाव नहीं करते, बल्कि एक पार्टी या पार्टी के गठबंधन को चुनते हैं। थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री का विकल्प जो भी होंगे वह एक अनुभवी, सक्षम और विविध भारतीय नेता होंगे जो

लोगों की समस्याओं के प्रति उत्तरदायी होंगे और उनमें व्यक्तिगत अहंकार नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का चयन एक माध्यमिक विचार है। वे किस व्यक्ति को प्रधानमंत्री के तौर पर चुनेंगे, यह एक गंभीर विचार है।

केरल के तिरुवनंतपुरम से तीन बार के सांसद चौथी बार भी यहां से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले हैं। इस सीट से वह भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर और लेफ्ट फ्रंट के उम्मीदवार पन्न्यन रवींद्रन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों से थरूर लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं। तिरुवनंतपुरम में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। देशभर में सात चरणों में लोकसभा चुनाव होने वाला है। मतदान 19 अप्रैल से शुरू होगा।

भाजपा ने आतिशी को भेजा मानहानि का नोटिस

भाजपा में शामिल होने के ऑफर का सबूत दें

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)।

भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आपा) की मंत्री आतिशी के आरोपों पर उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा है। भाजपा ने नोटिस में कहा है कि उन्हें भाजपा में शामिल होने का जो तथाकथित ऑफर दिया गया, उसका प्रमाण पेश करें।

उल्लेखनीय है कि आतिशी ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में आरोप लगाया कि उन्हें भाजपा में शामिल होने का ऑफर दिया गया और कहा गया कि भाजपा में शामिल हो जाओ नहीं तो जेल जाने को तैयार रहो। आतिशी ने कहा, मुझे कहा गया कि भाजपा में शामिल होकर राजनीतिक करिअर बचा लो, अन्यथा महीने भर में ईडी गिरफ्तार कर लेगा। कुछ दिनों में उनके आवास, रिश्तेदारों व परिवार वालों के घर रेड होगी और समन भेजे जाएंगे।

दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, हमने दिल्ली सरकार की मंत्री और आपा नेता आतिशी को सबूत देने के लिए कानूनी नोटिस दिया है। हम उन्हें भागने नहीं देंगे। इस बार उन्हें जवाब देना ही होगा। आतिशी के कल बयान पर हमने कहा था कि आप झूठ बोल रही हैं। आपके

आरोप बेबुनियाद हैं। हमने कल शाम तक उन्हें माफी मांगने का समय दिया था, अब वह समय खत्म हो चुका है और उन्हें मानहानि का नोटिस दिया गया है। उन्हें इसका जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है अगर उनका जवाब नहीं आया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, आपा नेता आतिशी सरासर झूठ बोल रही हैं और उनके आरोप निराधार हैं। झूठ बोलना आपा की प्रकृति में है। हमने उन्हें माफी मांगने के लिए समय दिया था, लेकिन उन्होंने माफी नहीं मांगी। इसलिए हम मानहानि का नोटिस भेजा है।

आतिशी ने मंगलवार को कहा था कि भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले आपा के चार और नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी में है। उनके अलावा सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश पाठक और राघव चड्ढा को गिरफ्तार किया जाएगा। भाजपा को उम्मीद थी कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आपा टूट जाएगी, लेकिन रामलीला मैदान की रैली और 10 दिन से सड़क पर आपा के संघर्ष के बाद भाजपा को लगता है कि शीर्ष चार नेताओं को गिरफ्तार करना काफी नहीं था, इसलिए चार अन्य नेताओं को भी गिरफ्तार करने की योजना बनाई गई है। हम धमकियों से डरने वाले नहीं है। हम केजरीवाल के सिपाही हैं। आपा के नेता-कार्यकर्ता में आखिरी सांस तक देश के संविधान की बचाने के लिए लड़ते रहेंगे। प्रधानमंत्री और भाजपा के नेता आपा को खत्म करना चाहते हैं। भाजपा भले ही आपा के एक-एक विधायक व कार्यकर्ता को जेल में डाल दे। उसका आपा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि उनकी जगह 10 और लोग केजरीवाल की लड़ाई को लड़ने के लिए सामने आएंगे।

वायनाड से राहुल का नामांकन दाखिल, रोड शो भी किया

इंडी में शामिल भाकपा प्रत्याशी से लड़ेंगे राहुल

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने वायनाड में रोड शो किया। इस दौरान उनका जोरदार स्वागत किया गया।

रोड शो में हजारों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने वायनाड से चार लाख से अधिक मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की थी। इस बार राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन में शामिल भाकपा उम्मीदवार एनी राजा से लड़ेंगे। वायनाड लोकसभा सीट से भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन भी राहुल के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। केरल में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 26 अप्रैल को होगा।

राहुल गांधी का रोड शो सुबह के 11 बजे शुरू हुआ। उन्होंने

लोगों को संबोधित भी किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, आपका सांसद सदस्य होना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं आपको मतदाता के तौर पर नहीं देखता हूं। मैं आपके साथ वैसा ही व्यवहार करता हूं और आपके बारे में वैसा ही सोचता हूं जैसा मैं अपनी बहन के लिए करता हूं। क्योंकि वायनाड के घरों में मेरी मां, बहन, भाई और पिता रहते हैं। उन्होंने कहा, हम न्याय के नए युग में कदम रख रहे हैं। मैं पूरी निष्ठा से जनता की सेवा करना चाहता हूं।

राहुल गांधी ने मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, राज्य में मानव-पशु संघर्ष और मेडिकल कॉलेज बनाने जैसे मुद्दे हैं। मैं इस लड़ाई में वायनाड के लोगों के साथ खड़ा हूं। हमने मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश भी की। मैंने मुख्यमंत्री को भी चिट्ठी लिखी, लेकिन दुर्भाग्यवश प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। मुझे पूरा विश्वास है कि दिल्ली में हमारी सरकार बनेगी और जब केरल में भी हमारी सरकार बनेगी तो हम इन मुद्दों का समाधान करेंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान की लड़ाई के लिए है। एक तरफ कुछ ऐसी शक्तियां है जो देश के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करना चाहती है। वहीं, दूसरी तरफ एक ऐसी शक्ति है जो देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की कोशिश कर रही है। यह आपके सामने स्पष्ट है कि कौन किसके तरफ है। यह साफ है कि कौन संविधान पर हमला कर रहा है।

राहुल गांधी के इस रैली में उनकी बहन प्रियंका गांधी के अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव के सी वेणुगोपाल एवं दीपा दास, एआईसीसी की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रभारी कन्हैया कुमार, राज्य विधानसभा में विपक्ष के वी डी सतीशन एवं केपीसीसी (केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी) के कार्यकारी अध्यक्ष एम एम हसन भी शामिल थे।

उधमपुर लोकसभा सीट : कम होती जा रही चुनाव लड़ने वालों की तादाद

जम्मू, 03 अप्रैल (ब्यूरो)।

जम्मू और कश्मीर में उधमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में संसदीय प्रतिनिधित्व के लिए उम्मीदवारों की संख्या और विविधता में एक अलग ट्रेंड नजर आ रहा है। यह चुनाव मैदान में उतरने वालों की संख्या को लेकर है। अपने पहले चुनाव में मामूली तीन दावेदारों से लेकर 1996 में चौंका देने वाले 40 उम्मीदवारों तक, उधमपुर के चुनावी परिदृश्य ने क्षेत्र के गतिशील राजनीतिक उत्साह को प्रतिबिंबित किया है। 1967 में अपनी स्थापना के बाद से, निर्वाचन क्षेत्र ने एक उल्लेखनीय प्रगति पथ तय किया है। 1967 में अपने उद्घाटन चुनाव में, उधमपुर में तीन उम्मीदवारों के साथ मामूली प्रतिस्पर्धा देखी गई। दावेदारों में कांग्रेस, भारतीय जनसंघ और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रतिनिधि शामिल थे। कांग्रेस उम्मीदवार जीएम ब्रिगेडियर विजयी हुए, जिसने बाद की चुनावी गतिशीलता के लिए मंच तैयार किया।

इसके उपरांत 1971 में, उम्मीदवारों की संख्या दोगुनी होकर आठ हो गई, जो बढ़ते राजनीतिक परिदृश्य को दर्शाता है। कांग्रेस और भारतीय जनसंघ के अलावा पहली बार पंजाब का राजनीतिक दल शिरोमणि अकाली दल भी मैदान में उतरा राजनीतिक भागीदारी का विस्तार हुआ, जिससे उधमपुर की संसदीय सीट में रुचि बढ़ी। इसी तरह से 1989 में उधमपुर से 24 उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने से चुनावी क्षेत्र का और विस्तार हुआ। निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या बढ़ गई, जिनमें अधिकांश दावेदार शामिल थे। कांग्रेस, जनता दल, भाजपा, पैंथर्स पार्टी और प्रोटिस्ट ब्लॉक ऑफ इंडिया ने भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे।

1996 में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुआ, जिसमें अभूतपूर्व 40 उम्मीदवार जीत के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। भाजपा, कांग्रेस, जनता दल, बसपा और पैंथर्स पार्टी जैसी प्रमुख पार्टियों ने 34 स्वतंत्र उम्मीदवारों के एक महत्वपूर्ण दल के साथ चुनाव लड़ा। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच भाजपा उम्मीदवार चमन लाल गुप्ता विजयी हुए, जो चुनावी उत्साह का उदाहरण है। पर 2004 में उम्मीदवारों की संख्या घटकर 20 हो गई, जो राजनीतिक भागीदारी में एकीकरण को दर्शाता है। निर्दलीय उम्मीदवार उल्लेखनीय रहे, जिनमें प्रतियोगियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा शामिल था। कम दावेदारों के बावजूद, विविध राजनीतिक विचारधाराओं के प्रतिनिधित्व के साथ चुनावी परिदृश्य जीवंत बना रहा।

इस वर्ष लोकसभा चुनाव में 12 उम्मीदवार संसदीय प्रतिनिधित्व के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जो उम्मीदवारों की संख्या में गिरावट की प्रवृत्ति को जारी रखता है। कांग्रेस, भाजपा और नेकां जैसे प्रमुख दल स्वतंत्र उम्मीदवारों के साथ-साथ अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतार रहे हैं।

जम्मू कश्मीर का लोकसभा चुनाव

47 साल में आजाद ने तीन बार आजमाई किस्मत

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 03 अप्रैल।

कांग्रेस से अलग हो कर अपनी अलग पार्टी बनाने वाले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद जम्मू कश्मीर से लोकसभा चुनाव जीत कर इस मिथक को तोड़ना चाहते हैं कि वे भी राज्य से लोकसभा चुनाव जीत सकते हैं। अभी तक राज्य से मात्र एक बार विधानसभा का चुनाव जीत पाने वाले गुलाम नबी आजाद कई साल तक राज्यसभा का सदस्य रहे हैं। अपने 47 साल के राजनीतिक जीवन में उन्होंने राज्य में मात्र तीन बार ही किस्मत आजमाई थी। हालांकि 1977 में पहली बार जमानत जब्त करवाने वाले गुलाम नबी आजाद ने 30 साल के बाद वोट पाने का रिकार्ड बनाया था। लेकिन अब सवाल यह है कि क्या वे कश्मीर से लोकसभा चुनाव भी जीत सकेंगे। 2014 में आजाद लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं।

1977 में उन्होंने अपने गृह जिला डोडा से विधानसभा चुनाव लड़ा मगर कामयाब नहीं हो पाए थे। फिर वे केंद्रीय राजनीति की ओर ऐसे गए कि पीछे मुड़ कर कभी नहीं

देखा। यहां तक की कभी लोकसभा का चुनाव भी नहीं लड़ा। फिर गुलाम नबी आजाद ने 27 अप्रैल 2006 को उस मिथक को तोड़ा था जो उनके प्रति कहा जाता था कि वे राज्य से कोई चुनाव नहीं जीत सकते। अपने गृह कस्बे से चुनाव जीतना उनका एक सपना था। वह 27 अप्रैल 2006 को पूरा हुआ था। इस सपने के पूरा होने की कई खास बातें भी थीं और कई रिकार्ड भी। अगर 30 साल पहले इसी चुनाव मैदान में आजाद की जमानत जब्त हो गई थी तो अब वे एक नए रिकार्ड से जीत दर्ज कर पाए थे।

तब गुलाम नबी आजाद ने 58515 मतों की जीत के अंतर से यह चुनाव जीता था। यह अपने आपमें एक रिकार्ड था क्योंकि जम्मू कश्मीर में अभी तक किसी भी नेता या मुख्यमंत्री पद के दावेदार किसी उम्मीदवार को इतनी संख्या में वोट नहीं मिले थे। अभी तक का रिकार्ड पूर्व मुख्यमंत्री शेख मुहम्मद अब्दुल्ला का रहा था जिन्होंने 1977 के विधानसभा चुनाव में गंदरबल सीट से चुनाव जीता तो था लेकिन जीत का अंतर 26162 ही था। वर्ष 2006 से पहले तक राज्य से विधानसभा या लोकसभा का कोई चुनाव न जीत पाने वाले गुलाम नबी आजाद ने जब 2 नवम्बर 2005 को राज्य के मुख्यमंत्री का पद संभाला था तो वे उस समय राज्यसभा के सदस्य थे और जिस प्रकार उनकी जीत ने रिकार्ड कायम किया था ठीक उसी प्रकार उनके पक्ष में एक रिकार्ड यह भी रहा था कि अपने 47 साल के राजनीतिक कैरियर में वे राज्य से कभी लोकसभा या विधानसभा का चुनाव नहीं जीत पाए थे।

आजाद ने अपना सपना पूरा किया था। उनका सपना पूरा होने में 30 साल का समय लगा था। तीस साल पहले इसी विधानसभ क्षेत्र से उनकी जमानत जब्त हो गई थी तो 30 सालों के बाद रिकार्ड संख्या में जो मत उन्हें मिले थे उनके पीछे का एक अन्य रिकार्ड यह भी था कि वे राज्य के पहले ऐसे नेता थे जिन्होंने चुनाव पर्चा भरने के बाद अपने विधनसभा क्षेत्र में एक भी रैली को संबोधित नहीं किया था और न ही अपनी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को कोई चुनाव प्रचार करने दिया था। अब जबकि आजाद ने अपनी नई पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के बैनर तले अनंतनाग राजौरी सीट से मैदान में उतरने की घोषणा की है इस कारण मुकाबला रोचक होने की संभावना इसलिए बन गई है क्योंकि आजाद के साथ काग्रेस का एक तबका आज भी सहानुभूति रखता है और कांग्रेस ने इस संसदीय क्षेत्र में नेकां को समर्थन देने की घोषणा की है। हालांकि इससे पहले गुलाम नबी आजाद उधमपुर डोडा सीट से 2014 में चुनाव हार गए थे।

भाजपा नेता मनोज तिवारी का दावा: 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में बनेगी भाजपा की सरकार

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव का प्रचार अभियान तेज हो चुका है। इसी कड़ी में उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा दिया है। साथ ही उन्होंने बड़ा दावा किया है। सांसद मनोज

तिवारी ने कहा है कि पार्टी 25 साल बाद सत्ता में आएगी। हम पहले कार्यकाल में ही दिल्लीवालों की 90 प्रतिशत समस्याओं को हल कर देंगे।

मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्लीवासियों को अतिरिक्त छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले से चल रही बिजली समेत अन्य छूट बरकरार रहेंगी। तिवारी ने कहा कि भाजपा दिल्ली में बीते 25 साल से सत्ता से बाहर है। यह भाजपा की हार नहीं है बल्कि ये दिल्ली की हार है। लेकिन अब दिल्ली जीतेगी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि साल 2024 के चुनाव में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद दिल्ली में डबल इंजन की सरकार होगी। दिल्ली के लोग हमें 2025 में सरकार बनाने का मौका देंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा थोपी गई सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाएगा। भाजपा ने तीसरी बार मनोज तिवारी को उत्तर पूर्वी दिल्ली की लोकसभा सीट से मैदान पर उतारा है। हमारी सरकार बनने के बाद एक साल के कार्यकाल में ही दिल्ली की 90 फीसदी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि हमारे पास योजना है दिल्ली की सफाई करने की। चाहे नाले हों, वायु प्रदूषण हो या फिर जहरीली यमुना हो। सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। भाजपा दिल्ली में सभी सात उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है।

खूंखार अपराधी अब जेल जाने से भी डरते हैं : योगी

आगरा, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विपक्ष पर जमकर बरसे। योगी ने कहा कि पहले त्यौहारों पर कर्फ्यू लगता था, आज शांति है। कांवड़ यात्रा भी निकल रही है। सीएम योगी ने कहा कि अभी तक अपराधी जमानत तुड़वाकर जेल पहुंचते थे। अब तो वहां भी जाने से डर रहे हैं। अपराधी कह रहे हैं बस हमारी जान बख्श दो।

उत्तर प्रदेश के आगरा में लोकसभा चुनाव की बिसात बिछाने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे थे। उन्होंने चुनावी अभियान की शुरुआत फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र में जनचौपाल से की। सीएम शमसाबाद स्थित एपी सिंह इंटर कॉलेज पहुंचे। यहां सीकरी के भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर के समर्थन में जन चौपाल को संबोधित किया। सीएम ने इंडी गठबंधन को निशाने पर लिया। कहा कि इंडी गठबंधन को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। सपा का प्रत्याशी कांग्रेस में जा रहा है, कांग्रेस का सपा में जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक ओर भाजपा के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन है तो दूसरी तरफ वे लोग हैं, जो दल को मिलाना चाहते हैं, लेकिन उनके दिल नहीं मिल पा रहे हैं। इंडी गठबंधन में जो लोग हैं, उनकी स्थिति भी आप देख रहे होंगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए, लेकिन कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी, फिर भी वे गठबंधन का हिस्सा हैं।

केरल में कम्युनिस्टों ने कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया, लेकिन वे इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं। यही हाल महाराष्ट्र समेत अलग-अलग क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। इनको प्रत्याशी नहीं मिल रहा है। कांग्रेस का प्रत्याशी सपा में और सपा का प्रत्याशी कांग्रेस में जा रहा है। तब किसी प्रकार जोड़तोड़ कर चुनावी अखाड़े में यह दांव आजमा रहे हैं। वहीं मतदाता पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए आश्वस्त हैं।

योगी ने कहा कि पहले बड़े-बड़े दावे होते थे, लेकिन दुश्मन देश के घुसपैठिये भारत में घुस जाते थे। आज घुसने में कांपते हैं। हमने सर्जिकल स्ट्राइक से बता दिया कि हम घुसपैठियों का क्या हाल करते हैं।

पूर्वांचल का आतंक और उग्रवाद कम हुआ है। मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, एम्स, मेट्रो, स्वास्थ्य सेव-ाओं जरूरत के हिसाब से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

निःशुल्क राशन, बिजली, शौचालय, नौजवानों के हाथों को काम, स्किल देने का काम सरकार ने किया। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं जिसमें काम न किया गया हो। देश में जो चुनावी लड़ाई चल रही है, ये साफ दिखाई दे रहा है। एक तरफ फैमिली फर्स्ट और दूसरी तरफ नेशन फर्स्ट वाले लोग हैं।

सीएम ने कहा कि एक तरफ जातिगत बातें करके सामाजिक ताने बाने को छिन्न-भिन्न किया जाता है, दूसरी तरफ एक भारत श्रेष्ठ भारत की बात करने वाली भाजपा है। एक तरफ सरकारी तंत्र में डाका डालने वाली पार्टियां है, दूसरी तरफ भ्रष्टाचार मिटाने वाली सरकार है। पहले सूर्य अस्त होने के बाद थानों में ताले लग जाते थे। आज ज्यादातर अपराधी अपनी जमानतें तुड़वाकर जेल पहुंच जाते हैं। लेकिन अब तो वह वहां भी जाने से डर रहे हैं। आज अपराधी गले में पट्टी लटकाकर कह रहे हैं कि हम ठेला लगाकर जीवन यापन कर लेंगे, बस हमारी जान बख्श दो। अब प्रदेश में दंगा नहीं चलेगा। त्यौहारों पर कर्फ्यू नहीं लगता।

योगी ने कहा कि आज मोदी की गारंटी दी जा रही है। आज किसानों को सम्मान निधि मिलती है। परिवारों को सिर छिपाने के लिए घर मिलता है, हर घर को शौचालय मिलता है, पांच लाख तक का इलाज मुफ्त मिलता है। यही है मोदी की गारंटी, जहां शत फीसदी की गारंटी ली जाती है।

पीलीभीत से वरुण गांधी ने बनाई दूरी, सीएम के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे

पीलीभीत, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। पीलीभीत लोकसभा सीट से दो बार के सांसद वरुण गांधी ने टिकट कटने के बाद अपने संसदीय क्षेत्र से दूरी बना ली है। भाजपा की ओर से टिकट तय होने के बाद पहली बार मंगलवार को पीलीभीत पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में भी वे नहीं आए। प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सीएम की सभा में मौजूदा सांसद की कमी वहां मौजूद सभी लोगों को अखर रही थी।

मेनका गांधी और वरुण गांधी की कर्मस्थली रही पीलीभीत में 35 वर्ष में यह पहला मौका है, जब इन दोनों में कोई भी मैदान में नहीं है। भाजपा ने वरुण गांधी की जगह प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री जितिन प्रसाद पर दांव लगाया है। हालांकि टिकट कटने के बाद सांसद वरुण गांधी ने अपने लोकसभा क्षेत्र की जनता के लिए भावुक खुला पत्र लिखा था। इसमें मां का हाथ पकड़े तीन साल के बच्चे की अपनी कहानी से अपना नाता भी पीलीभीत की जनता से मजबूत किया।

इसके बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान में वरुण गांधी पीलीभीत आएंगे। मुख्यमंत्री के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में स्थानीय नेता व जनता इस उम्मीद में थी कि वरुण गांधी यहां पहुंचेंगे और मंच पर नजर आएंगे। मगर, आखिरकार लोगों को निराशा हाथ लगी। फिलहाल, नौ अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा पीलीभीत में प्रस्तावित है तो स्थानीय लोगों को एक बार फिर उम्मीद है कि वरुण इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले में बड़ी कामयाबी

एसटीएफ ने मुख्य आरोपी राजीव नयन को दबोचा

मेरठ, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में एसटीएफ मेरठ की यूनिट ने बुधवार को मुख्य आरोपी राजीव नयन को गिरफ्तार कर लिया है। राजीव नयन मिश्रा पुत्र स्व. दीनानाथ मिश्रा प्रयागराज के थाना मेजा ग्राम अमोरा का रहने वाला है। वर्तमान में वह भरतनगर जेके रोड भोपाल में रह रहा था।

आरोपी राजीव नयन मिश्रा थाना कंकरखेड़ा मेरठ के केस (क्राइम संख्या 166/24) के अन्तर्गत धारा 420/467/468/471/120बी आईपीसी 2/3/7/8/9 उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम में वांछित चल रहा था। इसी मामले में उसे गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में प्रकाश में आया है कि गुड़गांव के अलावा राजीव ने रीवा के भी एक रिसोर्ट में अपने गैंग के साथ अभ्यर्थियों को पेपर पढ़वाया था। पूर्व में यह एनएचएम घोटाले में ग्वालियर और यूपी टेट पेपर लीक में कौशांबी से जेल जा चुका है। पेपर लीक मामले में अब तक मेरठ एसटीएफ की टीम 54 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

इस मामले में एसटीएफ ने गुरुग्राम से रिसॉर्ट मालिक को भी गिरफ्तार कर लिया था। इसी व्यक्ति के रिसॉर्ट में एक हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले पेपर पढ़वाया गया था। एसटीएफ की मेरठ इकाई के एएसपी बृजेश कुमार सिंह के अनुसार नेचर वैली रिजॉर्ट के मालिक सतीश धनकड़ को एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद से ही टीम मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश दे रही थी।

एएसपी बृजेश कुमार सिंह के अनुसार जिन पांच आरोपियों का रिमांड मिला था, उनमें टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी मिर्जापुर के शिवम गिरि, भदोही निवासी रोहित पांडेय, प्रयागराज निवासी अभिषेक शुक्ला, बिहार निवासी डॉ. शुभम मंडल और मोनू को 10 दिन के रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी दी थी। कोर्ट से पांच दिन का रिमांड स्वीकार की गई थी। उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती की दो पाली की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। इस मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई थी। जांच के बाद खुलासा हुआ कि अहमदाबाद स्थित टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी से पांच और आठ मार्च को पेपर लीक हुआ था। एसटीएफ इस मामले में 15 मुकदमे दर्ज कराकर 54 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। गिरोह के मुख्य आरोपी रवि अत्री और राजीव नयन मिश्रा फरार चल रहा था। बुधवार को एसटीएफ ने भोपाल से उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

रालोद नेता जयंत चौधरी का जोरदार पलटवार

मैं पलटा नहीं, मैंने पटखनी दी है

मुजफ्फरनगर, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह ने संयुक्त रूप से मुजफ्फरनगर में जनसभा को संबोधित किया। रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह ने कहा कि चौधरी अजित सिंह आखिरी बार मुजफ्फरनगर ही आए थे। वह चाहते थे कि गरीबों का सम्मान हो, कल्याण हो। वे लोग वोट लेने के लिए चौधरी चरण सिंह का नाम लेते थे, लेकिन भारत रत्न मिलने पर खुशी नहीं जताई। कहा कि पहले चरण में चुनाव है कोई कसर मत छोड़ देना। कोई टक्कर नहीं बची है। उन्होंने सपा से अलग होने पर पलटवार करते हुए कहा कि मैं पलटा नहीं हूं, इसे पटखनी मारना कहते हैं। कहा कि किसानों के लिए सरकार फैसले लेगी। जो सरकार चौधरी चरण सिंह को सम्मान दे रही है वह किसानों का सम्मान है।

रैली के मंच से बोलेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस बार चुनाव में सपा का सूपड़ा साफ करना है। इसी भूमि से चौधरी चरण सिंह ने किसानों की आवाज

उठाने का काम किया। भाजपा सरकार ने गरीब कल्याण के कार्य किए। गन्ने के दाम बढ़ाए। बसपा ने 19, सपा ने 10 बंद कराई, जबकि भाजपा ने मिलें शुरू कराईं। कश्मीर हमारा है, भाजपा सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया। सपा-कांग्रेस का घमंडिया गठबंधन कभी राम मंदिर नहीं बनने देता। कैराना से पहले पलायन होता था। 2017 के बाद यूपी से गुंडे पलायन करने लगे हैं। उनका मकसद परिवार के आदमी को सीएम और पीएम बनाना है, भाजपा गरीबों को आगे बढ़ा रही है।

शाहपुर में आज आयोजित की गई रैली में पूर्व मंत्री अनुराधा चौधरी, विधायक मदन भैया, पूर्व विधायक उमेश मलिक, विक्रम सैनी, पूर्व सांसद राजपाल सैनी, एमएलसी वंदना वर्मा, पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी, पूर्व विधायक मिथिलेश पाल, रालोद जिला अध्यक्ष संदीप मलिक मौजूद रहे। मंच से जनता को संबोधित करते हुए परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा कि राम मंदिर के लिए कई पीढ़ियों ने बलिदान दिया। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न किसानों का सम्मान है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी यूपी का मैदान छोड़कर चले गए हैं। पूरा प्रदेश एनडीए की तरफ देख रहा है।

मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग का सपना पूरा किया। गरीबों के लिए कार्य किए गए। कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि गठबंधन पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगा। रालोद और भाजपा का गठबंधन मजबूत है। रालोद विधान मंडल दल के नेता राजपाल बालियान ने कहा कि गठबंधन अपनी ताकत दिखाएगा। खिलाड़ियों का पूरा सम्मान किया गया है।

अपने संसदीय क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं पूर्वांचल के सात सांसद

वाराणसी, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्वांचल की सियासत कई मायने में दूसरे क्षेत्रों से जुदा है। हाल के वर्षों में मतदाताओं का नजरिया बदला है। स्थानीय से कहीं ज्यादा भरोसा उन्होंने बाहरी प्रत्याशियों पर जताया है। वार-ाणसी के साथ ही चंदौली, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, आजमगढ़ और घोसी के सांसद अपने क्षेत्र के वोटर नहीं हैं।

वाराणसी संसदीय क्षेत्र में वर्ष 2004 से बाहर से आए प्रत्याशी ही सांसद चुने जा रहे हैं। 2004 के कांग्रेस सांसद डॉ. राजेश मिश्रा का जन्म स्थान देवरिया जिला है। 2009 के भाजपा सांसद डॉ. मुरली मनोहर जोशी का जन्म स्थान दिल्ली है। 2014 से अब तक भाजपा के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म स्थान गुजरात का वडनगर ग्राम है।

वाराणसी से सटे चंदौली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 2014 से डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय भाजपा के सांसद हैं। डॉ. पांडेय मूल रूप से गाजीपुर जिले के निवासी हैं और उनका आवास वाराणसी में है। मिर्जापुर में वर्ष 2009 से बाहर से आए प्रत्याशी ही लोकसभा चुनाव जीत कर संसद पहुंचे हैं। 2009 के चुनाव में समाजवादी पार्टी के टिकट पर सांसद चुने गए बालकुमार पटेल का जन्म स्थान चित्रकूट जिला है। वहीं 2014 और 2019 में अपना दल-एस के टिकट पर जीत दर्ज करने वाली केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल मूल रूप से कानपुर की रहने वाली हैं।

सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भी वर्ष 2009 से बाहर से आए नेता ही सांसद चुने जा रहे हैं। मिर्जापुर के मूल निवासी पकौड़ी लाल कोल रॉबर्ट्सगंज लोकसभा से वर्ष 2009 में सपा और 2019 में अपना दल एस से सांसद चुने गए। वर्ष 2014 में चंदौली जिले के मूल निवासी छोटेलाल खरवार भाजपा से सांसद चुने गए थे। 2009 में अस्तित्व में आए भदोही लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 2019 में मिर्जापुर के मूल निवासी रमेश चंद बिंद भाजपा के सांसद चुने गए। आजमगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 2014 से बाहर से आए प्रत्याशी ही सांसद चुने जा रहे हैं।

वर्ष 2014 में सैफई के मूल निवासी तत्कालीन सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव और 2019 में उनके पुत्र अखिलेश यादव सांसद चुने गए थे। 2022 में हुए उपचुनाव में गाजीपुर जिले के मूल निवासी दिनेश लाल यादव आजमगढ़ से भाजपा के सांसद चुने गए। मऊ जिले के घोसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भी वर्ष 2009 से बाहर से आए नेता ही सांसद चुने जा रहे हैं। 2009 में आजमगढ़ जिले के मूल निवासी दारा सिंह चौहान बीएसपी से चुनाव जीते। 2014 में बलिया जिले के मूल निवासी हरिनारायण राजभर भाजपा से चुनाव जीते। 2019 में गाजीपुर जिले के मूल निवासी अतुल राय घोसी लोकसभा से बसपा से सांसद चुने गए।

पूर्वांचल की सियासत पर बारीकी से नजर रखने वालों का कहना है कि यहां के मतदाना प्रत्याशी का जन्म और निवास स्थान नहीं देखते हैं। वह सिर्फ यह देखते हैं कि प्रत्याशी कितना दमखम वाला है और उनकी आवाज को कितने सशक्त तरीके से संसद में रख सकता है।

बरेली में सत्य साईं बिल्डर्स के ठिकानों पर आयकर का छापा

बरेली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली के कारोबारी और ठेकेदार रमेश गंगवार के डीडीपुरम स्थित सत्य साईं बिल्डर्स कार्यालय, आवास समेत शहर स्थित अन्य तीन ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा है। आयकर अधिकारी बताते हैं कि यह कार्रवाई लखनऊ से आई टीमों ने की है। स्थानीय स्तर पर भी कुछ अधिकारियों को कार्रवाई में शामिल किया गया है।

आयकर टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। रमेश गंगवार कंस्ट्रक्शन समेत अन्य व्यवसाय

करते हैं। आयकर की कार्रवाई की सूचना पर शहर के अन्य बड़े व्यापारियों, ठेकेदार में खलबली मची हुई है। वह एक दूसरे को कॉल कर कार्रवाई के बारे में जानकारी कर रहे हैं। उधर, कारोबारी के लखनऊ और काशीपुर स्थित ठिकानों पर भी छापे मारे गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रमेश गंगवार का कई ब्यूरोक्रेट्स के साथ करीबी संबंध भी बताया जा रहा है, जिसकी पड़ताल भी आयकर विभाग कर रहा है। बता दें कि बिल्डर्स के ठिकानों पर बीते दिनों जीएसटी ने भी छापा मारा था।

अमेठी लोकसभा सीट: अब तक सिर्फ दो महिलाएं ही संसद तक पहुंचीं

सोनिया ने बेटे राहुल के लिए छोड़ दी थी सीट

अमेठी, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। सत्ता के शिखर तक पहुंचाने की हैसियत रखने वाली अमेठी की सियासी जमीन आधी आबादी के लिए बहुत उपजाऊ नहीं रही। लोकसभा बनने के बाद से अब तक यहां महज दो ही महिला सांसद हो पाई हैं। लोकसभा चुनाव 1984 में पहली दफा मेनका गांधी चुनाव लड़ी थीं। उन्होंने अपने जेठ स्व. राजीव गांधी के मुकाबिल चुनावी मैदान में उतर कर आधी आबादी की ताकत का एहसास कराया था। हालांकि वह चुनाव हार गई थीं। 1984 के बाद से 1998 तक यहां महिला उम्मीदवारों का अकाल रहा।

साल 1999 के लोकसभा चुनाव में फिर गांधी परिवार की बड़ी बहू सोनिया गांधी चुनाव लड़ीं। वह अमेठी की पहली महिला सांसद चुनी गईं। 2004 के लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी ने यह सीट अपने बेटे राहुल गांधी के लिए छोड़ दी और यहां से महिला प्रतिनिधित्व फिर समाप्त हो गया। साल 2009 में महिला अधिकार पार्टी से सुनीता ने चुनाव लड़ा, लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

लोकसभा चुनाव 2014 का वक्त आया। अमेठी लोकसभा बनने से अब तक सबसे अधिक महिलाओं ने चुनाव लड़ा। भाजपा से स्मृति इरानी के अलावा तीन अन्य महिलाएं जाहिदा बेगम, मिथिलेश कुमारी, छाया सिंह भी मैदान में उतरीं, लेकिन सभी को शिकस्त मिली। समय आया 2019 के चुनाव का। इस बार भाजपा से स्मृति इरानी और निर्दल के रूप में सरिता एस नायर ने चुनाव लड़ा। 1999 के बाद स्मृति इरानी के रूप में अमेठी को दूसरी महिला सांसद मिलीं।

इस सब के इतर जिले में 100 किन्नर वोटर हैं, लेकिन उनकी हिम्मत की दाद देनी होगी। 2014 में सोनम किन्नर ने चुनाव लड़कर सभी को चौंका दिया था। आजादी के बाद से यहां से अब तक सोनम पहली और एकमात्र किन्नर प्रत्याशी रही हैं।

भाजपा सांसद सुब्रत पाठक ने सपा प्रमुख पर लगाए गंभीर आरोप

पहले जेल भेजा था, अब हत्या कराना चाहते

कन्नौज, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा मुखिया अखिलेश यादव की ओर से कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान की गई टिप्पणी पर सांसद सुब्रत पाठक ने गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मंच पर अखिलेश यादव की मौजूदगी में मुझे मारने की धमकी दी गई। जाति विशेष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई। ऐसे में निर्वाचन आयोग इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि वह पहले भी कह चुके हैं अखिलेश यादव उनकी हत्या कराना चाहते हैं। ऐसे में मुझे कुछ भी होता है तो उसकी जिम्मेदारी अखिलेश यादव की ही होगी। कार्यालय में बुधवार को मीडिया से रूबरू सांसद ने कहा कि डिंपल यादव के खिलाफ चुनाव लड़ने पर अखिलेश यादव उनसे खुन्नस रखते हैं। वर्ष 2014 में जब वह भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे थे तो सपा के लोग धमका दे रहे थे। प्रलोभन दिया गया था फिर भी वह मैदान से नहीं हटे। तब झूठे मामलों में मुझ पर गंभीर मुकदमे दर्ज किए गए।

पुलिस ने घर पर छापा भी मारा। जेल भी भेजा गया। इसके बाद वर्ष 2019 में डिंपल को चुनाव में हरा दिया। इससे उनकी खुन्नस और बढ़ गई हैं। इस बार भी अखिलेश यादव यहां से चुनाव लड़ना चाहते हैं तो दबाव बनाने के लिए मुझे धमकी दी जा रही है। सपा कार्यालय में उनकी मौजूदगी में मंच से मुझे गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई और वे ताली बजाते रहे। उन्होंने कहा कि मंच से एक दलित बिरादरी के खिलाफ टिप्पणी की गई। यह सब अखिलेश के ही इशारे पर हुआ है। इस दौरान मौजूद भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेश दिवाकर ने भी कहा कि सपा के मंच से की गई टिप्पणी से दलित समाज आहत है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि ओमकार शाक्य, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अभिमन्यु ठाकुर, शरद मिश्र आदि मौजूद रहे।

सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि खुद अखि-लेश यादव ने मंच से उनके बारे में अनर्गल व्यक्तिगत टिप्पणी की है। जो बातें उन्होंने कहीं हैं, उसे वह साबित करें। नहीं तो वह उनके खिलाफ मानहानी का मुकदमा कराएंगे। मंच पर उनके सामने धनबल की बात कही गई। आशंका है कि वह चुनाव में काला धन का प्रयोग करेंगे। सांसद ने कहा कि सपा के लोग बार-बार आरोप लगा रहे हैं कि मैंने पुलिस की पिटाई की। यह सरासर गलत है। जिन लोगों ने यह आरोप लगाया है वह बच्चों की कसम खाएं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

बसपा ने 12 सीटों पर घोषित किए प्रत्याशी

लखनऊ से सरवर मलिक को दिया टिकट

लखनऊ, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी ने बुधवार को लखनऊ लोकसभा सीट सहित 12 उम्मीदवारों की घो-षणा कर दी है।

पार्टी ने लखनऊ से सरवर मलिक को प्रत्याशी बनाया है। गाजियाबाद से नंद किशोर पुंडीर, अलीगढ़ से हितेंद्र कुमार उर्फ बंटी उपाध्याय और मथुरा से सुरेश सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है।

इसी तरह सपा का रही मैनपुरी सीट से गुलशन देव शाक्य, खीरी से अंशय कालरा रॉकीजी, उन्नाव से अशोक कुमार पांडेय को प्रत्याशी बनाया गया है। मोहनलालगंज से राजेश कुमार उर्फ मनोज प्रधान को उम्मीदवार बनाया गया है। कन्नौज से इमरान बिन जफर, कौशाम्बी से शुभ नारायण, लालगंज से इंदू चौधरी और मिर्जापुर से मनीष त्रिपाठी को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

हेल्थ अलर्ट

ग्रीन टी के फायदे तो सुने होंगे अब जानिये नुकसान भी

यूं तो ग्रीन टी हमारे स्वास्थ्य के लिए वरदान है। अगर वजन कम करना हो या शरीर की चर्बी घटानी हो तो ग्रीन टी का सेवन फायदेमंद है। लेकिन कहते हैं ना किसी भी चीज की अति सही नहीं होती। इसी प्रकार, ग्रीन टी ज्यादा पीने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। दरअसल, ग्रीन टी में कैफीन और टेनिन्स की मात्रा पाई जाती है। एक दिन में दो कप से ज्यादा ग्रीन टी पीना हानिकारक है। इसके ज्यादा सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी और सिरदर्द जैसी बीमारियों को न्योता मिल सकता है। अगर आप ग्रीन टी के स्वास्थ्य लाभों का फायदा उठाना चाहते हैं तो इसे सही समय और सही मात्रा में पीना आवश्यक है।

आइए एक नज़र डालते हैं ग्रीन टी से होने वाले नुकसान पर

1. ज्यादा ग्रीन टी पीना आपके पाचन तंत्र को बिगाड़ सकता है। जिन्हें एसिडिटी की दिक्कत है, वे ग्रीन टी का सेवन ना करें।
2. गर्भवती महिलाएं ज्यादा मात्रा में ग्रीन टी पीने से बचें। इसके ज्यादा सेवन से गर्भपात की नौबत तक आ सकती है।
3. जिन लोगों को हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं, वो लोग ग्रीन टी ना पिएं।
4. एनीमिया और डाइरिया की समस्या से परेशान लोग ग्रीन टी से बचें।
5. ग्रीन टी तय मात्रा से अधिक पीने पर किडनी से जुड़ी समस्या पैदा हो सकती है।
6. ज्यादा ग्रीन टी पीने से दिल से जुड़ी बीमारियां आपकी जिंदगी में दस्तक दे सकती हैं।
7. मोतियाबिंद से परेशान लोग भूलकर भी ग्रीन टी ना पिएं। क्योंकि ग्रीन टी से उनकी आंखों पर दबाव पड़ेगा।
8. एंटीबायोटिक्स ले रहे लोग ग्रीन टी ना पिएं। क्योंकि कुछ दवाएं ऐसी हैं जिनमें ग्रीन टी का सेवन करने से साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

जानें, ग्रीन टी पीने का सही समय

1. ध्यान रखें, कभी भी खाली पेट ग्रीन टी ना पिएं।
2. ग्रीन टी में चीनी और दूध मिलाने की जगह शहद मिलाएं।
3. खाने के तुरंत बाद ही ग्रीन टी का सेवन हानिकारक है।
4. खाना खाने से आधा घंटा पहले या खाने के 1-2 घंटे बाद ग्रीन टी पिएं।

शेविंग की परेशानियों से बचाने वाले घरेलू नुस्खे

आकर्षक व्यक्तित्व के लिए पुरुष शेव करते हैं, कामकाजी लोगों को तो नियमित रूप से शेव करना पड़ता है। लेकिन कई बार शेव करते समय त्वचा संबंधी समस्यायें होने लगती हैं। अगर आपको भी शेविंग के दौरान परेशानी होती है तो घरेलू नुस्खों को आजमायें। इसके लिए ऑयल मसाज करें, शेव करने से एक दिन पहले बादाम तेल से चेहरे की मसाज करें। इस मसाज से आपकी त्वचा को विटामिन-ए और विटामिन-ई मिलेगा जिससे की त्वचा हेल्दी और स्मूथ रहेगी और शेव के दौरान परेशानी नहीं होगी। शेव करने से पहले गर्म पानी से नहाएं।

गर्मियों में त्वचा को न होने दें बेजान

गर्मियों का मौसम आ गया है और अपने साथ लाया है पसीना, घमोरियां और बहुत सी त्वचा की परेशानियां. इस मौसम में जहां सबको टेनिंग की चिंता होती है, वहीं त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी भी खो देती है. गर्मियों में पसीने और धूल मिट्टी से चेहरे पर पिंपल्स भी होने लगते हैं...

इतनी सारी परेशानियों से कैसे निपटा जाए...

कितने ही अच्छे फेशवॉश इस्तेमाल करें या कितने ही पैसे पार्लर में क्यों न खर्च कर दिए जाएं ये दिक्कतें थोड़े दिन बाद फिर लौट आती हैं. आइए हम आपको बताते हैं कि इन गर्मियों में कैसे बिना पैसे खर्च करे आप घरेलू नुस्खों से ही रख सकते हैं अपनी त्वचा का ख्याल...

» झुर्रियों से बचने और कोमल त्वचा के लिए शुद्ध अरंडी के तेल का इस्तेमाल करें. इससे त्वचा पर चमक आएगी.

» त्वचा को चमकदार बनाने के लिए कच्चे आलू को चेहरे पर रगड़ें.

» चेहरे को साफ करने के लिए किसी साबुन या सादे पानी की जगह क्लींजर का इस्तेमाल करें.

» दिन में अच्छे मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें और सोने से पहले अपने इसे धो कर नाइट क्रीम लगाएं.

» अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो सप्ताह में एक बार तरबूज के रस से चेहरे को साफ करें.

» तैलीय त्वचा वाले लोगों को अपना चेहरा मेडिकल साबुन या सादे पानी से धोना चाहिए.

» तैलीय त्वचा से परेशान हैं, तो अजवायन के जूस में शहद और नीबू या अदरक का रस मिला कर चेहरा साफ करें.

» ककड़ी, अजवायन, बंदगोभी, टमाटर और नीबू तैलीय त्वचा के लिए अच्छे होते हैं.

» संतरे का जूस अंदरूनी निखार के लिए बहुत अच्छा होता है. अपने चेहरे, गर्दन, कोहनियों और माथे को इससे साफ करें.

» मेथी के पत्ते कील- मुंहासे, त्वचा का रूखापन और झुर्रियों को कम करने में मददगार होते हैं.

» अगर आपकी आंखें थकी हैं, तो आलू काट कर 20 मिनट तक आंखों पर रख लें. आराम मिलेगा.

» रूखी त्वचा पर शेविंग करने से बचें. पहले अपनी त्वचा को गीला कर लें, उसके बाद ही शेविंग करें.

» वैक्सिंग के बाद प्यूमिक स्टोन से भी बालों के स्थान को रगड़ें, यह त्वचा की परत पर बालों को बढ़ने से बचाए रखेगी.

ऐसे गर्मियों में आपको ठंडक देगा वार्डरोब

महिलाओं यह मई का महीना शुरू हो चुका है। अगले महीने भी मौसम की गर्मी कम होने वाली नहीं है। ऐसे में चुभती-जलती तपिश से खुद को बचाने के लिए जरूरी है कि आप अपने वार्डरोब को नए सिरे से संवार लें।

सबसे पहला काम

सबसे पहले अपनी अलमीरा में रखे डार्क कलर के कपड़ों को बाय कहें। उन्हें तह कर सर्दियों के लिए संभाल कर रख दें।

चुने हल्के रंग

लाइट कलर्स के कपड़ों से दोस्ती कर लें। खासतौर से इन मई और जून के लिए। आप बेबी पिंक, वाइट, ऑफ वाइट, क्रीम, लेमन ग्रीन, लाइट पर्पल जैसे शेड चुन सकती हैं।

बस कॉटन ही कॉटन

इन दो महीनों के लिए यह भूल जाएं कि दुनिया में कॉटन के अलावा कोई और फैब्रिक भी है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। कॉटन आपकी त्वचा को आराम देगा और आपको ठंडक का अहसास।

आरामदायक फुटवियर्स

इस मौसम में सुबह बहुत छोटी होती है और दोपहर कुछ ज्यादा ही बड़ी। इसलिए मॉर्निंग और ईवनिंग वॉक के अलावा भी ऐसे शू पहनें जो आपके पैरों को कवर करके रखें।

वास्तु शास्त्र

घर को सजाएं विंड चाइम से

गुडलक के साथ घर का गुड लुक चाहती हैं, तो घर को सजाइए Wind chimes से। Wind chime सिर्फ डेकोरेटिव और शौक में लगाया जानेवाला चीज नहीं है, बल्कि इससे आपके घर और ऑफिस में सकारात्मक एनर्जी लानेवाला खूबसूरत शो पीस है। मार्केट में कई तरह के Wind chime मिलते हैं। आप अपनी पसंद और बजट के अनुसार इनका सिलेक्शन कर सकती हैं।

1) वुडन विंड चाइम

सिंपल लिविंग और हाई थिंकिंग वाले लोगों के लिए वुडन विंड चाइम बेहतरीन सिलेक्शन हो सकता है। वुडन विंड चाइम देखने में बहुत ही आकर्षक होता है। ये आशियाने को एलिगेंट लुक देने के साथ ही घर का इंप्रेशन भी बढ़ाता है। इन्हें पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लटकाना चाहिए। ये घर-गृहस्थी के लिए अच्छे माने जाते हैं।

2)बटरफ्लाई विंड चाइम

आप यदि रंग-बिरंगी तितलियों से अपना आशियाना सजाना चाहती हैं, तो घर ले आइए बटरफ्लाई विंड चाइम। हवा के साथ उड़ती तितलियां घर को आकर्षक लुक देंगी।

3) स्पाइरल विंड चाइम

साधारण विंड चाइम से बिल्कुल अलग स्पाइरल विंड चाइम देखने में बेहद खूबसूरत होते हैं। ये घुमावदार व पानी की तरंगों की तरह होते हैं। इनका आकार साधारण विंड चाइम से थोड़ा बड़ा होता है। इसमें बेल, फिश, सीप प्रमुख रूप से मिलते हैं, जो बेहद आकर्षक लगते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि उसके रॉड सुंदर और मजबूत हों।

4) बाम्बू विंड चाइम

ये विंड चाइम बाम्बू यानी बांस के आकार वाले होते हैं है। सिंपल लिविंग लोगों को बाम्बू विंड चाइम बहुत पसंद आते है। ये मेटल जितने आवाज नहीं करते, लेकिन घर में इनकी उपस्थिति पूरे माहौल को सकारात्मक बना देती है। बाम्बू विंड चाइम खरीदते समय उसके मटेरियल का ध्यान अवश्य रखें।

5)क्ले विंड चाइम

ड्राई क्ले यानी मिट्टी से बने ये विंड चाइम घर को सकारात्मक ऊर्जा से भरने के साथ घर को यूनीक लुक देते हैं। इस तरह के विंड चाइम आमतौर पर कुछ खास घरों में ही देखने को मिलते हैं।

6)क्लासिक विंड चाइम

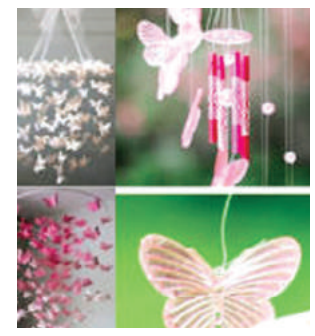

मेटल से बने ये विंड चाइम घर को क्लासिक लुक देते हैं। ये थोड़े महंगे होते हैं।

ध्यान रखें ये बातें

1.सबसे पहले ध्यान रखें, जिस स्थान पर विंड चाइम लगाया हो उसके नीचे बैठना नहीं चाहिए और न ही उसके नीचे से गुजरना चाहिए।

2.विंड चाइम हमेशा खोखली नली वाली ही लेनी चाहिए।

3.इस बात का ध्यान रखें कि उसके रॉड सुंदर और मजबूत हों।

4.हो सके तो सिरामिक विंड चाइम का सिलेक्शन करें।

टमाटर इस तरह काटेंगी तो व्यंजनों का बढ़ जायेगा स्वाद

खाने की जिस भी वस्तु में टमाटर पड़ जाता है, उसका स्वाद दोगुना हो जाता है। टमाटर जहां व्यंजन का स्वाद बढ़ाता है वहीं स्वास्थ्य के लिए लाभदायक भी होता है, साथ ही इससे व्यंजन की सुंदरता भी बढ़ जाती है।

प्राय: सभी घरों में टमाटर का इस्तेमाल सूप, सलाद, चटनी, सूखी सब्जी, रसेदार सब्जी आदि के लिए होता है। अधिकतर घरों की रसोई में तीन-चार चीजों के लिए जैसे सूप, सलाद, चटनी सब्जी के लिए टमाटर का इस्तेमाल होना आम बात है। अकसर महिलाएं खाना बनाने से पहले जैसे सब्जी काट कर रखती हैं वैसे ही जरूरत के मुताबिक टमाटर का उपयोग करती हैं। लेकिन हर व्यंजन में या सलाद में एक जैसा कटा रखा टमाटर न तो भोजन को स्वाद से भरपूर बनाता है, न ही देखने में सुंदर लगता है। खाने में कहीं टमाटर के छिलके मुंह में आते हैं तो किसी व्यंजन में टमाटर के छिलके अलग से नजर आते हैं। अत: हर व्यंजन के लिए उसके अनुसार टमाटर काटें क्योंकि थोड़े से आराम के लिए व्यंजन का स्वाद व सुंदरता न बिगाड़ें और न ही खाना बनाने की अपनी कुशलता में कमी आने दें। आइए जानें कि व्यंजन के अनुसार टमाटर किस प्रकार काटें-

» आलू-टमाटर की रसेदार सब्जी के लिए टमाटर काटने और पीसने की अपेक्षा कद्दूकस कर लें। इससे बीज पिसते नहीं हैं और सब्जी का रंग सुर्ख होता है।

» सूखी सब्जी में टमाटर डालने के लिए छोटे-छोटे चौकोर टुकड़ों में काटें, इससे बनी सब्जी में टमाटर अलग नहीं दिखाई देता।

» कोफ्ते की ग्रेवी बनाने के लिए मसालों के साथ टमाटर पीस लें। इससे टमाटर के छिलके ग्रेवी में अलग से नहीं दिखते हैं।

» किसी भी भरवां सब्जी के लिए यदि आप टमाटर का प्रयोग करती हैं तो उसके लिए टमाटर के अंदर का गूदा व रस निकाल कर भरवां मसाले में मिला दें। ऊपरी हिस्से को पीस कर किसी और व्यंजन में अलग से काम में लाएं या भरवां सब्जी के अधपका हो जाने पर ऊपर से पिसा टमाटर डाल कर सब्जी खुश्क करें।

यदि सलाद बनाना हो तो-

» सलाद के लिए टमाटर पतले और गोल-गोल काटें, इससे सलाद की सुंदरता बढ़ती है।

» आमलेट व पिज्जा के लिए टमाटर पतले और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें, इससे टमाटर अलग से मुंह में नहीं आता है।

» टमाटर की चटनी मिक्सी में पीसनी है तो टमाटर का रस निकाल कर पीसें, इससे टमाटर अच्छी तरह पिसता है और फिर ऊपर से रस डालने से चटनी का रंग खिला और चटक लगता है।

» बेसन के साथ टमाटर की सूखी सब्जी बनाने के लिए लंबे-पतले एक से आकार के टमाटर काटें।

» पुलाव में टमाटर डालने के लिए मोटे टुकड़े काटें। मसाला भूनने के बाद कटे टुकड़ों को डालें, इससे पुलाव के बीच-बीच में टमाटर के लाल टुकड़े सुंदर लगते हैं।

» नूडल्स के लिए टमाटर मोटे चौकोर टुकड़ों के रूप में काटें लेकिन इन्हें ज्यादा गलने न दें।

» भेल या अंकुरित चाट आदि में डालने के लिए बारीक छोटे-छोटे टमाटर काटें। इससे भेल या चाट का जायका तो बढ़ता ही है साथ ही बारीक कटा टमाटर खाने की अन्य चीजों के साथ मिल कर एक हो जाता है।

» सूप बनाने के लिए टमाटर को बीच से काट कर उबाल लें, बिना मसले छिलके को अलग कर दें फिर गूदे को मसलने से टमाटर का सूप आसानी से निकलता है।

» दाल फ्राई के लिए टमाटर को छोटे-छोटे एक जैसे टुकड़ों में काटें और उन्हें मसाला भूनने के बाद डालें, इससे छिलके अलग नहीं होते हैं और दाल फ्राई जायकेदार बनती है।

» टमाटर स्टफ बनाने के लिए एक आकार के कुछ कड़े टमाटर लें। इनके ऊपर से छोटा गोल हिस्सा काट कर किसी नुकीली चीज से गूदा निकाल लें। इस गूदे में भुना मसाला मिला कर टमाटर में भर कर कटा हिस्सा लगा कर बंद कर दें।

रेसिपी

ओट्स् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्ज

सामग्री

पीटा ब्रैड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडों में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

फटे दूध के पानी को ऐसे कर सकतें है यूज!

दूध फट गया है और आप उसे फेंकने वाली हैं तो पांच मिनट रुक जाइए। फटे दूध से जैसे पनीर बनता है वैसे ही उसका पानी भी बहुत उपयोग में आता है। फटे दूध के पानी के हैं ये उपयोग...

फटे दूध के इस्तेमाल

दूध जीवन के लिये अनमोल है, लेकिन अजकल न सिर्फ दूध की कीमतें बढ़ती जा रही हैं, बल्कि इसकी अपलबेधता भी कम होती जा रही है। उस पर अगर दूध फट जाए तो बेहद दुख होता है। लेकिन जिंदा हाथी लाख का तो मला सवा लाख का, कहावत फटे दूध पर शायद सही बैठती है। जी हां, दूध फटने के बाद भी बड़े काम का होता है। इससे पनीर बनाया जा सकता है और इससे जो पानी बचता है, वो भी कई काम आ सकता है। तो फटे दूध का पानी नहीं फेंकना चाहिये। आप इससे आटे को गूंद कर आटे की पौष्टिकता बढ़ा सकती हैं या फिर आप इसे सौंदर्य को निखारने के लिये भी इस्तेमाल कर सकती हैं। पटे दूध के पानी में काफी प्रोटीन होता है। इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। चलिये जानें फटे दूध के क्या फायदे होते हैं और इसे फैंकना क्यों नहीं चाहिये।

उपमा या सूप में मिलाएं

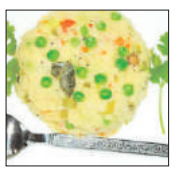

फटे दूध का पानी का फ्लेवर काफी लाइट होता है जिसे उपमा में मिलाने से उपमा का स्वाद और भी बेहतर हो जाता है। उपमा में टेस्ट लाने के लिये टमाटर या दही मिलाने की जगह फटे दूध का पानी मिलाने पर ज्यादा बेहतर स्वाद आता है। आप सूप बनाने के लिये भी इस पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सौंदर्य निखारने के लिये करें इस्तेमाल

फटे दूध के पानी से बालों को शैंपू करने के बाद, दुबारा इस पानी से धोएं और फिर 10 मिनट तक लगा रहने दें और हल्के गर्म पानी से बालों को धो लें। इससे बाल मुलायम बनते हैं और उनमें शाइन आती है। साथ ही इससे अपने चेहरे को धो कर आप त्वचा को मुलायम, टोन्ड, नरम और भीतर से साफ बना सकती हैं। दरअसल इस पानी में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं जो कि सिर और त्वचा का श्न॥ बैलेंस बनाए रखते हैं।

अपने जानवरों के लिये हेल्दी डाइट बनाएं

अगर आपके घर में कोई पालतू जानवर जैसे, कुत्ता या बिल्दी आदि है तो उसे एक्सट्रा प्रोटीन देने के लिये इसे उसके खाने में मिलाएं। इसके अलावा आप फटे दूध के पानी को पौधों में भीडाल सकते हैं। ऐसे करने से पौधों को पोषण मिलता है, लेकिन इसे पानी में घोल कर ही प्रयोग करें। क्योंकि यहएसिडिक होता है, और इसे सीधा पौधों में जालने से वे जल सकते हैं।

संपादकीय

भारत-बहिष्कार की सियासत

समूचे बांग्लादेश को याद रखना चाहिए कि यदि वह अस्तित्व में है, तो भारत की बदौलत है। 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति का युद्ध भारतीय सेना ने लड़ा था और पाकिस्तान के 90,000 से अधिक फौजियों को आत्म-समर्पण के लिए विवश किया था। मुक्ति-संग्राम के दौरान शेख मुजीबुर्रहमान को भारत ने ही संरक्षण दिया था। जब बांग्लादेश बनने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति शेख मुजीब और परिजनों के कत्ल किए गए थे, तब मौजूदा प्रधानमंत्री हसीना को भी भारत ने ही शरण देकर उनकी जान बचाई थी।

1971 में बांग्लादेश की मुक्ति का युद्ध भारतीय सेना ने लड़ा था और पाकिस्तान के 90,000 से अधिक फौजियों को आत्म-समर्पण के लिए विवश किया था। मुक्ति-संग्राम के दौरान शेख मुजीबुर्रहमान को भारत ने ही संरक्षण दिया था। जब बांग्लादेश बनने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति शेख मुजीब और परिजनों के कत्ल किए गए थे, तब मौजूदा प्रधानमंत्री हसीना को भी भारत ने ही शरण देकर उनकी जान बचाई थी। प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद बुनियादी, मानसिक और सैद्धांतिक रूप से 'भारतवादी' हैं। वैसे भी ढाका और दिल्ली के सांस्कृतिक और कारोबारी रिश्ते ब्रिटिशकालीन हैं। चूंकि शेख हसीना एक बार फिर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री चुनी गई हैं, अवाम ने कट्टरपंथी, दहशतगर्द ताकतों को खारिज कर जनादेश दिया है कि उन्हें जेल में ही सडऩे दें, लिहाजा भारत पर तोहमतें चस्पा की जा रही हैं कि हसीना को चुनाव जिताने में भारत सरकार की दखल भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद बुनियादी, मानसिक और सैद्धांतिक रूप से 'भारतवादी' हैं। वैसे भी ढाका और दिल्ली के सांस्कृतिक और कारोबारी रिश्ते ब्रिटिशकालीन हैं। चूंकि शेख हसीना एक बार फिर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री चुनी गई हैं, अवाम ने कट्टरपंथी, दहशतगर्द ताकतों को खारिज कर जनादेश दिया है कि उन्हें जेल में ही सडऩे दें, लिहाजा भारत पर तोहमतें चस्पा की जा रही हैं कि हसीना को चुनाव जिताने में भारत सरकार की दखल भूमिका रही है। यह सरासर गलत है। भारत ने तो तब भी बांग्लादेश की अंदरूनी सियासत में हस्तक्षेप नहीं किया था, जब वहां सैन्य वर्चस्व बढ़ रहा था। अब विरोध प्रधानमंत्री शेख हसीना का है, लेकिन अभियान 'बॉयकॉट इंडिया' का छेड़ रखा है। भारतीय उत्पादों का बहिष्कार किया जाए, विपक्ष की 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (बीएनपी) ने भारत के प्रत्यक्ष बहिष्कार का नकारात्मक आह्वान कर रखा है। यह घोर निंदनीय है। लगता है बीएनपी के नेता और काडर को इतिहास की जानकारी नहीं है और न ही उन्हें बांग्लादेश के अस्तित्व के लिए भारत के आर्थिक और सामरिक सहयोग का एहसास है। वैसे बीएनपी के भारत-बहिष्कार का मुंहतोड़ जवाब प्रधानमंत्री हसीना ने विपक्ष को दिया है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को कहा है कि वे अपनी पत्नियों की साडियां जलाएं। उनकी पत्नियों के पास कितनी साडियां हैं और उन्होंने अभी तक उन्हें आग के हवाले क्यों नहीं किया? प्रधानमंत्री हसीना ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी को चुनौती दी है, जब विपक्षी नेता अपनी पत्नियों की भारतीय साडियां अपने पार्टी दफ्तर के सामने जलाएंगे, तब यह साबित होगा कि वे वाकई भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री हसीना का गंभीर आरोप है कि जब बीएनपी सत्ता में थी, तो उनके नेता और पत्नियां भारत जाते थे। वहां से साडियां खरीद कर लाते थे और बांग्लादेश में लौट कर साडियां बेचा करते थे। अब बीएनपी नेताओं को भारतीय उत्पादों पर क्या कहना है? दरअसल भारत से गरम मसाला, प्याज, लहसुन, अदरक और लगभग सभी मसाले बांग्लादेश को भेजे जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री हसीना का सवाल है कि क्या भारतीय मसाले बीएनपी नेताओं के घरों में नहीं दिखेंगे? अथवा बीएनपी नेता और उनके परिवार इन मसालों के बिना ही भोजन खाएंगे? भारत के ढेरों उत्पाद बांग्लादेश में आते हैं, किस-किस का बहिष्कार किया जाएगा? दरअसल यदि बांग्लादेश चाहे, तो भी भारत का बहिष्कार नहीं कर सकता, क्योंकि वहां भारतीय उत्पादों की भरमार है। भारतीय उत्पादों का बहिष्कार व्यावहारिक और सैद्धांतिक तौर पर भी अनुचित है। यह संकीर्ण अभियान बीएनपी के एक नेता की स्वार्थी राजनीति के तौर पर छेड़ा गया था, जिसने भारतीय, कश्मीरी शॉल कंधे से उतार फेंका था। 'हैशटैग इंडिया आउट' और 'बॉयकॉट इंडियन प्रोडक्ट्स' के जुमलों की सियासत आखिर क्या है? उसे जनमत तो हासिल नहीं है और न ही व्यापक स्वीकृति मिली है। बेशक बांग्लादेश में भारतीय साडियों के प्रति स्वाभाविक लगाव है। प्रधानमंत्री हसीना को भी ये साडियां खूब पसंद हैं। क्या हसीना-विरोध के लिए बहिष्कार के मुद्दे पर अवाम को उकसाया जा रहा है? इसी तर्ज पर मालदीव चल रहा है। सवाल है कि क्या कोई देश बहिष्कार के आधार पर ही प्रगति कर सकता है?

शिक्षकों को उनके काम में ज्यादा सहयोग देने और शिक्षा प्रणाली को अधिक कुशल बनाने के लिए किया जा सकता है

स्कूल शिक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

डा. वरिंद्र भाटिया

स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का छात्रों को सीखने में मदद करने के लिए कई अलग-अलग तरीकों से उपयोग किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा में एआई का उपयोग न केवल सीखने की प्रभावशीलता को बढ़ावा दे सकता है और सीखने की प्रक्रिया के दौरान मानव बुद्धि को बढ़ा सकता है, स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से हर बच्चे के लिए इंटेलिजेंट बनने की क्षमता में वृद्धि हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से विकसित होती हुई तकनीक है, जो शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में क्रांति ला रही है। इस समय देश में एआई को स्कूली शिक्षा में लागू करने की दिशा में पहल की जा रही है।

स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग चर्चा का विषय है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता, और इसके जरिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिसके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है। तकनीक ने हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का छात्रों को सीखने में मदद करने के लिए कई अलग-अलग तरीकों से उपयोग किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा में एआई का उपयोग न केवल सीखने की प्रभावशीलता को बढ़ावा दे सकता है और सीखने की प्रक्रिया के दौरान मानव बुद्धि को बढ़ा सकता है, स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से हर बच्चे के लिए इंटेलिजेंट बनने की क्षमता में वृद्धि हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से विकसित होती हुई तकनीक है, जो शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में क्रांति ला रही है। इस समय देश में एआई को स्कूली शिक्षा में लागू करने की दिशा में पहल की जा रही है। स्कूल शिक्षा में एआई का उपयोग छात्रों के सीखने को बेहतर बनाने, शिक्षकों को उनके काम में ज्यादा सहयोग देने और शिक्षा प्रणाली को अधिक कुशल बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके अनेक फायदे हैं। इसका इस्तेमाल पाठ्यक्रम सामग्री को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। देश के अनेक राज्यों मे छात्रों की रुचियों और सीखने की शैली के आधार पर पाठ्यक्रम सामग्री को उनके अनुकूल बनाने के लिए एआई को इस्तेमाल करने के प्रयास हो रहे हैं। इसकी मदद से छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देने, उन्हें व्यक्तिगत अभ्यास करवाने और सीखने की प्रगति पर मार्गदर्शन करने के लिए किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्कूली शिक्षा के लिए एक शक्तिशाली जरिया हो सकता है, लेकिन इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां हैं। एआई तकनीक लागू करना फिलहाल महंगा है, इसलिए सभी स्कूलों के लिए इसे अपनाना भी एक चुनौती है। एआई का उपयोग करने वाले शिक्षकों को एआई तकनीकों को सीखने और

उपयोग करने के लिए समय और प्रयास लगाने की भी आवश्यकता है। साथ ही छात्रों की सुरक्षा और गोपनीयता को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। कोई भी तकनीक आप तुरंत किसी के जीवन में ले आते हैं, तो उसके दुष्परिणाम समझ नहीं पाते। पहले तकनीक के उपयोग के पहलू पढ़ाने चाहिएं। बच्चों को और शिक्षकों को समझाया जाना चाहिए कि इस तकनीक को सेहतमंद तरीके से कैसे इस्तेमाल करना चाहिए। इसलिए जरूरी है कि एआई को स्कूली पाठ्यक्रमों में लाने की हड़बड़ी नहीं दिखानी चाहिए। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जाए, यह सीखने की चुनौती छात्रों और शिक्षकों के लिए है। ज्यादातर मामलों में, समस्या यह है कि शिक्षकों को अपनी कक्षाओं में नई तकनीक का उपयोग करने के बारे में प्रशिक्षित नहीं किया जा रहा है। इसके लिए कौन पहल करेगा? क्यों न स्कूलों में दिए जाने वाले यूनिफॉर्म और मिड-डे-मील की तर्ज पर छात्रों को और शिक्षकों को भी, शैक्षणिक उपयोग के लिए, टैबलेट या कंप्यूटर दिए जाएं। इससे गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि वाले स्कूल छात्र भी रिकॉर्डेड वीडियोज से पढ़ाई कर पाएंगे और उनके बस्ते का वजन भी घटेगा। इसके अलावा छात्रों और शिक्षकों का अनुपात सुधरेगा। साथ ही, छात्रों को एआई जैसी तकनीकों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा। एआई का एक फायदा यह है कि आप स्टडी मैटीरियल को अपने हिसाब से इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके डिफिकल्टी लेवल को आप अपनी समझ के हिसाब से सेट कर सकते हैं। कई बार नोट्स से लेकर बाकी स्टडी मैटीरियल तक इतना फैला और फंसा और उलझा होता है कि उसे शॉर्ट करके ठीक से अरेंज करने में ही बहुत समय चला जाता है। आप इसे भी यहां ठीक से, क्रम के मुताबिक अरेंज कर सकते हैं। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस समय एक विवादास्पद विषय भी है। कई विद्वानों का तर्क है कि एआई शिक्षकों की जगह ले लेगा और शिक्षा के मानवीय तत्व को छीन लेगा। यह ठीक नहीं है बावजूद इसके, एआई में स्कूली शिक्षा के वर्तमान और भविष्य को बदलने की बेहतरीन क्षमता है। दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा जैसी गैर-पारंपरिक शिक्षा तक पहुंच को बढ़ावा देने में एआई उपयोगी साबित होगा। इससे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों को भी स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। शिक्षा के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, एआई एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभर रही है, जो छात्रों के सीखने और शिक्षकों के पढ़ाने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित करने, व्यक्तिगत सीखने की जरूरतों के अनुकूल होने और शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने की अपनी क्षमता के साथ, एआई अभूतपूर्व तरीकों से शिक्षा को नया आकार दे रही है। वैयक्तिकृत शिक्षण अनुभवों से लेकर बुद्धिमान शिक्षण प्रणालियों तक, वर्तमान और भविष्य की शिक्षा पर एआई का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। एआई शिक्षा को गहन तरीकों से बदल रहा है, व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान कर रहा है, शिक्षकों को सशक्त बना रहा है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ा रहा है। जैसे-जैसे हम शिक्षा में एआई के उभरते परिदृश्य को देखते हैं, तकनीकी प्रगति और प्रभावी शिक्षण और सीखने के लिए आवश्यक मानवीय स्पर्श को संरक्षित करने के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है। एआई की क्षमता का जिम्मेदारी से उपयोग करके, हम एक ऐसे शैक्षिक परिदृश्य को आकार दे सकते हैं जो वास्तव में सभी शिक्षार्थियों के लिए समावेशी, अनुकूली और सशक्त है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के जरिए छात्रों-विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को समझते हुए उनके लिए जरूरी और सटीक पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। कोई छात्र कैसे सीख पा रहा है, इस पर गहन अध्ययन के आधार पर उनके लिए मॉडल बना कर सिखाने का नया पैटर्न विकसित किया गया है। वास्तव में यह एक क्रांति की तरह है, जिससे हर दिन लाखों छात्र लाभान्वित हो रहे हैं।

दृष्टि कोण

ट्यूनश-कोचिंग जरूरी या मजबूरी

देश की शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी माध्यम का वर्चस्व तथा शिक्षा का निजीकरण होने के कारण कई वर्षों से बच्चों की पीठ पर शैक्षिक बोझ बढ़ चुका है। अंग्रेजी माध्यम की महंगी पढ़ाई व होमवर्क तथा ट्यूशन के बढ़ते मानसिक तनाव से छात्रों का बचपन व मासूमियत कहीं खो गए हैं। ट्यूशन व कोचिंग कल्चर से एक गंभीर मुद्दा बन चुकी शिक्षा के तनाव से छात्रों के चेहरे का नूर व तवस्सुम गायब हो चुके हैं। दरअसल शिक्षा अधिनियम 1835 के जरिए लार्ड मैकाले ने भारतीय शिक्षा पद्धति पर जो दबाव बनाया था, उसका परिणाम देश की करोड़ों प्रतिभाएं भुगत रही हैं। वर्तमान में बड़े पूंजीपति व कारोबारी लोग निजी तौर पर स्कूलों से लेकर महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों का संचालन करके देश की शिक्षा व्यवस्था पर कब्जा जमा चुके हैं। ट्यूशन व कोचिंग इंडस्ट्री का वार्षिक कारोबार कई हजार करोड़ रुपए का है। अभिभावक अपने बच्चों को आईपीएस, आईएएस, राजस्व अधिकारी व डाक्टर बनाने की चाहत में कोचिंग सेंटरों में प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए की फीस अदा कर रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा के आकर्षण से बच्चों को अंग्रेज बनाने की ख्वाहिश तथा परीक्षाओं में अंकों की चाहत के चलते देश में ट्यूशन व कोचिंग कल्चर की मांग बढने से शिक्षा का व्यापारीकरण शुरू हुआ। छात्रों पर बस्ते का बोझ बढ़ता गया। मासूमों पर बस्ते के बोझ को लेकर देश में कई वर्षों से चिंता जाहिर की जा रही है। सन्1977 में 'ईश्वर भाई पटेल' की अध्यक्षता वाली समिति ने बस्ते का बोझ कम करने के लिए शिक्षा मंत्रालय को पहली बार रिपोर्ट पेश करके देश का ध्यान आकर्षित किया था। देश के मशहूर लेखक व राज्यसभा सांसद आरके नारायण ने सन्1991 में राज्यसभा में अपने पहले ही भाषण में बच्चों पर बस्ते के बोझ को लेकर चिंता जाहिर की थी। आरके नारायण का शिक्षा पर केंद्रित वो वक्तव्य देशव्यापी चर्चा का केन्द्र बना। नतीजतन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय हरकत में आया तथा छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों पर स्कूल बैग का बोझ कम करने के मकसद से मार्च 1992 में प्रोफेसर 'यशपाल' की अध्यक्षता में देश के आठ शिक्षाविदों की समिति गठित की गई। डा. यशपाल समिति ने 'बस्ते का बोझ' नामक रिपोर्ट में कहा था कि 'बच्चों के लिए स्कूली बस्ते के बोझ से ज्यादा बुरा है जो पढ़ाया जाता है, उसे न समझ पाने का बोझ'। सन्2012 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने माना था कि भारी स्कूल बैग के कारण छोटे बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। कोचिंग कल्चर पर लगाम लगाने के लिए भी सरकारें कई फरमान जारी कर चुकी हैं। सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए कोचिंग की मनाही है। मगर अंग्रेजी माध्यम के कारण एक बड़े बिजनेस का रूप ले चुकी शिक्षा व्यवस्था पर न्यायालयों के आदेशों व समितियों के सुझावों का कोई असर नहीं होता। महंगी फीस वसूल कर हर निजी शिक्षण संस्थान छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के दावे जरूर करते हैं, लेकिन इसके बावजूद लाखों छात्र ट्यूशन व कोचिंग सेंटरों की शरण में जाने को मजबूर हैं। बेशक बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को अपने उज्ज्वल भविष्य की तलाश में शैक्षणिक मार्गदर्शन के लिए कोचिंग का सहारा लेना पड़ रहा हैं, परंतु हकीकत यह है कि निजी शिक्षण संस्थानों में महंगी फीस अदा करने के बाद ट्यूशन व कोचिंग संस्थानों में जाने से छात्रों का आत्मविश्वास प्रभावित हो रहा है। ज्यादातर छात्रों के जहन में बात बैठ चुकी है कि प्रतियोगी परीक्षा के लिए बिना कोचिंग से वे सक्षम नहीं होंगे। नतीजतन छात्रों में मानसिक तनाव व परीक्षाओं में असफलता के बाद आत्महत्या की प्रवृत्ति पैदा हो रही है। निजी शिक्षण संस्थानों में गाडियों की सुविधा से छात्रों में शारीरिक गतिविधियां कम हो चुकी हैं। ट्यूशन व कोचिंग के बढ़ते प्रचलन से खेलकूद प्रतियोगिताओं का दायरा भी सीमित हो चुका है। सैन्य बलों में सामान्य सेवा के तौर पर भर्ती होने के इच्छुक नौजवान भी कोचिंग के मकडज़ाल में फंस चुके हैं। युवाओं को सशस्त्र बलों में भर्ती कराने के नाम पर देश में सैंकड़ों कोचिंग सेंटर चल रहे हैं। युवाओं को सैन्य बलों के प्रति आकर्षित करने के लिए कई भ्रामक विज्ञापन जारी किए जाते हैं। हैरत की बात है कि जिन लोगों का सैन्य बलों से दूर तक कोई नाता नहीं रहा, जो खुद सैन्य मापदंड प्रक्रिया को पूरा करने में असमर्थ हैं, ऐसे लोग भी कई कोचिंग अकादमियों का संचालन करके युवा वर्ग को सशस्त्र सेनाओं में अधिकारी बनने का ख्वाब दिखाकर महंगी फीस वसूल रहे हैं। यह सब अंग्रेजी तालीम का करिश्मा है। हिंदी व मातृभाषाओं के माध्यम में ट्यूशन व कोचिंग की जरूरत नहीं होती। यदि देश में करोड़ों छात्र सरकारी स्कूलों से विमुख होकर निजी शिक्षण संस्थानों का रुख कर रहे हैं, अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने से छात्रों की पीठ पर स्कूल बैग का भार बढ़ चुका है। निजी शिक्षण संस्थान, ट्यूशन व कोचिंग छात्रों के लिए जरूरी व मजबूरी बन चुके हैं।

कुछ अलग

टाइम पास बन गया है सोशल मीडिया

वर्ष 2010 में जो सोशल मीडिया आशाओं-उम्मीदों का प्रतीक बनकर उभर रहा था, वह 2020 आते-आते फेक न्यूज और लोगों के राजनीतिक विचारों को प्रभावित करने जैसे आरोपों का शिकार हो गया। महज दस साल में ही लोग अब सोशल मीडिया पर अपनी राय पोस्ट करने से परहेज करने लगे हैं। पोस्ट करने से आशय टेक्स्ट, इमेज फॉर्म में अपने आपको अभिव्यक्त करने से है। लोग लॉग इन तो करते हैं, पर बहुत कम लोग ही पोस्ट कर रहे हैं। लोग प्रतिदिन लगभग दो घंटे इंस्टाग्राम, फेसबुक या एक्स जैसे सोशल मीडिया को स्क्रॉल करते हुए समय बिताते हैं, लेकिन उनकी आखिरी पोस्ट एक साल पहले की होती है। कभी-कभी लोग स्टोरी जरूर शेयर करते हैं, लेकिन वह चौबीस घंटे बाद गायब हो जाती है। किसी तरह के विवाद से बचने के लिए लोग अब यह सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि इस बात पर झगड़ने की जरूरत नहीं है कि किसने किसे वोट दिया या कोई क्या सोचता है। अब वे आमने-सामने या समूह चैट को प्राथमिकता देते हैं, जिसे 'निजी नेटवर्किंग' कहा जा रहा है। उपयोगकर्ताओं के सर्वेक्षण और डाटा-एनालिटिक्स फर्मों के शोध के अनुसार, अरबों लोग सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, पर वे कम पोस्ट कर रहे हैं और ज्यादातर निष्क्रिय अनुभव का आनंद ले रहे हैं। वे अब भी लोगों की सोशल मीडिया फीड देखने या रील देखने में समय बिता रहे हैं, लेकिन वे अब अपनी राय रखने में उतने सक्रिय नहीं रहे हैं। यानी यह टाइम पास करने का जरिया बन चुका है, डाटा-इंटेलिजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट की अक्तूबर रिपोर्ट में, सोशल-मीडिया अकाउंट वाले 61 प्रतिशत वयस्क अमेरिकी उत्तरदाताओं ने कहा कि वे जो पोस्ट करते हैं, उसके बारे में ज्यादा चयनात्मक हो गए हैं, यानी अब लोग क्या पोस्ट करना है, उसके बारे में सोचने लग गए हैं। भारत भी अपवाद नहीं है। भले ही अपने विशाल सोशल मीडिया यूजर बेस के कारण यहां ऐसा नहीं दिखता, पर अब लोग सोशल मीडिया पर कम पोस्ट शेयर कर रहे हैं। इसके कई कारण हैं। इस शोध के हिसाब से लोग मानने लगे हैं कि वे जो सामग्री देखते हैं, उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। वे अपने जीवन को ऑनलाइन साझा करने के प्रति भी अधिक सुरक्षात्मक हो गए हैं और उन्हें अपनी निजता की भी चिंता होने लगी है। सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स की बढ़ती संख्या के कारण भी लोगों का मजा किरकिरा हुआ है। यह सोशल मीडिया कंपनियों के व्यवसाय के लिए खतरा है। उपयोगकर्ताओं के ज्यादा से ज्यादा शेयर करने के कारण ही वे दुनिया की सबसे शक्तिशाली कंपनियों और प्लेटफार्मों में से एक बन गए हैं। मजेदार बात यह है कि इनमें से कोई भी कंपनी कोई उत्पाद नहीं बनाती है, फिर भी ये दुनिया की बड़ी और लाभकारी कंपनियां बन गई हैं। जाहिर है, लोगों के कुछ कहने की आदत के कारण यानी सिर्फ यूजर जेनरेटेड कंटेंट के कारण ये कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं। भारत में बेशक अभी अमेरिका जैसी स्थिति नहीं है, पर लोग अपनी निजता की सुरक्षा के लिए सब कुछ सोशल मीडिया पर डालने की मानसिकता से किनारा कर रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण सोशल मीडिया एकाउंट का उपयोग मार्केटिंग और ब्रांडिग के लिए किए जाने के अलावा मीडिया लिट्रेसी का प्रचार-प्रसार भी है। वैसे भी सोशल मीडिया पर आते ही उपभोक्ता डाटा में तब्दील हो जाता है। इस तरह देश में हर सेकंड असंख्य मात्रा में डाटा जेनरेट हो रहा है, जिसका फायदा इंटरनेट के व्यवसाय में लगी कंपनियों को हो रहा है। आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया से भारत में कितने रोजगार पैदा हुए, इसका उल्लेख नहीं मिलता, क्योंकि ये सारी कंपनियां इनसे संबंधित आंकड़े सार्वजनिक नहीं करतीं।

देश दुनिया से

भीषण युद्ध और तख्त बदलते देखे गुरुराम राय के झण्डे ने

गुरुराम राय दरबार में आरोहण के साथ ही झण्डा साहिब एक बार फिर पूरी शानों-शौकत से लहरा गया। यह ऐतिहासिक झण्डा न केवल देहरादून में गुरु रामराय के डेरे की स्थापना का प्रतीक है बल्कि देहरादून के जीवनकाल के 348 सालों के इतिहास का भी जीता जागता गवाह है। इन सैकड़ों सालों में इस झण्डे ने गढ़वाल नरेश की शहादत के साथ ही गोरखों के राज और फिर गोरखों के पतन के साथ ही अग्रेजों की हुकुमत भी देखी है। उदासीन संप्रदाय का यह परचम उत्तराखण्ड आन्दोलन के बाद नए राज्य के जन्म का गवाह बना। उत्तराखण्ड की अस्थाई राजधानी स्थित गुरु रामराय दरबार में होली के पांचवें दिन दरबार के दसवें महन्त देवेन्द्र दास द्वारा झण्डारोहण के साथ ही उत्तर भारत का विख्यात झण्डा मेला भी शुरू हो गया।

उदासीन पन्थ की परम्परानुसार होली के ठीक पांचवें दिन गुरुराम राय दरबार में आरोहण के साथ ही झण्डा साहिब एक बार फिर पूरी शानों-शौकत से लहरा गया। यह ऐतिहासिक झण्डा न केवल देहरादून में गुरु रामराय के डेरे की स्थापना का प्रतीक है बल्कि देहरादून के जीवनकाल के 348 सालों के इतिहास का भी जीता जागता गवाह है। इन सैकड़ों सालों में इस झण्डे ने गढ़वाल नरेश की शहादत के साथ ही गोरखों के राज और फिर गोरखों के पतन के साथ ही अग्रेजों की हुकुमत भी देखी है। उदासीन संप्रदाय का यह परचम उत्तराखण्ड आन्दोलन के बाद नए राज्य के जन्म का गवाह बना। उत्तराखण्ड की अस्थाई राजधानी स्थित गुरु रामराय दरबार में होली के पांचवें दिन दरबार के दसवें महन्त देवेन्द्र दास द्वारा झण्डारोहण के साथ ही उत्तर भारत का विख्यात झण्डा मेला भी शुरू हो गया। यह मेला न केवल देहरादून में गुरु राम राय के डेरे की स्थापना की जयन्ती है बल्कि देहरादून शहर की स्थापना का भी समारोह है जिसका दूनवासी सालभर से इन्तजार करते हैं। इसने देहरादून के खुड़बुड़ा में रामराय के डेरे की स्थापना के बाद की तीन सदियों में कई उतार चढ़ाव और कई तख्त बदलते देखे हैं। इस अवसर पर पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत उत्तर भारत के उदासीन पंथ श्रद्धालु हजारों की संख्या में एकत्र होकर विशालकाय पवित्र झंडा जी के आरोहण के साक्षी बनने के साथ ही झंडे पर वस्त्र और भेंट चढ़ाते हैं। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार औरंगजेब के दरबार में हाजिर होने पर अपने पिता और सिखों के सातवें गुरु हर राय द्वारा घर से बेदखल किए जाने पर जब राम राय घर छोड़ कर नए ठिकाने के लिए यात्रा पर निकले थे तो वह लाहौर पहुंचे और वहां से अवध और आगरा होकर देहरादून के खुड़बुड़ा में ठहरे। इस दरबार की स्थापना बाबा राम राय ने 17वीं शताब्दी के मध्य में तब की थी, जब उन्हें मुगल बादशाह औरंगजेब के सामने अपने पवित्र ग्रंथ में एक शब्द की समुदाय द्वारा अस्वीकृत व्याख्या करने के लिए निर्वासित होना पड़ा था। माना जाता है कि औरंगजेब के हमले से बचने के लिए उसके समक्ष अपने ग्रंथ में उल्लिखित ''मुसलमान'' शब्द को बदल कर 'आस्था विहीन' कर दिया था। इतिहासकारों के अनुसार औरंगजेब से अच्छे संबंधों के चलते उन्हें इस स्थान पर गढ़वाल नरेश से जमीन आदि सुविधाएं मिली। गुरुराम राय दरबार परिसर में मुगलकालीन स्थापत्य आज भी देखा जा सकता है। बाद में उन्होंने आचार्य श्रीचन्द के शिष्य बालू हसना से उदासीन पन्थ की दीक्षा ली और यहीं तपस्या करने लगे। कहा जाता है कि गुरु राम राय ने इसी दिन चैत्र माह की पंचमी को सन्1676 में वर्तमान झण्डा साहिब के स्थान पर झण्डा गाढ़ कर अपना डेरा जमा दिया था। बाद में औरंगजेब ने गढ़वाल नरेश फतेहशाह को राम राय को हर सम्भव मदद करने का आदेश दिया। इस मुगल फरमान पर राजा ने गुरु राम राय को 7 गांव जागीर में दिए। ये 7 गावं आज एक महानगर देहरादून के रूप में विकसित हो गए। ऐसा माना जाता है कि गुरु राम राय के इस डेरे से देहरादून का नामकरण हुआ। 'दून' घाटी में 'डेरा' यानि कि शिविर होने से इस स्थान का नाम ''डेरा दून'' पड़ा जो कालान्तर में देहरादून हो गया। कुछ विद्वान इसका नाम द्रोणाचार्य की तपस्थली के रूप में मानते हैं, इसीलिए इस अवसर को लोग देहरादून का जन्मदिन भी मानते हैं।

मंदिर का केंद्रीय परिसर बाबा राम राय की मृत्यु के बारह साल बाद 1699 में पूरा हुआ और संपूर्ण संरचनात्मक कार्य 1703 और 1706 के बीच समाप्त हो गया। माना जाता है कि अलंकरण और पेंटिंग का काम संरचनात्मक पूरा होने के बाद भी लंबे समय तक जारी रहा। बाबा राम राय की पत्नी माता पंजाब कौर ने निर्माण कार्य की देखरेख की और 1741-42 में अपनी मृत्यु तक दरबार के मामलों का प्रबंधन किया। गुरु रामराय महाराज ने 1699 में धामावाला में झंडा दरबार की स्थापना की। यह मुगल वास्तुकला की अनूठी प्रतिकृति है, जिसे 1707 में उनकी चार में से सबसे छोटी पत्नी पंजाब कौर ने भव्यरूप प्रदान किया। चित्रकार की अनूठी कृति दरबार साहिब के महराबों पर अंकित फूल-पत्तियां, पशु-पक्षी, वृक्ष, ऊंची नासिका वाले एक जैसे चेहरे, बड़े नेत्र और उनकी रंग योजना कांगड़ा-गुलेर और मुगल शैली के मिश्रण हैं। ऊंची मीनारें और गोल बुर्ज मुस्लिम वास्तुकला के ऐसे नमूने हैं।

आप का नजरिया

पर्यटन की आस्था

अभी नवरात्रि आगमन की सूचना भर ही थी कि श्रद्धालुओं ने ज्वालामुखी मंदिर की व्यवस्था को निकम्मा साबित कर दिया। सप्ताहांत पर्यटन की शुमारी में बड़े मंदिर के दर्शन छोटे हो गए, तो उस दावे को पलीता लग गया जो हिमाचल में पांच करोड़ पर्यटकों का इंतजार कर रहा है। हम कारणों को समझे बिना व्यवस्था-व्यवस्था चिल्लाते हैं, जबकि न तो योजना की परिकल्पना और न भविष्य की संरचना में कुछ हो रहा है। सारे पर्यटन की मुट्ठी में होटलों को भरने की कोशिश इस कद्र हावी है कि सत्ता का हर पक्ष भी सरकारी होटलों में अपना नाम देखता है। हर सत्ता की निगाह में मंदिर आए जरूर, लेकिन कमाई के भोजपत्र पर सरकारी घोषणाओं का कब्जा होता रहा। मंदिर तब तक भवन थे, जब तक श्रद्धालु पर्यटक नहीं थे। अब वे पर्यटक ज्यादा, श्रद्धालु कम हैं। हिमाचल के बड़े मंदिरों के दर्शनार्थी बढ़ गए, लेकिन दर्शन बड़े नहीं हुए। कारण जितने ज्वालाजी में हैं, उतने ही चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध या किसी अन्य मंदिर परिसर में होंगे। हमने दक्षिण भारतीय मंदिरों का अध्ययन करने के लिए खर्च तो उठाया, लेकिन रिपोर्ट बनाकर भी सीखा कुछ नहीं। ऐसे में सवाल मंदिर परिसर की अफरा-तफरी तक ही नहीं, बल्कि सडक़ से हर सफर तक देखे जाते हैं। हम पर्यटन की तमाम घोषणाओं और परियोजनाओं में बड़ी मंजिलों का गुणगान सुनते हैं, लेकिन यह अभी नहीं जान पाए कि हिमाचल में करीब अस्सी फीसदी सैलानी या तो मंदिर यात्री के रूप में आए या धार्मिक पर्यटन ने इन्हें डेस्टिनेशन टूरिज्म तक पहुंचा दिया। न पर्यटन के सेतु देखे गए और न ही यह प्रयास हुआ कि किस तरह धार्मिक स्थलों को आर्थिकी का स्थायी स्तंभ बनाया जाए। कल अगर सरकार को सैलानियों की तादाद में पर्यटन देखना है, तो सर्वप्रथम मंदिर परिसर और धार्मिक शहरों का मास्टर प्लान एवं गवर्निंग बाडीज स्थापित करनी होगी। मंदिर पर्यटन को धार्मिक पर्यटन का आकार देना तभी संभव होगा, यदि इसके लिए एक केंद्रीय मंदिर ट्रस्ट तथा मंदिर विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। मंदिर आय के सही इस्तेमाल को अगर तरजीह व अनुशासित निगाह मिले, तो इससे न केवल वांछित व शहरी विकास, बल्कि आर्थिकी का संचार भी होगा। सवाल परिक्रमा का नहीं, बल्कि परिदृश्य को बदलने का है। मंदिरों की शक्ति में पर्यटन की अहमियत को स्वीकार करें, तो योजनाओं के किरदार बदलेंगे। अब तक मंदिर आय पर सियासी तथा प्रशासनिक दृष्टि केवल दोहन भर की रही है, जबकि इन्हें सर्किट के रूप में विकसित करना होगा। आय-व्यय के कुचक्र में मंदिरों में न तो प्रशासनिक सुधार हुए और न ही क्षमता का विस्तार किया गया। उदाहरण के लिए ज्वालाजी मंदिर को अगर धार्मिक केंद्र के रूप में निखारना हो तो व्यापक शहरी विकास योजना का खाका बनाना पड़ेगा। मंदिर परिसर का क्षेत्रफल आठ से दस किलोमीटर तक सुव्यवस्थित करते हुए पार्किंग, मनोरंजन, व्यापारिक तथा धार्मिक मान्यताओं से जुड़े स्थलों को एक साथ नत्थी किया जा सकता है।

2024 में 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, वर्ल्ड बैंक का अनुमान

नई दिल्ली,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल वर्ल्ड बैंक ने अनुमान जताया है कि साल 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5 फीसदी की दर से विकास करेगी। वर्ल्ड बैंक के पूर्व के अनुमान की तुलना में यह 1.2 प्रतिशत ज्यादा है। वर्ल्ड बैंक ने ये भी कहा है कि पूरे दक्षिण एशिया के देश भी 6 फीसदी की मजबूत दर से विकास करेंगे।

भारत रहेगा दक्षिण एशिया के विकास का इंजन – वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि भारत की तेज विकास दर और पाकिस्तान और श्रीलंका की अर्थव्यवस्थाओं में आ रहे सुधार की वजह से दक्षिण एशियाई देशों की कुल विकास दर तेज रहेगी। वर्ल्ड बैंक ने दक्षिण एशिया विकास को लेकर ताजा अपडेट जारी किया है, जिसमें उक्त अनुमान जताया गया है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, अगले दो वर्षों में दुनिया में सबसे तेज विकास दक्षिण एशियाई क्षेत्र में ही होगा। साल 2025 में भी दक्षिण एशियाई देशों की कुल विकास दर 6.1 फीसदी रहने का अनुमान है। वर्ल्ड बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण एशिया की कुल अर्थव्यवस्था में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी है और भारत की विकास दर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 7.5 फीसदी रह सकती है। मिड टर्म के बाद यह वापस 6.6 फीसदी पर आ सकती है। भारत की विकास दर में सबसे अहम सेवा क्षेत्र और औद्योगिक विकास होंगे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बांग्लादेश की विकास दर 5.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि बढ़ती महंगाई और व्यापार और विदेशी मुद्रा विनिमय पर प्रतिबंध के चलते विकास दर प्रभावित रहेगी।

पाकिस्तान और श्रीलंका की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार के संकेत – वित्तीय संकट से जूझ रहे दक्षिण एशिया के एक और देश पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत मिले हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुमान के अनुसार, पाकिस्तान की विकास दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2.3 फीसदी रह सकती है। वहीं श्रीलंका में साल 2025 में विकास दर 2.5 फीसदी रहेगी। श्रीलंका में पर्यटन और विदेशों से आने वाले धन में तेजी आने के संकेत हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत में हो सकता है गैलेक्सी एम55 5जी लॉन्च, सैमसंग के दो फोन्स भारत में आने को तैयार

नई दिल्ली । भारत में दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग द्वारा गैलेक्सी एम55 5जी को लॉन्च किया जा सकता है। गैलेक्सी एम55 5जी को क्वालकॉम् का स्नैपड्रेगन 7 जेन 1 प्रोसेसर दिया गया है, तो वहीं गैलेक्सी एम15 5जी ऑक्टा-कोर मीडियाटेक डायमेंसिटी 6100+ प्रोसेसर से लैस है। इस मॉडल को गैलेक्सी एम15 5जी के साथ हाल ही में लॉन्च किया गया था। अब दोनों ही फोन्स भारत में आने को तैयार हैं। बता दें कि भारत में इनकी लॉन्चिंग से पहले फोन्स की कीमतें भी लीक हो गई हैं। अमेजन पर गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी के लिए जारी बैनर पर ये कंफर्म किया गया है कि इन हैंडसेट्स को भारत में लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल ये तो साफ है कि फोन्स को जल्द लॉन्च किया जाएगा। लेकिन, इसके लिए तारीख का ऐलान नहीं किया गया है। एक बैनर से ये कंफर्म किया गया है कि गैलेक्सी एम55 5जी स्नैपड्रेगन 7 जेन 1 प्रोसेसर के साथ आएगा। वहीं, एक और बैनर में ये बताया गया है कि गैलेक्सी एम15 5जी में एस अमोलेड डिस्प्ले और 6,000 एमएएच की बैटरी होगी। ये जानकारियां फोन के ग्लोबल वेरिएंट्स की तरह ही हैं। इससे साफ है कि बाकी फीचर्स भी ग्लोबल वेरिएंट्स की ही तरह हो सकती हैं। इस बीच एक्स पर पोस्ट की एक सीरीज में गैलेक्सी एम55 5जी और गैलेक्सी एम15 5जी के भारतीय वेरिएंट की संभावित कीमत और संभावित रैम और स्टोरेज कॉन्फ़िगरेशन को लीक कर दिया है। उनका दावा है कि भारत में गैलेक्सी एम55 5जी की कीमत रुपये से शुरू होगी। एक अन्य पोस्ट में, टिप्स्टर ने सुझाव दिया है कि गैलेक्सी एम15 5जी भारत में 4जीबी + 128जीबी और 6जीबी + 128जीबी वेरिएंट्स में आएगा और इनकी कीमत क्रमशः 13,499 और 14,999 रुपये रखी जाएगी। टिप्स्टर ने उसी पोस्ट में कहा कि फोन का भारतीय वेरिएंट मीडियाटेक डायमेंसिटी 6100+ प्रोसेसर, 6.5-इंच 90 एचझेड फुल-एचडी+ सुपर अमोलेड डिस्प्ले, 50-मेगापिक्सल ट्रिपल रियर कैमरा यूनिट, 13-मेगापिक्सल सेल्फी कैमरा और 45 वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 6,000 एमएएच की बैटरी जैसे फीचर्स के साथ आ सकता है।वहीं, 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट के लिए 26,999 रुपये, जबकि 8जीबी + 256जीबी और 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत क्रमशः 29,999 रुपये और 32,99 रुपये होने की उम्मीद है।

एप्पल ने डेढ लाख लोगों को सीधे रोजगार दियाः मंत्री चंद्रशेखर, देश का सबसे बड़ा ब्लू-कॉलर जॉब क्रिएटर बन गया

नई दिल्ली । साल 2021 में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी मिलने के बाद से एप्पल ने 1,50,000 से अधिक लोगों को सीधे रोजगार दिया है, जिससे यह देश का सबसे बड़ा ब्लू-कॉलर जॉब क्रिएटर बन गया है। यह कहना है इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर का। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तनकारी पीएलआई नीतियों के कारण कुल 4 लाख से अधिक नई नौकरियों के साथ लगभग 3 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आईफोन फैक्ट्रियां जून-सितंबर के बीच 10,000 से अधिक लोगों को सीधे तौर पर नौकरियां देने के लिए तैयार हैं। वित्त वर्ष 24 में आईफोन का उत्पादन फरवरी के एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जिसमें 70 प्रतिशत निर्यात और कुल बाजार मूल्य 1.6 लाख करोड़ रुपये था। केंद्रीय मंत्री ने बताया, आईओएस ऐप डेवलपमेंट अब 1 मिलियन से अधिक नौकरियों का समर्थन करता है। एप्पल ने अपने 50 मिलियन डॉलर के आपूर्तिकर्ता कर्मचारी विकास कोष के हिस्से के रूप में महिलाओं के स्वास्थ्य पर एक शिक्षा पहल शुरू की है। शीर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने पिछले महीने कहा था, भारत पिछले 10 वर्षों में 20 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब है, जबकि यह चालू वित्त वर्ष में 1.20 लाख करोड़ रुपये के फोन निर्यात को पार कर गया है, जो एक दशक में निर्यात में 7,500 प्रतिशत की भारी वृद्धि है।भारत में एप्पल का राजस्व वित्त वर्ष 2023 में लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, बिक्री 48 प्रतिशत बढ़कर 49,321 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 76 प्रतिशत बढ़कर 2,229 करोड़ रुपये हो गया।

स्टार्टअप के फाउंडर्स ने ठठेरा की याद दिलाकर हासिल की ऑल शॉर्क में बड़ी डील

31.25 करोड़ के वैल्युएशन पर 3.2% इक्विटी के बदले 1 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पीतल, तांबा और कांसे के बर्तन तैयार कर बेचने वाले स्टार्टअप पी-तल को शॉर्क टैंक इंडिया में बड़ी डील मिली है। वैसे तो कार्यक्रम के दौरान कई शार्क इस स्टार्टअप के उत्पादों को लग्जरी कहते रहे पर आखिरकार सभी ने इसमें निवेश किया। स्टार्टअप के फाउंडर्स ने काफी मोलभाव के बाद 31.25 करोड़ रुपये के वैल्युएशन पर 3.2 फीसदी इक्विटी के बदले 1 करोड़ रुपये का निवेश हासिल कर लिया। पी-टाल का पूरा नाम पंजाब ठठेरा आर्ट लिगेसी है। पी-टाल स्टार्टअप की शुरुआत आदित्य अग्रवाल, कीर्ति गोयल और गौरव गर्ग ने 2019 में की। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली में पढ़ाई के दौरान इसे एक प्रोजेक्ट के रूप शुरू किया गया था।

स्टार्टअप के फाउंडर्स ने बताया ठ से ठठेरा का मतलब

कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप के फाउंडर्स ने ठठेरा शब्द का मतलब भी समझाया। ठठेरा एक ऐसी कम्युनिटी है, जो हाथों से बर्तन बनाती है। स्टार्टअप के फाउंडर्स ने कहा कि क्या खाना है, आज सिर्फ इसकी बात होती है, लेकिन किसमें पकाना है, इस पर चर्चा नहीं होती। पुराने जमाने में दादी-नानी कहा करती थीं कि पीतल में पकाओ, कांसे में खाओ और तांबे के बर्तन में पानी पीओ। इनमें बने खाने में 93 फीसदी पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं, जबकि सामान्य बर्तनों में यह आंकड़ा महज 13 फीसदी रह जाता है।

स्टार्टअप ने ठठेरों की कमाई बढ़ाने में दिया योगदान

पी-टाल ने करीब 55 ऐसे ठठेरा परिवारों की मदद की है, जो पहले 2-3 हजार रुपये हर महीने कमाते थे, लेकिन आज इन परिवारों की आमदनी कम से कम 25 हजार रुपये महीना से लेकर 1 लाख रुपये है। यह परिवार अमृतसर से करीब 30-35 किलोमीटर दूर एक छोटे से शहर जंडियाला गुरुद्वारा में रहते हैं।

मुनाफे में है स्टार्पअप, इस साल मोटी बिक्री का अनुमान

2019 में स्टार्टअप की स्थापना के बाद 2019-20 में उसकी सालाना बिक्री महज 21 लाख रुपये थी। वहीं 2020-21 में कंपनी की सेल 85 लाख रुपये हो गई। 2021-22 में कंपनी की सेल 2.76 करोड़ रुपये रही। वहीं 2022-23 में कंपनी ने 3.98 करोड़ रुपये के उत्पाद बेचे। 2023-24 में स्टार्टअप को 9 करोड़ रुपये की बिक्री होने का अनुमान है।

इस स्टार्टअप का दिल्ली में एक रिटेल ऑउटलेट भी है, बाकी सारा बिजनेस ऑनलाइन है। भारत में इस तरह के उत्पादों का बाजार 30-35 हजार करोड़ रुपये का है। फिलहाल यह कंपनी मुनाफे में है।

पिछले साल पी-टाल ने सीड फंडिंग राउंड को सफलतापूर्वक किया था पूरा

हाल ही में पी-टाल ने अपने सीड फंडिंग राउंड को सफलतापूर्वक पूरा किया था। स्टार्टअप ने अपने सीड फंडिंग राउंड में 4.33 करोड़ रुपये जुटा थे। कंपनी की सीड फंडिंग राउंड का नेतृत्व टाइटन कैपिटल ने किया था। इसके अलावे इस फंडिंग में अनिकट कैपिटल, ममाअर्थ की गजल अलघ, ड्रूम और शॉप क्लूज के संदीप अग्रवाल, शिप रॉकेट के विशेष खुराना, वियर्दो और रीनी कॉस्मेटिक्स के आशुतोष वलानी और प्रियंका शाह, वीएएचडीएम इंडिया के बला सारदा, सिरोना के दीप और मोहित बजाज, पोसिस्ट के आशीष तुलस्यान, डॉ वैद्या और वी3 वेंचर्स से अर्जुन वैद्या और अन्य से हिस्सा लिया थाा।

सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली,03 अप्रैल ।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। इन दोनो ही कीमती धातुओं की वायदा भाव में बढ़त रही। दोनों के वायदा भाव की शुरुआत हुई। इससे सोने के वायदा 70 हजार रुपये की और बढ़ रहे हैं। वहीं चांदी 78 हजार रुपये से ऊपर पहुंच गयी है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी रही। इसके साथ ही सोने के भाव शीर्ष स्तर पर पहुंच गये। इसके साथ ही चांदी की कीमतों में भी बढ़त आई है। सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 309 रुपये बढ़कर 69,309 रुपये के स्तर पर खुला। यह अनुबंध 470 रुपये की तेजी के साथ 69,398 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय ये 69,432 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 69,309 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। सोने का अप्रैल अनुबंध 69,487 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़त पर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध 163 रुपये बढ़कर 77,189 रुपये के भाव पर खुला। पिछले साल दिसंबर महीने में चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये किलो के भाव पर पहुंच गए थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,301.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

चुनावी बॉन्ड पर आरटीआई के तहत मांगी गई थी यह जानकारी, एसबीआई ने खुलासा करने से किया इनकार

नई दिल्ली । चुनावी बॉन्ड पर भारतीय स्टेट बैंक ने आरटीआई के तहत पूछे गए एक सवाल का जवाब देने इनकार कर दिया है। एसबीआई ने अपनी शाखाओं से जारी किए गए चुनावी बॉन्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने के लिए अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का खुलासा करने से मना कर दिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक आरटीआई के जवाब में व्यावसायिक गोपनीयता के तहत दी गई छूट का हवाला देते हुए यह जानकारी देने से मना किया। सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर एक आवेदन में अंजलि भारद्वाज ने चुनावी बॉन्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने के लिए एसओपी का विवरण मांगा था।

सेबी प्रमुख बोलीं- विदेशी निवेशकों को भारत में भरोसा उच्च मूल्यांकन के बाद भी पूंजी बाजार में निवेश

मुंबई,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधबी पुरी बुच ने कहा, भारत के पूंजी बाजार में उच्च मूल्यांकन का कारण विदेशी निवेशकों की देश को लेकर उम्मीद और भरोसा है। घरेलू बाजार में मूल्य और कमाई का अनुपात 22.2 है, जो दुनिया के कई सूचकांकों के औसत से अधिक है। भारतीय उद्योग परिसंघ के कार्यक्रम में बुच ने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि हमारा बाजार महंगा है।फिर भी निवेश क्यों आ रहा है क्योंकि यह उस आशावाद और विश्वास का प्रतिबिंब है, जो दुनिया आज भारत में रखती है। सेबी प्रमुख ने कुछ सप्ताह पहले छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में उच्च मूल्यांकन पर चिंता जताई थी। कहा था, यह एक बुलबुले में तब्दील हो सकता है।

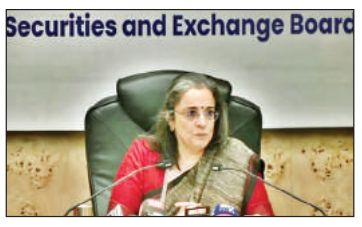

संस्थाओं ने जुटाए 10.5 लाख करोड़

सेबी प्रमुख ने बताया, भारतीय संस्थाओं ने 2023-24 में इक्विटी और बॉन्ड जारी कर बाजार से 10.5 लाख करोड़ जुटाए। इसमें बॉन्ड से आठ लाख करोड़ से अधिक जुटाएगए। बॉन्ड जारी करने पर उन्होंने कहा, यह एक साल में दिएगए कुल बैंक कर्ज के 62 फीसदी से अधिक तक पहुंच गया है।

जीडीपी के बराबर पहुंचा बाजार पूंजीकरण

बुच ने कहा, बाजार में रुचि के कारण शेयर खंड में कुल बाजार पूंजीकरण 2023-24 के अंत में 378 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। एक दशक पहले यह 74 लाख करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, बाजार पूंजीकरण अब कुल मिलाकर जीडीपी के स्तर पर है।

शाओमी की इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में एंट्री कंपनी की इस इलेक्ट्रिक कार की है भारी डिमांड

नई दिल्ली,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मोबाइल बनाने वाली चाइनीज कंपनी शाओमी की एंट्री ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में हलचल मचा दी है। कंपनी ने हाल ही इलेक्ट्रिक वाहन लांच किया है जिसको जबर्दस्त रिस्पांस मिल रहा है। कंपनी वाहन के लॉन्च के केवल 24 घंटों के भीतर अपने नए एसयू 7 मॉडल के लिए 88,898 फर्म ऑर्डर की घोषणा की है। टेस्ट ड्राइव के लिए उत्सुक ग्राहक चीन के 29 शहरों में 59 दुकानों पर पहुंचे, जिससे ये सारी जगहें खचाखच भरी रही। बुकिंग के लिए, ग्राहकों को 5,000 युआन (लगभग 850 यूएसडी) जमा देना है।शाओमी एसयू 7 का प्रोडक्शन राज्य के स्वामित्व वाली बीजिंग ऑटोमोटिव इंडस्ट्री होल्डिंग कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जो मर्सिडीज-बेंज में एक प्रमुख शेयरधारक भी है।

बीजिंग में शाओमी की नई प्रोडक्शन फैसिलिटी पिछले साल जून में पूरी हुई थी। इस फैसिलिटी में प्रारंभिक क्षमता वार्षिक तौर पर 150,000 वाहनों की है, इसके दूसरे चरण में यह आंकड़ा दोगुना होने की उम्मीद है। अभी तक पूरी क्षमता से काम नहीं करने के बावजूद, शाओमी को अप्रैल के अंत तक ग्राहक डिलीवरी शुरू होने की उम्मीद है। शाओमी एसयू7 की लॉन्च वाली शुरुआती कीमत 215,900 युआन (लगभग 25.34 लाख रुपये) रखी गई है, ऐसे में ये टेस्ला मॉडल 3 से 30,000 युआन (लगभग 3.46 लाख रुपये) कम होने के साथ एक किफायती विकल्प है।

सबसे पहले, शाओमी के सीईओ लेई जून का करिश्माई नेतृत्व, जिनके पास मार्केटिंग की क्षमता है और उन्होंने इंडस्ट्री में लीडिंग कंपटीटर्स से ली गई इनसाइट्स भी हैं। दूसरा, ब्रांड की मजबूत प्रतिष्ठा और चीन में व्यापक यूजर बेस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, कई घर पहले से ही शाओमी के प्रोडक्ट्स के इकोसिस्टम से परिचित हैं।हाई-स्पेक एसयू7 में ऑल-व्हील ड्राइव, डुअल मोटर्स और एक पावरफुल 495केडब्ल्यू का बैटरी पैक है जो 663 एचपी का आउटपुट देता है। इसमें 800 किलोमीटर की रेंज ग्राहकों को मिलेगी।

एक करोड़ पाकिस्तानी फंस सकते हैं गरीबी के भंवर में : विश्व बैंक

विश्व बैंक ने अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में पाकिस्तान की एक गंभीर आर्थिक तस्वीर पेश की

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। विश्व बैंक ने अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में पाकिस्तान की एक गंभीर आर्थिक तस्वीर पेश की है और आगाह किया है कि नकदी की कमी से जूझ रहे इस देश में एक करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी के भंवर में फंस सकते हैं।

वाशिंगटन स्थित ऋणदाता ने यह आशंका 1.8 प्रतिशत की सुस्त आर्थिक विकास दर और बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण जाहिर की है, जो चालू वित्त वर्ष में 26 प्रतिशत पर पहुंच गई है। विश्व बैंक की द्विवार्षिक पाकिस्तान डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट ने संकेत दिया कि देश लगभग सभी प्रमुख व्यापक आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने में चूक सकता है।

अंतरराष्ट्रीय ऋणदाता ने कहा कि देश को अपने प्राथमिक बजट लक्ष्य से कम होने का अनुमान है, लगातार तीन वर्षों तक घाटे में रहना, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तों के विपरीत है।

रिपोर्ट के प्रमुख लेखक सैयद मुर्तजा मुजफ्फरी ने कहा कि पाकिस्तान में मामूली आर्थिक सुधार के बावजूद, गरीबी उन्मूलन के प्रयास अपर्याप्त साबित हुए हैं।

विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक विकास दर 1.8 प्रतिशत पर स्थिर रहने का अनुमान है, जबकि गरीबी दर लगभग 40 प्रतिशत पर बनी रहेगी। लगभग 9.8 करोड़ पाकिस्तानी पहले से ही गरीबी से जूझ रहे हैं।

रिपोर्ट में गरीबी रेखा से ठीक ऊपर रहने वालों के बारे में कहा गया है कि इन में से करीब एक करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे पहुंच सकते हैं।

अदाणी मामले में दूसरा एसबीआई ना बने सेबी, जयराम रमेश बोले- तीन महीने में गठित हो जाएगी जेपीसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि अदाणी समूह द्वारा शेयरों में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच का जिम्मा संभाल रहा सेबी उच्चतम न्यायालय में अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए और समय सीमा आगे बढ़ाने की मांग नहीं करेगा ताकि चुनाव की तारीखें निकल जाएं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) को दूसरा एसबीआई नहीं बनना चाहिए, जिसने सच बताने में आनाकानी की। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल अदाणी समूह पर स्टॉक हेरफेर और प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए थे। अदाणी समूह ने आरोपों को झूठ बताते हुए खारिज कर दिया है और कहा है कि वह सभी कानूनों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का अनुपालन करता है। रमेश ने कहा, सेबी को 14 अगस्त, 2023 तक इन आरोपों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया था। बार-बार एक्सटेंशन की मांग करने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को आज, 3 अप्रैल, 2024 तक का समय दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, हम सेबी की ओर से आज अदालत में अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद करते हैं, और हमें उम्मीद है कि यह चुनाव की तारीख से आगे बढ़ने के लिए एक और विस्तार की मांग नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा, सेबी को एक और एसबीआई नहीं बनना चाहिए, और सच कहने से नहीं डरना चाहिए। रमेश ने यह भी कहा, सेबी की जांच सीमित है- केवल एक जेपीसी ही घोटाले को उजागर कर सकती है, जैसा कि फरवरी-अप्रैल 2023 के बीच हम अदानी के हैं कौन (एचएएचके) शृंखला द्वारा 100 प्रश्न पीएम से पूछे थे। उन्होंने कहा, सिर्फ 3 महीने और और जेपीसी एक वास्तविकता बन जाएगी। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर सरकार से कई सवाल पूछे हैं, रमेश ने आरोप लगाया है कि कि यह एक घोटाला है, उसका जवाब मांगा जा रहा है।

ओलंपिक में भाग लेने वाले मुक्केबाज प्रशिक्षण के लिए तुर्की जाएंगे

नई दिल्ली,03 अप्रैल (एजेंसियां) । खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले मुक्केबाजों के तुर्की में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जबकि वैश्विक आयोजन के आगाज में अब बस कुछ ही महीने शेष हैं। मंत्रालय ने कहा, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत एमवायएएस भारतीय मुक्केबाज निखत जरीन, प्रीति पवार, परवीन हुडा और लवलीना बोरगोहेन के साथ-साथ दो कोचों और एक फिजियो को तुर्की में एक विशेष विदेशी प्रशिक्षण शिविर के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। मुक्केबाजों के अलावा, एमओसी ने पांच टॉप्स पहलवानों के लिए विदेशी प्रशिक्षण शिविरों को भी मंजूरी दे दी, जो आगामी पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर और एशियाई चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं। इसमें कहा गया है, पहलवान सुजीत (65 किग्रा), दीपक पुनिया (86 किग्रा) और नवीन (74 किग्रा) अप्रैल में एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट से पहले प्रशिक्षण के लिए अपने सम्मानित साथी, कोच (रवि के लिए) और फिजियोथेरेपिस्ट के साथ रूस जाएंगे। इस बीच, भारतीय निशानेबाज भवनीश मेंदीरत्ता आईएसएसएफ विश्व कप, बाकू की तैयारी के लिए निजी कोच डेनियल डि स्पिग्नो के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए इटली जाएंगे। मंत्रालय उनके एयर टिकट, आवास और भोजन की लागत, वीजा लागत, कोचिंग शुल्क (भवनीश के लिए) सहित अन्य खर्चों को कवर करेगा। इसने सुझोउ और दोहा में डायमंड लीग प्रतियोगिताओं के लिए वित्तीय सहायता के लिए एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) के पदक विजेता मुरली श्रीशंकर के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। टॉप्स उनके कोच और मनोवैज्ञानिक का हवाई किराया, बोर्डिंग/आवास लागत, ओपीए, वीज़ा शुल्क और चिकित्सा बीमा लागत सहित अन्य खर्च कवर करेगा। इसके अलावा, भारतीय पैडलर मनिका बत्रा को क्रोएशिया में डब्ल्यूटीटी फीडर वरज़दीन में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

विराट महान खिलाड़ी, उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता : हसी

मुंबई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड हसी ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं उससे ऐसा लग रहा है कि जैसे उनमें एक नया निखार आ गया है।

विराट ने आईपीएल 2024 में आरसीबी की ओर से अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं और वह औरेंज कैप की दौड़ में हैं पर उनके कम स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना भी हो रही है। इसी को लेकर हसी ने कहा कि विराट एक महान खिलाड़ी हैं और उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता। साथ ही कहा कि इस प्रकार की बातें उनके लिए ठीक नहीं हैं क्योंकि कोई भी उन्हें नजरअंदाज करने की भूल नहीं कर सकता। कोहली अभी इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीन मैच में 141.4 के स्ट्राइक रेट से दो अर्द्धशतक के साथ 181 रन बनाए हैं। वहीं आगामी टी20 विश्व कप में उन्हें शामिल किये जाने को लेकर अभी संशय बना हुआ है। कहा जा रहा है कि उन्हें धीमे स्ट्राइक रेट को देखते हुए शायद ही भारतीय टीम में जगह मिले। इसी को लेकर हसी से जब पूछा गया कि कोहली के स्ट्राइक रेट को लेकर चल रही बहस पर उनका क्या कहना है तो उन्होंने कहा, 'वह काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें चयन में ज्यादा परेशानियां होंगी। अगर आप इस आईपीएल में स्ट्राइक रेट देखें तो ऐसा लगता है कि वह अपने खेल को एक नए स्तर पर ले गए हैं, उनकी बल्लेबाजी में फिर से एक नया निखार आ गया है।

शीर्ष वरीय पेगुला ने अनिसिमोवा को हराया; कोलिन्स भी जीतीं

चार्ल्सटन । शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 5 जेसिका पेगुला ने साथी अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में वापसी करते हुए 3-6, 6-4, 7-6(7-3) से जीत हासिल की।

पेगुला भी परेशानी में थी क्योंकि निर्णायक सेट के दसवें गेम में उसे मैच प्वाइंट देने से इनकार कर दिया गया था, लेकिन उन्होंने टाई ब्रेकर में तेजी से 5-1 की बढ़त बना ली और अपने हमवतन का फोरहैंड वाइड जाने पर मैच समाप्त कर दिया। उन्होंने यह मैच दो घंटे 26 मिनट में जीता। पेगुला एक साल पहले यहां सेमीफाइनलिस्ट थीं , लेकिन इस बार दूसरे दौर के मुकाबले में उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी और 15 ब्रेक प्वाइंट अवसरों में से केवल चार को ही भुना पाईं। 30 वर्षीय अमेरिकी तीसरे दौर में मैग्डा लिनेट से भिड़ेंगी, 32 वर्षीय पोल ने तीन सेटों में दयाना यास्त्रेमस्का को हराया। पेगुला की साथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी मैडिसन कीज़ उतनी भाग्यशाली नहीं रहीं, रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन से तीन सेटों में हार गईं, जिन्होंने 3-6, 6-3, 6-3 से उलटफेर के साथ शीर्ष 20 प्रतिद्वंद्वी पर अपने करियर की दूसरी जीत दर्ज की। मियामी ओपन चैंपियन डेनिएल कोलिन्स ने पाउला बडोसा को 6-1, 6-4 से हरा दिया। वह दूसरे दौर में नंबर 2 वरीयता प्राप्त ओन्स जाबौर से खेलेंगी। बडोसा के लिए यह एक और निराशा थी। स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह 2023 के आखिरी छह महीनों में कोर्ट से बाहर रही थीं।

ऋषभ को इस प्रकार से खेलते देखना अविश्वसनीय लगता है : वाटसन

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान और विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। वाटसन का मानना है कि जिस प्रकार से ऋषभ ने एक भीषण कार हादसे से उबरकर वापसी की है उसकी सभी को प्रशंसा करनी चाहिये। वाटसन के अनुसार ऐसे हादसे के बाद मैदान में लौटकर एक हाथ से छक्का लगाना आसान नहीं होता। इससे सभी को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि 15 महीने तक कठिन अभ्यास से फिटनेस हासिल करना और मैदान पर आना किसी चमत्कार से कम नही है। ऐसे में से बातें अगर किसी को प्रेरित नहीं करती हों ऐसा हो ही नहीं कसता ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत की भयावह सड़क दुर्घटना में चोटिल होने से लेकर अब एक हाथ से छक्के लगाने की 15 महीने की यात्रा किसी को प्रेरित नहीं करती है तो वह शायद सच्चा इंसान नहीं हो सकता है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने मैदान पर वापसी करते हुए अपने तीसरे मैच में इस सत्र का अपना पहला अर्धशतक लगाया है। अपनी इस पारी के दौरान पंत ने चार चौके और तीन छक्के लगाए। इनमें से एक छक्का उन्होंने एक हाथ के सहारे लगाया। वाटसन ने कहा,'' यह प्रेरणादायक रहा, इसमें कोई संदेह नहीं।

कोलकाता ने लगाई जीत की हैट्रिक, दिल्ली को 106 रन से हराया, पंत-स्टब्स के अर्धशतक बेकार

विशाखापत्तनम, 03 अप्रैल (एजेंसियां। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग-2024 (आईपीएल) में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने मौजूदा सीजन के 16वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 106 रन से हराया। इस लीग में केकेआर ने डीसी को 3 साल बाद हराया है। टीम को आखिरी जीत 2021 में मिली थी। विशाखापट्टनम के डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को कोलकाता ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 272 रन बनाए। टीम ने आईपीएल का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। यह कोलकाता का इस लीग में सबसे बड़ा स्कोर है। जवाबी पारी में दिल्ली की टीम 17.2 ओवर में 166 रन पर ऑलआउट हो गई।

केकेआर से सुनील नरेन ने 39 बॉल पर 7 चौके और 7 छक्के के सहारे 85 रन बनाए, जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 27 बॉल पर 54 रन बनाए। आंद्रे रसेल ने 19 बॉल पर 41 रन की पारी खेली। वहीं रिंकू सिंह ने 8 बॉल पर 26 रन बनाए। एनरिक नोर्त्या ने तीन विकेट झटके, जबकि ईशांत शर्मा को 2 विकेट मिले। डीसी के कप्तान ऋषभ पंत (55 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (54 रन) ने अर्धशतक जमाए। वरुण वक्रवर्ती और वैभव अरोड़ा ने 3-3 विकेट झटके। 17वें ओवर में दिल्ली ने 9वां विकेट गंवाया। वैभव अरोड़ा ने इस ओवर की पहली बॉल पर रसिख सलाम को सॉल्ट के हाथों कैच कराया। 16वें ओवर की पहली बॉल पर दिल्ली ने 8वां विकेट गंवाया। यहां सुनील नरेन ने सुमित कुमार (7 रन) को मनीष पांडे के हाथों कैच कराया। 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर ट्रिस्टन स्टब्स 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें वरुण चक्रवर्ती ने स्टार्क के हाथों कैच कराया। यह वरुण का तीसरा विकेट है और दिल्ली को 7वां झटका लगा है। 15वें ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स ने अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 28 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। 14वां ओवर डालने आए सुनील नरेन के एक ओवर में तीन छक्के पड़े। स्टब्स और सुमित की जोड़ी ने इस ओवर में 19 रन बटोरे। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 148/6 रहा। 13वां ओवर लेकर आए वरुण चक्रवर्ती ने एक ओवर में दो विकेट लिए। उन्होंने 55 रन बना चुके पंत को आउट करके 90+ की साझेदारी तोड़ी। फिर नए बल्लेबाज अक्षर पटेल को पवेलियन भेज दिया। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 129/6 रहा। ऋषभ पंत ने 12वां ओवर डालने आए वेंकटेश अय्यर के ओवर में लगातार छह बाउंड्री जमाई। इनमें चार चौके और दो छक्के शामिल रहे। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 125/4 रहा। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने मौजूदा सीजन में लगातार दूसरा अर्धशतक जमाया। उन्होंने 12वां ओवर डाल रहे वेंकटेश अय्यर की 5वीं बॉल पर चौका जमाकर अर्धशतक पूरा किया। 9वें ओवर में ऋषभ पंत और ट्रिस्टन स्टब्स ने 5वें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। वरुण चक्रवर्ती की चौथी बॉल पर स्टब्स ने एक रन लेकर 50 रन की साझेदारी पूरी की। इसी बॉल पर श्रेयस अय्यर से स्टब्स का कैच भी छूटा। ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 83/4 रहा। पावरप्ले के आखिरी ओवर में दिल्ली ने 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया। वैभव अरोड़ा की वाइड बॉल के साथ टीम ने 50वां रन बनाया। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 51/4 रहा। 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर मिचेल स्टार्क ने डेविड वॉर्नर को बोल्ड कर दिया। वॉर्नर 18 रन बनाकर आउट हुए। स्टार्क ने दूसरी सफलता हासिल की है। उन्होंने मिचेल मार्श (0 रन) को भी पवेलियन की राह दिखाई। ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 40/4 रहा। चौथे ओवर की आखिरी बॉल पर दिल्ली ने तीसरा विकेट गंवाया। वैभव अरोड़ा ने अभिषेक अरोरा को सुनील नरेन के हाथों कैच कराया। वैभव को दूसरी सफलता मिली। उन्होंने पृथ्वी शॉ को भी पवेलियन भेजा। इस ओवर के बाद दिल्ली का स्कोर 27/3 रहा। तीसरे ओवर की 5वीं बॉल पर दिल्ली ने दूसरा विकेट गंवाया। यहां मिचेल स्टार्क ने मिचेल मार्श को रमनदीप सिंह के हाथों कैच कराया।

एशियाई एथलेटिक्स के पदक विजेता मुरली गावित डोप में फंसे, गोआ राष्ट्रीय खेल के दौरान ईपीओ के लिए पॉजिटिव पाए गए

नई दिल्ली,03 अप्रैल । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरने वाले लंबी दूरी के एथलीट मुरली गावित डोप में फंस गए हैं। एशियाई चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत पदक जीतने वाले मुरली बीते वर्ष गोआ में हुए राष्ट्रीय खेल केदौरान डोप पॉजिटिव पाए गए हैं। राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) की ओर से लिए गए उनके सैंपल में एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाया गया है। मुरली ने गोआ राष्ट्रीय खेल में रजत पदक जीता था, जो भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने उनसे छीन लिया है। मुरली के डोप में फंसने के साथ गोआ राष्ट्रीय खेल में डोप में फंसने वाले खिलाडियों की कुल संख्या 26 हो गई है।

राष्ट्रीय ओपन में भी स्वर्ण जीते थे गावित

गोआ में 5000 मीटर में रजत जीतने वाले गावित और कांस्य जीतने वाले अजय कुमार दोनों पॉजिटिव पाए गए हैं। गावित लंबे समय तक भारतीय एथलेटिक्स दल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2019 की दोहा एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत जीता था।

बिंदिया ने विश्वकप में जीता कांस्य पदक, ओलंपिक क्वालिफायर के 55 भार वर्ग में उठाया 196 किलो वजन

नई दिल्ली । बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर बिंदिया रानी देवी ने ओलंपिक क्वालिफायर विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने 55 भार वर्ग में कुल 196 किलो वजन उठाकर पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से लगातार चोटिल चल रहीं बिंदिया भी मीराबाई के साथ सेंटलुई (अमेरिका) इलाज कराने गई थीं। वह भी मीरा की तरह पुनर्वास से गुजर कर यहां वापसी कर रही थीं। मणिपुर की लिफ्टर ने स्नैच में अच्छी शुरुआत नहीं की। उन्होंने यहां 83 किलो की सिर्फ एक लिफ्ट पास की। वह छठे स्थान पर थीं। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 113, 116 की लिफ्ट पास की। रजत जीतने के लिए उन्होंने 119 की लिफ्ट का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं रहीं।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान दौरे के लिए किया अपनी टी20 टीम का एलान, कप्तान के नाम की घोषणा करके चौंकाया

नई दिल्ली,03 अप्रैल । न्यूजीलैंड ने आगामी पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय टी20 टीम की घोषणा कर दी है। न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान दौरे पर पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेलेगी। कीवी टीम ने अनुभवी ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को इस सीरीज के लिए कप्तान बनाकर फैंस को चौंका दिया है।

टिम रोबिंसन को पहली बार न्यूजीलैंड टीम में जगह मिली और इस स्क्वाड में अनकैप्ड विल ओ रुड़की को भी शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड को अपने कई प्रमुख खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिलेंगी, जो आईपीएल या अन्य कारणों से हिस्सा लेने में असमर्थ हैं।

ट्रेंट बोल्ट, डेवोन कॉनवे, लोकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर और केन विलियमसन विभिन्न आईपीएल टीमों का हिस्सा हैं।

विल यंग (नॉटिंघमशायर के साथ सर्दी का अनुबंध), टॉम लैथम (दूसरे बच्चे का स्वागत), टिम साउदी और कॉलिन मनरो (कंडीशनिंग) भी चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

ब्रेसवेल की लंबे समय बाद वापसी

माइकल ब्रेसवेल ने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच मार्च 2023 में खेला था। तब से वो चोटों के कारण क्रिकेट एक्शन से दूर रहे। 33 साल के ऑलराउंडर ने प्लंकेट शील्ड में वापसी की और अपने फर्स्ट क्लास करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 41 रन देकर 8 विकेट झटके।

न्यूजीलैंड का टी20 इंटरनेशनल स्क्वाड

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), फिन एलेन, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, डीन फोक्सक्रॉफ्ट, बेन लिस्टर, कोल मैकोनकी, एडम मिलने, जिमी नीशम, विल ओ रुड़की, टिम रोबिंसन, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट और ईश सोढ़ी।

न्यूजीलैंड के पाकिस्तान दौरे का कार्यक्रम

- पहला टी20 आई - 18 अप्रैल, रावलपिंडी
- दूसरा टी20 आई - 20 अप्रैल, रावलपिंडी
- तीसरा टी20 आई - 21 अप्रैल, रावलपिंडी
- चौथा टी20 आई - 25 अप्रैल, लाहौर
- पांचवां टी20 आई - 27 अप्रैल, लाहौर।

भारतीय फुटबॉल महसंघ की बड़ी कार्रवाई, दो महिला खिलाड़ियों से कथित हाथापाई मामले में इन्हें निलंबित किया

नई दिल्ली,03 अप्रैल (एजेंसियां) । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने दो दिन की ढिलाई के बाद आखिरकार कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को आगामी सूचना तक निलंबित कर दिया। शर्मा पर गोवा में दो महिला खिलाड़ियों के साथ कथित तौर पर मारपीट का आरोप है। दो खिलाड़ियों ने लगाया था आरोप इंडियन विमेंस फुटबॉल लीग सेकंड डिविजन में भाग लेने गई हिमाचल प्रदेश स्थित खाड एफसी की दो फुटबॉल खिलाड़ियों ने आरोप लगाया था कि क्लब के मालिक शर्मा 28 मार्च की रात उनके कमरे में घुस गए और उन्हें पीटा। एआईएफएफ ने शर्मा को दिए थे सख्त निर्देश एआईएफएफ ने शर्मा को जांच पूरी होने तक फुटबॉल संबंधित गतिविधियों से दूर रहने को कहा था।

शर्मा को गोवा पुलिस ने गिरफ्तार किया था लेकिन बाद में जमानत पर छोड़ दिया। एआईएफएफ ने एक रिलीज में कहा- एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने दीपक शर्मा को आगामी सूचना तक फुटबॉल संबंधित सभी गतिविधियों से निलंबित करने का फैसला किया है। एआईएफएफ अध्यक्ष ने शिकायतों पर किया गौर इससे पहले एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे, उपाध्यक्ष एन ए हैरिस और कोषाध्यक्ष किपा अजय ने शर्मा के खिलाफ खिलाड़ियों की शिकायतों पर गौर किया जिसके बाद एआईएफएफ के सदस्य संघों की बैठक बुलाई गई। बैठक में शर्मा का पक्ष सुनने के बाद उन्हें बैठक से जाने के लिए कहा गया। महिला खिलाड़ियों ने कही थी यह बात शिकायत में महिला खिलाड़ियों ने कहा था कि शर्मा नशे की हालत में थे और अब उन्हें जान का खतरा लग रहा है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी एआईएफएफ से तुरंत और कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा था ।

कौन हैं कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने वाले बॉक्सर विजेंदर सिंह ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुके

नई दिल्ली,03 अप्रैल (एजेंसियां) । मुक्केबाजी में भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता और कांग्रेस नेता विजेंदर सिंह भाजपा में शामिल हो गए। सिंह ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था लेकिन असफल रहे। उनका नाम पिछले कुछ दिनों से मथुरा से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चर्चा में था, जहां से अभिनेत्री और मौजूदा सांसद हेमा मालिनी फिर से चुनाव लड़ रही हैं। सिंह जाट समुदाय से आते हैं, जिसका हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बड़ी संख्या में सीटों पर राजनीतिक प्रभाव है।

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि 19 अप्रैल से सात चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। लोकसभा चुनावों के साथ 26 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव भी होंगे।

2008 बीजिंग ओलंपिक में जीता था कांस्य

विजेंद्र को साल 2009 में राजीव गांधी खेल रत्न से नवाजा गया था। उन्होंने 2008 के बीजिंग ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वे इन खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज थे। विजेंद्र बीजिंग ओलिंपिक्स में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय एथलीट थे।

हरियाणा सरकार ने दी थी डीएसपी की पोस्ट

पूर्व भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार ने बॉक्सिंग में विजेंद्र की उपलब्धियों के चलते उन्हें सम्मान स्वरूप हरियाणा पुलिस में डीएसपी की पोस्ट दी थी। 2008 में विजेंद्र ने बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद हुड्डा सरकार ने उन्हें एचपीएस बनाया था। 2015 में पेशेवर मुक्केबाज बनने के दौरान भी उनके डीएसपी पद को लेकर विवाद खड़ा हुआ था, लेकिन सरकार ने उन्हें डीएसपी स्पोर्ट्स के पद पर बरकरार रखा। भारत के सबसे कामयाब बॉक्सरों में शुमार किए विजेंद्र ने अपने एमेच्योर कैरियर को तौबा करते हुए प्रोफेशनल बॉक्सर बनने का फैसला किया था।

कॉलेज के दिनों से था मुक्केबाजी का शौक

29 अक्टूबर, 1985 में हरियाणा के भिवानी में जन्में विजेंद्र के पिता महिपाल सिंह बेनीवाल हरियाणा रोडवेज़ में बस ड्राइवर हैं। उनकी मां गृहणी हैं। विजेंद्र बेहद निम्न मध्यम वर्गीय परिवार से जुड़े हैं। विजेंद्र सिंह को कॉलेज के दिनों से ही मुक्केबाजी और कुश्ती का शौक था, वह इसकी प्रैक्टिस भिवानी बॉक्सिंग क्लब में करते थे। उन्होंने कोचिंग का प्रशिक्षण भारतीय बॉक्सिंग कोच गुरबक्श सिंह संधू से लिया हैं।

लखनऊ सुपरजायंट्स को लगा करारा झटका, प्रमुख तेज गेंदबाज चोटिल होकर टूर्नामेंट से हुआ बाहर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपरजायंट्स को आईपीएल 2024 सीजन में जोरदार झटका लगा है। प्रमुख तेज गेंदबाज शिवम मावी चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। एलएसजी ने एक वीडियो जारी करके मावी के बाहर होने की पुष्टि की। शिवम मावी को मौजूदा सीजन में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। आईपीएल में दो साल में पहला मैच खेलने का इंतजार कर रहे मावी की वापसी को करारा झटका लगा है। याद दिला दें कि शिवम मावी ने पिछले साल गुजरात टाइटंस का प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन तब भी उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज को आईपीएल 2024 नीलामी में लखनऊ सुपरजायंट्स ने 6.4 करोड़ रुपये में खरीदा था। बहरहाल, वीडियो में मावी ने खुलासा किया कि उन्हें टीम से जुड़ते समय चोट जरूर थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि सीजन में खेलने का मौका मिलेगा। हालांकि, चोट के कारण उन्हें टीम का साथ छोड़ना पड़ा और वो रिहैब प्रक्रिया पर ध्यान देंगे। बता दें कि लखनऊ सुपरजायंट्स ने अब तक शिवम मावी के विकल्प की घोषणा नहीं की है। एलएसजी के लिए एक और तगड़ा झटका लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम मौजूदा सीजन में अपने खिलाड़ियों के आने-जाने के झटके को सहते हुए यहां तक बढ़ी है। मार्क वुड ने कार्यभार प्रबंधन के कारण अपना नाम वापस लिया, जिसकी जगह शमार जोसेफ को शामिल किया गया। हाल ही में डेविड विली बाहर हुए, जिनकी जगह मैट हेनरी को खेमे में जगह दी गई। लखनऊ सुपरजायंट्स का अपडेटेड स्क्वाड केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हूडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, कृणाल पांड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमार जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, कृष्णप्पा गौतम, अर्शीन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी और मोहम्मद अर्शद खान।

गाजा में इजराइली हमले में ऑस्ट्रेलियाई नागरिक की मौत, ऑस्ट्रेलियन प्रधानमंत्री बोले– यह अस्वीकार्य है

तेल अवीव, 03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इजराइल और हमास के बीच गाजा में युद्ध जारी है। इस बीच एक इजराइली हवाई हमले में सात सहायता कर्मियों की मौत हो गई। इन्हीं मृतकों की सूची में एक नाम जोमी फ्रैंककॉम (43) का भी है, जो वर्ल्ड सेंट्रल किचन के छह अंतरराष्ट्रीय सहायता कर्मियों में से एक था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने हमले की पुष्टि की है। बता दें, फ्रैंककॉम के पिता ऑस्ट्रेलियाई नागरिक थे तो वहीं उनकी माता भारत के मिजोरम राज्य की थी।

इजराइली प्रधानमंत्री ने भी मानी गलती

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज ने फ्रैंककॉम की मौत के लिए इजराइली सरकार को जवाबदेह माना है। उन्होंने कहा कि फ्रैंककॉम गाजा में चैरिटी के लिए स्वेच्छा से काम कर रहा था। सहायता कर्मियों की मौत होना पूरी तरीके से अस्वीकार्य है। इसके अलावा, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी यह स्वीकार किया है कि इजराइली सुरक्षा बलों के हमले में सात सहायता कर्मियों की भी मौत हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से गाजा पट्टी में निर्दोष लोगों पर हमला हुआ है। हमारी सेना से यह हमला अनजाने में हुआ है। भविष्य में यह गलती न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।

दीर अल-बलाह गोदाम से निकालते वक्त हमला

गाजा में स्थापित फूड चैरिटी के संस्थापक और सेलेब्रिटि शेफ जोस एंड्रेस ने कहा कि हम क्षेत्र में अपने परिचालन को तुरंत निलंबित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने आईडीएफ के साथ समन्वय किया था। बावजूद इसके हमारे काफिले पर हमला हुआ। बता दें, हमला तब हुआ, जब काफिला दीर अल-बलाह गोदाम से निकल रहा था। दीर अल-बलाह गोदाम पर दल ने समुद्री मार्ग से गाजा पहुंचे 100 टन से अधिक मानवीय खाद्य सहायता उतारी थी। इसी दल के काफिले में फ्रैंककॉम भी शामिल थे, जिनकी हमले में मौत हो गई थी। बताते चलें कि मारे गए सात लोगों में ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और कनाडा के दोहरे नागरिक शामिल हैं।

हमले के यह तीन कारण

हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था। इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमाद ने अरब देशों से अपील है कि इजराइल के साथ अपने सभी रिश्तों को तोड़ दें। हमाद ने कहा कि इजराइल एक अच्छा पड़ोसी और शांत देश कभी नहीं हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

महिला ने करोड़पति की बीवी होने के बताए नुकसान, महिला ने लड़कियों को दी इससे बचने की सलाह

लंदन। ब्रिटेन की एक महिला ने करोड़पति की बीवी होने के नुकसान बताए हैं। यहां तक कि उन्होंने लड़कियों को इससे बचने की भी सलाह दी। जानकारी के मुताबिक, ब्रिटेन की रहने वाली सूजी वॉकर ने अपनी कहानी शेयर की है और लड़कियों को इसे लेकर चेताया है। सूजी वॉकर की शादी प्रीमियर लीग फुटबॉलर इयान वॉकर के साथ हुई थी। उन्हें यूके की पहली महिला वाग के रूप में भी जाना जाता है। ब्रिटेन में फुटबॉलर्स की पत्नियों और गर्लफ्रेंड्स को वाग नाम से पुकारा जाता है। इयान के साथ रिश्ते में आने के बाद सूजी वॉकर की दुनिया ही बदल गई। ग्लैमर मॉडल लग्जरी लाइफ स्टाइल जीने लगीं। आलीशान महल में रहने लगीं। महंगे डिजाइनर कपड़े पहनकर निकलने लगीं। उस वक्त उन्हें देखकर ज्यादातर लड़कियां ईर्ष्या करती थीं। लेकिन 12 साल तक रिश्ते में रहने के बाद दोनों अलग हो गए। दोनों के एक बेटी भी है, जो अब 24 साल की हो गई है। सूजी वॉकर ने कहा, हाल ही में जब मेरी बेटी ने कहा कि उसे एक युवा फुटबालर ने डेट पर जाने के लिए कहा तो मेरी पुरानी यादें ताजा हो गईं। मैं ये नहीं कहती कि सभी फुटबॉलर एक जैसे हैं। या सभी अमीर लोग एक जैसे हैं, लेकिन जैसा मेरे साथ हुआ, वैसा मेरी बेटी के साथ नहीं होना चाहिए। यहां तक कि मैं दुनिया की सभी लड़कियों को इसे लेकर सचेत करूंगी। सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं होता। अगर आपका पति अमीर है, तो पूरी दुनिया की नजर उस पर रहेगी। उसे तरह तरह के रिश्ते के ऑफर मिलेंगे। आप कब तक इससे उसे बचा पाएंगी। एक दिन तो ऐसी स्थिति आ ही सकती है। इसलिए ऐसे रिश्तों से दूर रहें तो ही बेहतर है। सूजी वॉकर ने कहा, एक समय था जब मेरी लाइफ लग्जरी हुआ करती थी। खूब सारे पैसे थे। न्यू ट्रेंडी और महंगी चीजें ही हमारे वार्डरोब में होती थीं। कार्टियर हीरे-जड़ित घड़ियां होती थीं, जिनकी कीमत लाखों में थी। लेकिन बाद में मुझे लगा कि ये सब एक हद तक ही जरूरी है। किसी रिश्ते में संतुष्ट और सुरक्षित महसूस करने से बेहतर कुछ भी नहीं है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट के जजों को मिले धमकी भरे पत्र, जांच में जुटी पुलिस

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक समेत आठ न्यायाधीशों को धमकी भरे पत्र मिले हैं। इन पत्रों में संदिग्ध सामग्री भरी हुई है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब देश की खुफिया एजेंसी पर न्यायिक मामलों में दखल देने के आरोप लग रहे हैं। कुछ दिन पहले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के छह न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा को पत्र लिखा था और देश की खुफिया एजेंसियों द्वारा न्यायिक मामलों में दखल देने की शिकायत की थी। पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश फारूक ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इस घटना के कारण दिन की सुनवाई में देरी हुई। न्यायिक सूत्रों के हवाले से खबर दी कि जब दो न्यायाधीश के स्टाफ ने पत्रों को खोला तो उन्हें अंदर पाउडर मिला और बाद में उन्हें आंखों में जलन महसूस होने लगी। एहतियात के तौर पर सैनिटाइजर का इस्तेमाल कर और हाथ धोने के साथ त्वरित कार्रवाई की गई। पत्र मिलने के बाद इस्लामाबाद पुलिस के विशेषज्ञों की एक टीम संदिग्ध पाउडर की जांच के लिए तुरंत इस्लामाबाद उच्च न्यायालय पहुंची। उच्च न्यायालय के अधिकारियों ने इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक और सुरक्षा उप महानिरीक्षक को तलब किया और मामले का तत्काल समाधान किया। पत्र कई न्यायाधीशों को संबोधित किए गए थे। जिससे न्यायपालिका की सुरक्षा की चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके अलावा, संदिग्ध पत्रों को आगे की जांच के लिए आतंकवाद-रोधी विभाग को सौंप दिया गया है।

उत्तर कोरिया ने किया हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण, पलक झपकते ही टारगेट होगा नष्ट

सियोल। उत्तर कोरिया ने दावा किया कि उसने मध्यम दूरी की नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) का सफल परीक्षण किया है। उसने कहा कि देश में विकसित सभी मिसाइलें अब ठोस ईंधन व परमाणु हथियारों की क्षमता के साथ लैस हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने ह्वासोंग-16 मिसाइल के परीक्षण का मार्गदर्शन किया। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया द्वारा 14 जनवरी को मध्यम दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल के परीक्षण के लगभग तीन महीने बाद हुआ। बताया.कि पिछले महीने उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक आईआरबीएम के लिए एक ठोस-ईंधन इंजन का परीक्षण किया था। किम ने ह्वासोंग-16 मिसाइल को शक्तिशाली व रणनीतिक रूप से आक्रामक हथियार बताया। केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा कि, देश ने विभिन्न रेंज की सभी मिसाइलों को ठोस-ईंधन के साथ परमाणु हथियार ले जाने के लिए सक्षम बना दिया है। केसीएनए ने कहा कि परीक्षण के दौरान हाइपरसोनिक मिसाइल पूर्वी सागर में एक हजार किलोमीटर की उड़ान भरते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंची। किम ने कहा कि दुश्मनों को रोकने और नियंत्रित करने में सक्षम हथियारों को विकसित करना वर्तमान में हमारे देश के लिए सबसे जरूरी काम है।

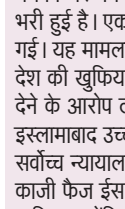

तीन और राज्यों के प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन को मिली जीत

रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में नवंबर माह में होगी कांटे की टक्कर

वॉशिंगटन, 03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

डोनाल्ड ट्रंप, रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में और राष्ट्रपति जो बाइडन डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में न्यूयॉर्क से जीत दर्ज कर चुके हैं। 2 अप्रैल को अमेरिका के चार राज्यों रोडे आइलैंड, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क और विंस्कोंसिन में प्राइमरी चुनाव हुए। ये चुनाव फिलहाल औपचारिकता भर रह गए हैं क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से जो बाइडन की राष्ट्रपति पद की दावेदारी तय हो गई है।

तीन राज्यों के चुनाव नतीजे हुए घोषित- रोडे आइलैंड, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क में अपनी-अपनी पार्टी के प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन को जीत मिली है। विस्कोंसिन के चुनाव नतीजे अभी आने बाकी हैं। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। प्राइमरी चुनाव में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन का दबदबा दिखा है, उससे साफ है कि नवंबर में होने वाले चुनाव में दोनों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

रिपब्लिकन पार्टी के कनेक्टिकट प्राइमरी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को 78 प्रतिशत, न्यूयॉर्क प्राइमरी चुनाव में 81 प्रतिशत, रोडे आइलैंड में 84.4 प्रतिशत मत मिले हैं। विंस्कोंसिन में भी डोनाल्ड ट्रंप ने बढ़त बनाई हुई है और 77 फीसदी मत पा चुके हैं। वहीं डेमोक्रेट पार्टी के प्राइमरी चुनाव में कनेक्टिकट में जो बाइडन को 85 प्रतिशत, न्यूयॉर्क में 91 प्रतिशत, रोडे आइलैंड में 82 प्रतिशत मत मिले हैं।

जो बाइडन को इन मुद्दों पर झेलना पड़ रहा विरोध-राष्ट्रपति जो बाइडन को इजराइल हमास युद्ध की वजह से काफी विरोध भी झेलना पड़ रहा है और 2 अप्रैल को हुए चार राज्यों के चुनाव में सामाजिक कार्यकर्ता डेमोक्रेट पार्टी के समर्थकों से अपील कर रहे थे कि वह जो बाइडन को वोट न करें क्योंकि उन्होंने इस्राइस हमास युद्ध को सही तरीके से हैंडल नहीं किया। वहीं कुछ लोग जो बाइडन के अर्थव्यवस्था के स्तर पर किए गए कामों से भी खुश नहीं हैं। कई रिपब्लिकन समर्थक भी डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी से खुश नहीं हैं और उनकी इच्छा है कि और विकल्प होने चाहिए थे।

अक्षय पात्र फाउंडेशन ने परोसी चार अरब थाली, संयुक्त राष्ट्र में भी मना जश्न

वॉशिंगटन। अक्षय पात्र फाउंडेशन ने चार अरब थाली परोसने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अक्षय पात्र फाउंडेशन की इस उपलब्धि का जश्न संयुक्त राष्ट्र में भी मना। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम खाद्य सुरक्षा में उपलब्धि: सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में भारत की प्रगति का आयोजन किया। इस आयोजन में भारत की खाद्य सुरक्षा और पोषण हासिल करने की दिशा में नई-नई रणनीतियों, नीतियों और उपलब्धियों को दर्शाया गया। इस आयोजन में इंफोसिस के संस्थापक सदस्य एनआर नारायणमूर्ति, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी और भारतीय सामाजिक संगठन अक्षय पात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष मधु पंडित दास भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के लिए पीएम मोदी ने विशेष संदेश भेजा, जिसमें पीएम मोदी ने एनजीओ को बधाई दी और साथ ही कहा कि उन्हें अक्षय पात्र फाउंडेशन की पूरी टीम पर गर्व और बेहद खुशी महसूस हो रही है। पीएम मोदी ने चार अरब थाली परोसने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने पीएम मोदी के संदेश को पढ़ते हुए कहा कि मानवता को पोषण देने और भुखमरी को खत्म करने में यह उपलब्धि हमारे समर्पण का सबूत है। प्रधानमंत्री ने संदेश में कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन अनगिनत बच्चों को भोजन उपलब्ध करा चुका है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि दुनिया के भविष्य को सही पोषण मिल चुके। प्रधानमंत्री ने अक्षय पात्र फाउंडेशन की तीन अरबवीं थाली परोसे जाने को भी याद किया, जिसे फरवरी 2019 में वृंदावन में परोसा गया था।

ताइवान की राजधानी ताइपे में 7.4 तीव्रता का भूकंप सुनामी की भी चेतावनी

टोक्यो, 03 अप्रैल ।

ताइवान में जोरदार भूंकप आया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 7.4 आंकी गई है। ताइवान में आए भूकंप के कारण दक्षिणी जापान में सुनामी की आशंका है। जापानी प्रशासन ने सुनामी की चेतावनी जारी कर दी है। जापान का कहना है कि सुनामी की पहली लहर उसके दो दक्षिणी द्वीपों पर आई है।

मेट्रो सिस्टम 40 से 60 मिनट के लिए निलंबित

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र हुलिएन काउंटी हॉल से 25.0 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में प्रशांत महासागर में 15.5 किलोमीटर की गहराई था। पूर्वोत्तर के यिलान काउंटी और उत्तर के मियाओली काउंटी में 5 से अधिक तीव्रता का झटका महसूस किया गया है। सेंट्रल वेदर एजेंसी ने कहा कि उत्तरी शहर में ताइपे शहर, न्यू ताइपे शहर, ताओयुआन शहर और सिंचू काउंटी, ताइचुंग शहर, चांगहुआ काउंटी में भी 5 की तीव्रता दर्ज किया गया है। भूकंप के कारण ताइपे, ताइचुंग और काऊशुंग में मेट्रो सिस्टम को 40 से 60 मिनट के लिए निलंबित कर दिया गया है।

क्यों आता है भूकंप

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापी जाती है भूकंप की तीव्रता और क्या है मापने का पैमाना

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकेंगे अब ब्रिटिश आर्मी के जवान

फ्रेंच कट, या अन्य लुक वाली कोई दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं

लंदन, 03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ब्रिटिश आर्मी में तो पिछले 100 सालों से ये नियम था कि सैनिक दाढ़ी नहीं बढ़ा सकते, पर अब इस नियम को खत्म कर दिया गया है। वो खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकते हैं पर उन्हें एक शर्त माननी पड़ेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटिश आर्मी में काम करने वाले सैनिक और अधिकारी अब दाढ़ी रख पाएंगे। पिछले 100 सालों से दाढ़ी पर जो बैन लगा था, उसे हटा दिया गया है। इस नियम में बदलाव को किंग चार्ल्स से मंजूरी मिलना जरूरी है, जो ब्रिटिश आर्मी के कमांडर-इन-चीफ हैं। एक तरफ ये वहां के सेना के जवानों के लिए खुशखबरी हो सकती है, पर उन्हें एक शर्त को भी मानना होगा। नियम ये बनाए गए हैं कि सैनिक दाढ़ी तो बढ़ा सकते हैं, मगर उन्हें पूरी दाढ़ी रखनी होगी। फ्रेंच कट, या अन्य लुक वाली कोई दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं है।

इसके अलावा वो अपनी दाढ़ी को अलग-अलग रंगों से रंग नहीं सकेंगे, ना ही वो पैच में दाढ़ी रख पाएंगे। उन्हें दाढ़ी को हमेशा साफ-सुथरा रखना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार उनकी दाढ़ी का हमेशा रिव्यू होता रहेगा जिससे दाढ़ी से जुड़े नियमों को लागू करवाया जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक माना जा रहा है कि ये बैन इस वजह से हटाया गया है जिससे आजकल के युवाओं को आर्मी की ओर आकर्षित किया जा सके और वो भी बढ़चढ़कर देश की सुरक्षा में योगदान दें।

नियम से जुड़ी ये जानकारी वॉरेंट ऑफिसर क्लास-1, पॉल कार्नी द्वारा जारी किए गए 4 मिनट लंबे वीडियो में दी गई थी। आपको बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स में साल 2019 से ही सैनिकों को दाढ़ी बढ़ाने की इजाजत दे दी गई थी। जबकि रॉयल नेवी में भी ये अनुमति सालों पहले दे दी गई थी। आपने फिल्मों में देखा होगा कि सैनिक जंग के मैदान में बढ़ी दाढ़ी और लहराते हुए बालों के साथ मिशन को अंजाम देते हैं और दुश्मनों को मौत के घाट उतारते हैं। पर वास्तव में कई देशों में सैनिकों को दाढ़ी और बाल बढ़ाने की इजाजत ही नहीं होती है। इंडियन आर्मी में भी ये नियम हैं।

कबूतरों को खिलाया दाना तो ठोका 2.5 लाख का जुर्माना नगर पालिका ने घर से बाहर निकालने की चेतावनी भी दी

लंदन, 03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

97 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अपने आंगन में कबूतरों को दाना खिलाया, नगर पालिका ने इसकी शिकायत पर 2.5 लाख का जुर्माना ठोक दिया। इस मामले की किसी ने नगर पालिका में शिकायत कर दी। वहां से नोटिस आ गया। पहले तो चेताया गया, लेकिन जब महिला ने नजरअंदाज किया तो 2.5 लाख रुपये का जुर्माना ठोंक दिया गया।

इस मामले में चेतावनी भी दी गई कि अगर आगे से ऐसा हुआ तो उसे और उसके बेटे को उसके अपने ही घर से बाहर निकाल दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 97 वर्षीय ऐनी सेगो वर्षों तक संगीत शिक्षिका रहीं। उन्हें पक्षियों से बेहद लगाव है। यहां तक कि उन्होंने कुछ पक्षियों को अपने घर में भी पाल रखा है। लेकिन बीते कई महीनों से उनके आंगन में गौरेया और कबूतर आने लगे थे। ऐनी को उन्हें दाना खिलाना काफी अच्छा लगता था। वे रोज सुबह दाना लेकर बैठ जातीं और कबूतरों को बुलाकर उन्हें दाना खिलातीं। इसकी वजह से कई पक्षी वहां आने लगे। यही बात पड़ोस में रहने वाले किसी शख्स को खटक गई। उसने नगर पालिका में शिकायत कर दी।शख्स ने दावा किया कि दाना बांटने की वजह से क्षेत्र में तमाम कबूतर और सीगल आ रहे हैं, जिनसे पूरे इलाके में गंदगी फैल रही है। फिर क्या था। काउंलिस ने महिला को नोटिस भेज दिया। नोटिस में कहा, अगर आपने यह असामाजिक व्यवहार बंद नहीं किया तो 10000 रुपये जुर्माना भरना होगा। जब महिला ने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो काउंसिल ने जुर्माना बढ़ाकर 2,500 पाउंड यानी 2.5 लाख रुपये कर दिया। इसके बाद भी काउंसिल ने महिला के 77 वर्षीय बेटे एलन को नोटिस भेजा। लिखा, अगर आप अपनी मां को नहीं समझा पाए तो दोनों को घर से बाहर कर दिया जाएगा। कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।दरअसल, इंग्लैंड, थाइलैंड, कोलंबिया, कनाडा, अमेरिका समेत कई देशों में कबूतरों को दाना खिलाना अपराध की श्रेणी में आता है। वेनिस में तो इसे लेकर काफी सख्त कारनून है। ऐसा माना जाता है कि कबूतरों के आने से इलाकों में गंदगी होगी, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा है। इससे स्वच्छता पर भी असर होता है।

चीन के दक्षिणी जियांग्शी प्रांत में भयंकर तूफान का कहर

तेज हवाओं ने चीन को किया तबाह, 7 लोगों की हुई मौत

बीजिंग, 03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

चीन के दक्षिणी जियांग्शी प्रांत में भयंकर तूफान आया। तेज हवाओं के साथ आए तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। इनमें से तीन लोग नींद में ही अपने ऊंचे अपार्टमेंट से हवा के साथ बाहर उड़ गए।

जियांग्शी प्रांतीय आपातकालीन बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने कहा, 31 मार्च से शुरू हुए मौसम ने नानचांग और जिउजियांग सहित नौ शहरों को अपनी चपेट में ले लिया है और 54 काउंटियों में 93,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

भयंकर तूफान के कारण प्रांतीय राजधानी नानचांग में एक ऊंची इमारत के दो अपार्टमेंटों में दरवाजे के आकार की खिड़कियां टूट गईं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तीन लोगों को छेद के माध्यम से उनके बिस्तर से खींच लिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अधिकारियों ने कहा कि पूरे प्रांत में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है और 552 लोगों को आपातकालीन स्थिति से निकाला गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 2,751 घर क्षतिग्रस्त हो गये।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि बिजली चमकने, तेज बारिश और गोल्फ की गेंदों के आकार के ओले गिरने के साथ, एक दशक से भी अधिक समय में सबसे भीषण शक्तिशाली तूफान के कारण 150 मिलियन युआन (21 मिलियन डॉलर) का आर्थिक नुकसान हुआ है।

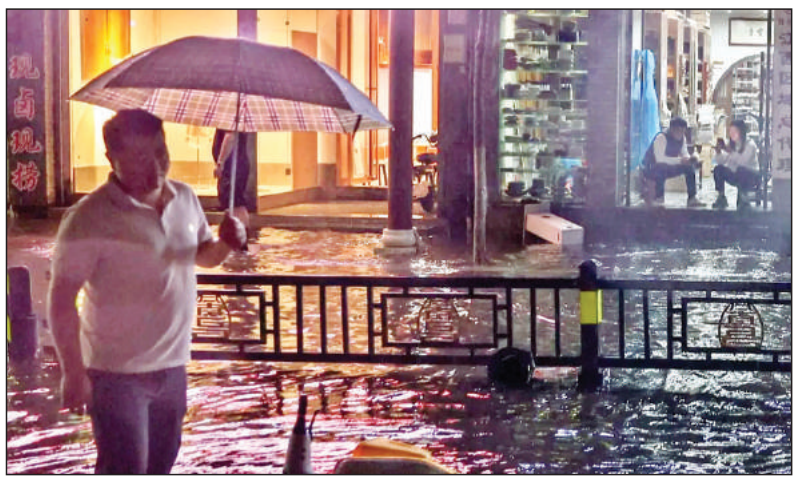

चीन के मौसम ब्यूरो ने स्थानीय पवन पैमाने पर श्रेणी ड्ड तूफान के बराबर स्तर 12 तक की गति वाली हवाओं की चेतावनी जारी की थी।

ऐसी तीव्रता की हवाएँ आम हैं जब टाइफून, जैसा कि चीन और पूर्वी एशिया में अन्य जगहों पर तूफान कहा जाता है, ज़मीन पर आते हैं लेकिन ज़मीन से घिरे जियांग्शी जैसे अंतर्देशीय में शायद ही कभी पाए जाते हैं।

चीन के राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमानकर्ता ने दक्षिणपूर्वी चीन के कई इलाकों में अपनी उच्चतम गंभीर संवहनशील मौसम चेतावनी सलाह को नारंगी रंग में रखा है क्योंकि भी तेज हवाएं, ओलावृष्टि और तूफान जारी रहेगा।

राज्य मीडिया ने बताया कि पूर्वानुमानकर्ता ने 2013 के बाद से गंभीर संवहनशील मौसम के लिए पहला ऑरेंज अलर्ट जारी किया। चीन में गंभीर संक्रामक मौसम के लिए तीन स्तरीय, रंग-कोडित मौसम चेतावनी प्रणाली है, जिसमें नारंगी रंग सबसे गंभीर चेतावनी का प्रतिनिधित्व करता है, उसके बाद पीला और नीला होता है।

इस मंदिर में होते हैं 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन दिनभर रहता है भक्तों का जमावड़ा

भगवान शिव, जो स्वयं महाकाल हैं । इनके दर्शन मात्र से मोक्ष प्राप्ति होती है। पृथ्वी पर वह ज्योतिर्लिंग स्वरूप में विद्यमान हैं। भारत में अलग-अलग जगहों पर उनके 12 ज्योतिर्लिंग स्थापित है, जिनके दर्शन से लोगों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। देश के कोने-कोने में स्थित होने की वजह से सभी ज्योतिर्लिंगों का दर्शन करना इतना आसान नहीं होता। इसके लिए लंबी यात्रा भक्तों को करनी पड़ती है। लेकिन, अगर आप प्रयागराज आ रहे हैं तो द्रविड़ शैली में निर्मित एक भव्य मंदिर में 12 ज्योतिर्लिंग को बनाया गया है। यहां भी दर्शन करने से पुण्य प्राप्त होता है।

सभी ज्योतिर्लिंग की स्थापना एक साथ संगम के तट पर स्थित द्रविड़ शैली यानी दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित आदि शंकर विमान मंडप पर मंदिर के तीसरे तल पर हुआ है। यहां श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, महाकाल ज्योतिर्लिंग, रामेश्वर ज्योतिर्लिंग और वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग स्थापित है। सबसे खास बात यह है कि इन ज्योतिर्लिंगों को इस तरह बनाया गया है जैसे रामेश्वरम, सोमनाथ और महाकाल में बनाया गया है। यहां के पुजारी पाठक जी महाराज कहते हैं कि इन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से वही पुण्य प्रताप प्राप्त होता है, जो वहां जाने से मिलता है।

मंदिर में यह भी है खास

भगवान शिव से संबंधित इस मंदिर की दीवारों पर दक्षिण भारत के ही प्रमुख देवी देवताओं का चित्र अंकित किया गया है। दक्षिण भारत शैली में निर्मित इस मंदिर के कोने पर छोटे-छोटे मंडप बनाए गए हैं, जो इसको और आकर्षक एवं सुंदर बनाते हैं। तीन ताल वाले इस मंदिर पर दिनभर भक्तों का आना-जाना लगा रहता है। इस मंदिर की डिजाइन काफी बारीक है। इसलिए इसके आर्किटेक्चर की तारीफ हर कोई करता है।

यह है मंदिर आने का सही समय

संगम के किनारे इस मंदिर में प्रवेश के लिए कोई शुल्क नहीं लगता है। मंदिर सुबह 6:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक खुला रहता है। इस मंदिर की छत पर खड़े होकर संगम का बेहतरीन नजारे का भी दीदार कर सकते हैं।

तुलसी के साथ लगाएं 2 पौधे

खुल जाएंगे किस्मत के द्वार

सही जगह लगा कर पाएं पितृ दोष से मुक्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ ऐसे पौधे हैं, जिन्हें घर में लगाएं और इन पौधों से जुड़े कुछ उपाय किए जाएं। तो कई तरह की समस्याएं खत्म हो सकती है। इनमें से एक पौधा है तुलसी। हिन्दू धर्म में तुलसी का पौधा बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। प्रत्येक हिन्दू घर में तुलसी का पौधा पाया जाता है, और प्रतिदिन इसकी पूजा भी की जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार तुलसी के पौधे के साथ कुछ पौधे घर में लगाए जाएं, तो जीवन में कई तरह के लाभ प्राप्त हो सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से कि वास्तु शास्त्र के अनुसार तुलसी के साथ कौन से पौधे घर में लगाना उत्तम होता है।

काला धतूरा

भगवान शिव को पूजा पाठ के दौरान धतूरा अर्पित किया जाता है। हिंदू धर्म में इसका विशेष महत्व है। हिन्दू धर्म में अनेक मान्यताएं हैं जिनके अनुसार काले धतूरे में स्वयं भगवान शिव का वास माना गया है। ऐसे में घर के अंदर काले धतूरे का पौधा लगाया जाए, तो इससे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार काले धतूरे को घर में लगाने से वैवाहिक रिश्तों में मज़बूती आती है, और व्यक्ति को उसके कार्यक्षेत्र में लाभ और तरक़्क़ी प्राप्त होती है।

आक का पौधा

आक का फूल भगवान शिव को अर्पित किया जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार आक का पौधा घर में लगाने से घर में शुभता बनी रहती है, और इस पौधे को घर में लगाने पर कई लाभ प्राप्त होते हैं। इसे घर के आंगन में या तुलसी के पौधे के पास लगाना सबसे ज़्यादा लाभकारी माना गया है।

करें ये उपाय

यदि कोई व्यक्ति पितृ दोष से पीड़ित है। तो ऐसे व्यक्ति को काले धतूरे के पौधे के कुछ उपाय करने चाहिए। इसके लिए प्रातः काल उठकर स्नानादि से निवृत्त होकर आक और काले धतूरे के पौधे में जल मिश्रित दूध चढ़ाएं, वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में काले धतूरे का पौधा लगाना और नियमित रूप से इसकी पूजा करने पर कुंडली में पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

हाथ में रुद्राक्ष की माला पहनने से पहले जान लें इसके प्रभाव

क्या होगा अगर हाथ में पहना जाए रुद्राक्ष

सनातन धर्म में रुद्राक्ष का बहुत महत्व होता है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई थी, इसलिए इसे बहुत शुभ माना जाता है। धरती पर पाए जाने वाले रत्न और पत्थरों में से रुद्राक्ष का विशेष महत्व होता है, इसलिए इसका उपयोग जाप करते समय भी किया जाता है। कहते हैं रुद्राक्ष को धारण करने से भोलेनाथ की कृपा बनी रहती है और दिमाग भी शांत रहता है। ऐसे में कई लोग रुद्राक्ष की कंठी धारण करते हैं तो कोई इसे हाथ में पहनता हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि हाथ में रुद्राक्ष की माला पहनी जाए तो इससे क्या प्रभाव पड़ते हैं।

हाथ में रुद्राक्ष की माला पहनने के प्रभाव

जो जातक अपने हाथ में रुद्राक्ष की माला या एक रुद्राक्ष भी धारण करता है, इससे उसके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। कहते हैं रुद्राक्ष धारण करने से दिमाग शांत रहता है और दिमाग के काम करने की क्षमता बढ़ती है।

रोगों से मिले छुटकारा

अगर आप स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं और रोगों से मुक्त होना चाहते हैं, तो आपको रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। इससे बीमारियों का प्रकोप दूर होने लगता है और भोलेनाथ जातक को निरोग होने का आशीर्वाद देते हैं।

डर को दूर करें रुद्राक्ष की माला

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अगर हाथ में रुद्राक्ष धारण किया जाए तो इससे जातक को भय से मुक्ति मिलती है। इतना ही नहीं उसके जीवन में आने वाली सभी परेशानियों का भी निपटारा होता है।

सफलता की ओर ले जाए रुद्राक्ष

अगर तमाम कोशिश करने के बाद भी आपको सफलता नहीं मिल रही है और आपको अपने परिश्रम का फल नहीं मिल रहा है, तो ऐसे लोगों को हाथ में रुद्राक्ष धारण करना चाहिए इससे सफलता के योग बनते हैं।

इस तरह करें रुद्राक्ष धारण

अब बात आती है कि आपको रुद्राक्ष धारण कैसे करना चाहिए, तो आप पंचमुखी रुद्राक्ष लेकर इसे सबसे पहले गंगाजल से शुद्ध करें। इसे धारण करने से पहले ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करें, ऐसा करने से भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और फिर इस रुद्राक्ष को आप धारण कर लीजिए।

विलक्कु पूजा, भाग्य और समृद्धि की देवी महालक्ष्मी का प्रतीक

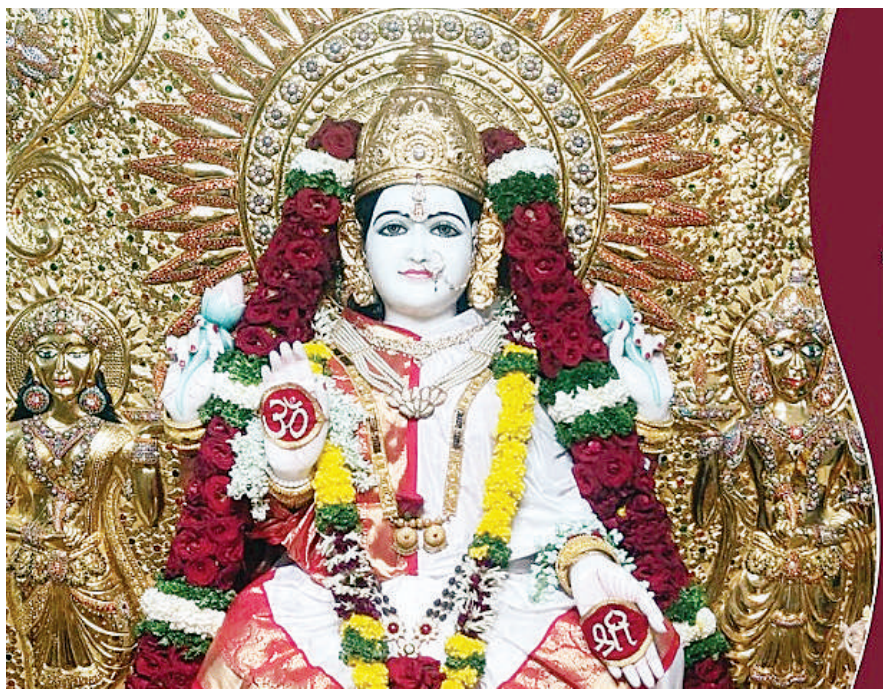

विलक्कु पूजा, भाग्य और समृद्धि की देवी महालक्ष्मी का प्रतीक है। एक समय में बड़ी संख्या में महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से महालक्ष्मी की पूजा दीप जलाकर किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और दुनिया में शांति आती है। थिरु विलक्कु पूजा, ज्यादातर शुक्रवार को या तो सुबह या शाम को दीपक जलाकर की जाती है। यह मुख्य रूप से तमिल महीनों, चिथिरई और वैगासी के दौरान की जाती है, और यह पवित्र दीप पूजा अमावस और पूर्णिमा के दिनों में भी की जा सकती है।

कुथु विलक्कू का मतलब है खड़ा हुआ तेल का दीपक, जो कि अज्ञानता को दूर करने और हमारे भीतर दिव्य प्रकाश के जागरण का प्रतीक है।

दक्षिण भारत - तमिलनाडु में, अधिकांश गृहिणियां इस तिरुविलक्कू पूजा को 108 जाप के साथ घर पर नियमित रूप से करतीं हैं। दीपक की मंद-मंद चमक मंदिर तथा मंदिर के कमरे को रोशन करती है, जिससे वातावरण शुद्ध और निर्मल रहता है।

दक्षिण भारतीय हिंदुओं के घरों में थिरु-विलक्कू प्रतिदिन जलाया जाता है, क्योंकि थिरु-विलक्कू को माँ महालक्ष्मी का रूप माना जाता है, जो भाग्य और धन की देवी हैं। दिव्य मां लक्ष्मी देवी की कृपा पाने के लिए महिला भक्तों द्वारा थिरुविलक्कू पूजा की जाती है। यह पूजा परिवार के सदस्यों की भलाई के लिए की जाती है और यह प्रत्येक सदस्य के लिए अच्छाई लाती है।

ऐसा माना जाता है कि जो लोग ईमानदारी से मंदिरों में दीया जलाकर थिरु विलक्कू पूजा करते हैं, मां महालक्ष्मी भी उस शुभ कार्यक्रम में उपस्थित होंगी, और वह दीप पूजा में भाग लेने वालों को आशीर्वाद देती हैं।

- इस पूजा की शुरुआत से पहले, पवित्र दीपक को अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिए, और इसकी पवित्रता बढ़ाने के लिए इसे हल्दी और कुमकुम लगाया जाता है।
- भोग के लिए पवित्र प्रसाद भी तैयार कर सकते हैं जो माँ लक्ष्मी के लिए पसंदीदा मानी जाती हैं, जैसे कि शुद्ध गाय के घी से बनी मिठाई, मक्खन से बने प्रसाद और फल। और इसे देवी माँ लक्ष्मी को अर्पित करना चाहिए।
- पूजा संपन्न होने के बाद गायों को प्रसाद का सामान भी चढ़ा सकते हैं।
- सामान्य तौर पर, यह पूजा विवाहित महिलाओं द्वारा अपनी पति की लंबी उम्र के लिए की जाती है।
- इस पवित्र दीप पूजा के प्रदर्शन का विवरण हमारे हिंदू धर्म के कुछ पवित्र ग्रंथों में भी मिलता है।

माथे पर तिलक के साथ क्यों लगाए जाते हैं अक्षत?

क्या है इसका महत्व, चावल किस चीज का प्रतीक

पूजा के दौरान हम अपने माथे पर तिलक लगाते हैं। किसी भी शुभ काम को करने से पहले हमारे माथे पर तिलक लगाया जाता है। इसको आशीर्वाद का प्रतीक भी माना जाता है। तिलक कई सामग्रियों से लगाया जाता है जैसे कुमकुम, चंदन, हल्दी या फिर भस्म। जब भी माथे पर तिलक लगाया जाता है, उसके ऊपर अक्षत यानी कि चावल अवश्य लगाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि तिलक के साथ अक्षत लगाने से तिलक को पूर्ण माना जाता है। तिलक के साथ अक्षत लगाने का महत्व बताया है ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा नें। आइए जानते हैं माथे पर तिलक के साथ अक्षत लगाने के फायदों के बारे में।

तिलक हमेशा माथे के बीचो-बीच लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिलक आपके पूरे शरीर के सातों ऊर्जा केंद्रों को नियंत्रित करने में मदद करता है। माथे के बीच में गुरु का स्थान भी होता है, इसलिए माथे पर तिलक लगाने से गुरु को मजबूत किया जा सकता है। इससे हमारे शरीर में ऊर्जा का प्रवाह तेजी से होता है और मन-मस्तिष्क स्वस्थ रहता है।

माथे पर तिलक के साथ क्यों लगाया जाता है चावल

तिलक के साथ चावल लगाने से आध्यात्मिकता का विकास होता है। यह हमारे जीवन के सभी ग्रहों को संतुलित करने में मदद करता है। प्रत्येक ग्रह कुछ विशिष्ट गुणों, ऊर्जाओं और देवताओं से जुड़ा होता है। तिलक पर चावल का प्रयोग उन दिव्य प्रभावों को बढ़ाता है, जो ग्रहों की गति की वजह से संचालित होते हैं। मुख्य रूप से चावल सूर्य की ऊर्जा को केंद्रित करने और पूरे शरीर में फैलाने में मदद करता है।

तिलक पर लगाए जाने वाले चावल के दाने किस चीज का प्रतीक

तिलक के ऊपर लगाए जाने वाले चावल के दाने किसी भी व्यक्ति की जीविका और प्रचुरता का प्रतीक माने जाते हैं और ये सौर ऊर्जा के वाहक बनते हैं। जो भी इस तरह का तिलक लगाता है, उसके जीवन को शक्ति, साहस और दिव्य आशीर्वाद मिलता है।

चावल को माना जाता है संपन्नता का प्रतीक

यदि आप माथे पर तिलक के साथ चावल के कुछ दाने या अक्षत का इस्तेमाल करते हैं तो आपको सम्पन्नता का आशीर्वाद मिलता है और इससे आपके जीवन में धन-धान्य की कभी भी कमी नहीं होती है। ज्योतिष के अनुसार अक्षत का अर्थ होता है जिसका कभी नाश न हो। इसी वजह से इसका संबंध धन से होता है। जब आप माथे पर तिलक के साथ अक्षत लगाते हैं तो ये आपका भाग्योदय करता है।

घर की दशा सुधारने के लिए करें दशा माता की पूजा

जानें पूजा विधि, महत्व और शुभ मुहूर्त

चैत्र मात्र के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता की पूजा अर्चना की जाती है, इस बार यह शुभ तिथि 4 अप्रैल दिन गुरुवार को है। धार्मिक मान्यता है कि दशा माता की पूजा अर्चना और व्रत करने से घर की दिशा दशा में सुधार आता है और दरिद्रता का अंत होता है। इस दिन महिलाएं कच्चे सूत का 10 तार का डोरा बनाकर उसमें 10 गठाने लगाती हैं और फिर उसे लेकर पीपल के वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं। इस व्रत में डोरे का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह दशा माता का डोरा कहलाता है, जिसे महिलाएं साल भर तक गले में धारण करती हैं। आइए जानते हैं कैसे किया जाता है यह व्रत और इसका क्या है महत्व।

दशा माता की पूजा का महत्व

दशा माता की पूजा अर्चना के बाद महिलाएं डोरा को गले में साल भर तक धारण करती हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से सभी परेशानियों से मुक्ति मिलती है और घर के सदस्यों की उन्नति होती है। लेकिन अगर आप साल भर तक इसको धारण नहीं कर सकते तो वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष में कोई भी अच्छा दिन देखकर माता के चरणों में अर्पित कर सकते हैं। इस व्रत में साफ सफाई का ध्यान रखना पड़ता है और घरेलू सामान व झाड़ू खरीदने का विशेष महत्व होता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार, यह व्रत सभी तरह की परेशानियों से बचाता है।

दशा माता पूजा विधि

दशा माता के व्रत में कच्चे सूत का 10 तार का डोरा लेकर उसमें 10 गठाने लगाई जाती हैं। इसके बाद महिलाएं पीपल के वृक्ष की पूजा अर्चना कर 10 बार सूत लपेटते हुए परिक्रमा करती हैं। फिर उस डोरे को गले में धारण कर लेती हैं। दशा माता की पूजा पीपल के पेड़ क छांव में किया जाता है और पीपल के आस पास धागा बांधा जाता है और फिर कथा सुनी जाती है। पूजन करने के बाद महिलाएं घरों पर हल्दी और कुमकुम के छापे लगाती हैं। व्रत करने वाली महिलाएं एक ही समय भोजन करती हैं लेकिन उस भोजन में नमक का प्रयोग नहीं किया जाता। साथ ही भोजन में गेहूं का उपयोग किया जाता है। दशा माता का व्रत जीवन भर किया जाता है और इसका उघापन नहीं होता है।

दशा माता की पूजा का शुभ मुहूर्त

दशा माता की पूजा के बारे में बताया जाता है कि होली के दूसरे दिन से ही महिलाएं दशा माता की 10 दिन तक अलग अलग कथा सुनती हैं। फिर चैत्र मात्र के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता की पूजा अर्चना करती हैं और फिर पीपल के पेड़ के पास जाकर पूजा अर्चना करती हैं। 4 अप्रैल को महिलाएं दशा माता की पूजा सुबह 6 बजकर 29 मिनट से 8 बजकर 2 मिनट तक, फिर 11 बजकर 8 मिनट से दोपहर 3 बजकर 46 मिनट तक कर सकती हैं।

संजय दत्त ना ठुकराते तो बनते बाहुबली के कटप्पा

44 साल के करियर में संजू बाबा की ठुकराई फिल्मों ने बनाई सितारों की तकदीर

1990 के दशक में सबसे हटके स्टाइल वाले एक्टर में से एक संजय दत्त की एक्टिंग जबरदस्त है। तभी तो आज भी वह साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में छाए हुए हैं। दिग्गज स्टार सुनील दत्त और नरगिस के बेटे ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने दम पहचान बनाई है। संजू बाबा के नाम से फेमस संजय दत्त ने अपने लंबे करियर में कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में की हैं। लेकिन कई ऐसी भी फिल्मे हैं, जिन्हें संजू बाबा ने रिजेक्ट कर दिया और बाद में उनमें से कुछ जबरदस्त हिट हुई, बॉक्स ऑफिस पर खूब छापे।

खुदा गवाह – अमिताभ बच्चन और श्रीदेवी की सुपरहिट फिल्म 'खुदा गवाह' के लिए संजय दत्त को भी अप्रोच किया गया था। उन्हें फिल्म में नागार्जुन वाला किरदार निभाना था लेकिन संजू बाबा बिग बी के आगे सेकेंड लीड नहीं करना चाहते थे और बस इसी से उन्होंने फिल्म में काम करने से मना कर दिया था।

हीरो – जैकी श्रॉफ और मीनाक्षी क्षेषाद्री की फिल्म 'हीरो' 1983 में बॉक्स ऑफिस पर आई थी। इस फिल्म में निर्देशक सुभाष घई की पहली पसंद संजय दत्त ही थे लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो संजय दत्त इस फिल्म को भी करने से इनकार कर दिया था।

प्रेमग्रंथ – संजय दत्त ने तीसरी जो फिल्म ठुकराई वो माधुरी दीक्षित की फिल्म 'प्रेमग्रंथ' थी। ये फिल्म सबसे पहले संजय दत्त को ही ऑफर की गई थी लेकिन उस समय वो जेल में थे और इसको नहीं कर पाए थे।

त्रिमूर्ति – जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर और शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'त्रिमूर्ति' के लिए पहले संजय दत्त को ही कास्ट किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का कुछ हिस्सा भी शूट हो चुका था लेकिन फिर बाद में संजू बाबा कानूनी पचड़ों फंस गए और उनकी जगह अनिल कपूर को लेना पड़ा।

बाहुबली– बहुत कम लोग ही जानते हैं कि पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर प्रभास और राणा दग्गुबाती की फिल्म 'बाहुबली' को भी संजय दत्त ठुकरा चुके हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में कट्टप्पा का किरदार निभाने के लिए पहले संजय दत्त को ही मेकर्स ने अप्रोच किया था लेकिन किसी वजह से बात नहीं बन पाई।

गैंगस्टर– अनुराग बसु के डायरेक्शन में बनी कंगना रनौत की डेब्यू फिल्म 'गैंगस्टर' में भी मेकर्स की पहली पसंद संजय दत्त ही थी लेकिन उन्होंने इस फिल्म को करने मना कर दिया, जिसके बाद फिल्म शाइनी आहूजा के हाथ लगी।

ब्लफमास्टर– अभिषेक बच्चन की फिल्म 'ब्लफमास्टर' में भी मेकर्स की पहली पसंद अभिषेक नहीं बल्कि संजय दत्त ही थे लेकिन संजू बाबा को फिल्म की कहानी पसंद नहीं आई और उन्होंने काम करने से साफ-साफ मना दिया था।

प्यार किया तो डरना क्या– सलमान खान की फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' में भी संजय दत्त को मेकर्स लेना चाहते थे लेकिन संजू बाबा ने सेंकेड लीड रोल करने से मना कर दिया, जिसके बाद अरबाज खान को फिल्म में लिया गया।

रेस 2 – अनिल कपूर, सैफ अली खान और जॉन अब्राहम स्टारर 'रेस 2' में पहले संजय दत्त को लिया जाना था। फिल्म में जॉन अब्राहम वाला किरदार संजू बाबा को ही निभाना था लेकिन फिल्म का आइडिया उन्हें रास नहीं आया और उन्होंने इसे से मना कर दिया।

हेरा फेरी – अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की सबसे हिट फिल्म 'हेरा-फेरी' के लिए भी मेकर्स की पहली पसंद संजय दत्त ही थे लेकिन उस वक्त कोर्ट केस की वजह से संजय को फिल्म छोड़नी पड़ी और सुनील शेट्टी को इस किरदार के लिए कास्ट किया गया।

सुहाना खान ने इंस्टाग्राम पर किया धमाका

शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्हें भी अगर आप इन्फ्लुएंसर्स में गिनें तो कुछ गलत नहीं होगा। इंस्टाग्राम पर सुहाना की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। लोग सुहाना की तस्वीरें और रील देखना पसंद करते हैं। पर सुहाना का असर दिखता है यही वजह है उन्हें मेबेलिन जैसे मेकअप ब्रैंड से जुड़ने का मौका मिला। आज हम सुहाना के सोशल मीडिया अकाउंट की चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और इनमें वो बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। ड्रेस में अनन्या कमाल लग रही हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे सोशल मीडिया पर उनके फैन्स और फॉलोअर्स सभी फोटो देखकर उनकी तारीफ किए बिना नहीं थक रहे।

सोशल मीडिया पर आए ऐसे कमेंट

अनन्या पांडेय ने कमेंट किया, पोस्ट द रील। उनके इस कमेंट से ऐसा लग है कि दोनों साथ ही थे और कुछ और तस्वीरें थीं जो अभी तक बाहर नहीं आई हैं। वहीं एक फैन तो ऐसा था जो उन्हीं के नाम का इस्तेमाल करते हुए लिखता है, मौसम सुहाना कर दिया। एक लिखा, बेहद खूबसूरत सुहाना। एक इंस्टा यूजर बोला, जितनी अच्छी हो वैसी ही अच्छी फिल्में करो।

डेब्यू के बाद और पॉपुलर हुईं सुहाना

बता दें कि सुहाना खान ने नेटफ्लिक्स पर 'द आर्चीज' से अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म मिक्स रिव्यू मिले हालांकि सुहाना की परफॉर्मेंस और एक्टिंग स्किल्स ऑडियंस को पसंद आई। अब फैन्स को सुहाना अगली फिल्म का इंतजार है। खबर है कि सुहाना पापा शाहरुख खान के साथ फिल्म करने जा रही हैं। इसमें शाहरुख खान एक कैमियो करने वाले हैं।

सेजल जायसवाल फैशन डिजाइनर की भूमिका निभाने टीवी शो कृष्णा मोहिनी के कलाकारों में हुई शामिल

ये दिल मांगे मोर और डेटिंग इन द डार्क जैसे शो में काम कर चुकीं अभिनेत्री सेजल जायसवाल, देबत्तमा साहा और फहमान खान अभिनीत आगामी टीवी शो कृष्णा मोहिनी के कलाकारों में शामिल हो हैं।खबर की पुष्टि करते हुए सेजल ने कहा, हां, मैं शो का हिस्सा हूं, लेकिन अभी ज्यादा जानकारी नहीं दे सकती। मैं छह महीने बाद टीवी पर वापसी करने के लिए उत्साहित हूं। मैं पलकों की छांव में 2 के आखिरी पार्ट में था। जिसके बाद मैं एक वेब क्राइम्स आज कल की शूटिंग कर रहा था। इस बीच, मैं संगीत वीडियो और कुछ विज्ञापनों पर भी सहयोग कर रहा हूं। मैं इस टीवी शो से जुड़कर खुश हूं। शो से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, सेजल शो में एक फैशन डिजाइनर की भूमिका निभाती नजर आएंगी। बेहद खूबसूरत, युवा और सुंदर हैं।सूत्र ने कहा कि उनकी प्रमुख भूमिका है यह एक मजबूत किरदार है, जो शो में अभिषेक सोनी की पत्नी फहमान की छोटी बहन बनती है। यह एक सकारात्मक और प्रमुख भूमिका है।

जावेद जाफरी और अदनान सामी ने एक ही एक्ट्रेस से की थी शादी

रही हैं पाकिस्तान की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस, चार बार बसा चुकी हैं घर

1991 में आई फिल्म मेहंदी तो आपको याद जिसमें ऋषि कपूर के साथ पाकिस्तानी एक्ट्रेस जेबा बख्तियार ने डेब्यू किया था। अपनी इस बॉलीवुड फिल्म से उन्होंने अमिट छाप छोड़ी और अपनी खूबसूरती के लिए वो पाकिस्तान ही नहीं बल्कि हिंदुस्तान में भी खूब मशहूर हुई। लेकिन प्यार के मामले में जेबा बख्तियार बहुत ही अनलकी रही। दो बार नहीं बल्कि चार बार इस एक्ट्रेस को प्यार हुआ। इन्होंने घर बसाया, लेकिन उनकी किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। आइए आज हम आपको बताते हैं पाकिस्तानी एक्ट्रेस जेबा बख्तियार के बारे में जिनके एक हस्बैंड बॉलीवुड एक्टर और एक सिंगर भी रह चुके हैं।

है जेबा बख्तियार

जेबा बख्तियार का जन्म 5 नवंबर 1962 को हुआ था। वो पाकिस्तान के राजनेता और पूर्व अटॉर्नी जनरल, याह्या बख्तियार की बेटी है, उनकी मां मूल रूप से हंगरी की रहने वाली थी, जबकि उनके पिता क्वेटा से थे। जेबा का जन्म भी क्वेटा में हुआ, इसके बाद वो कराची चली गईं और पाकिस्तान में उन्होंने कई फिल्में और शोज किए। लेकिन जेबा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही, उन्होंने एक दो नहीं बल्कि चार-चार शादियां की।

जेबा बख्तियार की कंट्रोवर्शियल लव लाइफ

पाकिस्तानी एक्ट्रेस जेबा बख्तियार ने पहले क्वेटा के सलमान वलियानी नाम के शख्स से शादी की, जिनसे उनकी एक बेटी हुई। हालांकि, कुछ समय बाद ही दोनों ने एक दूसरे से तलाक ले लिया और जेबा की बेटी को उनकी बहन ने गोद ले लिया। पहली शादी असफल होने के बाद 1989 में जेबा ने बॉलीवुड के कॉमेडी एक्टर जावेद जाफरी से शादी की, दोनों ने अपनी शादी को छुपाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उनके निकाहनामे को सार्वजनिक कर दिया गया था। हालांकि, एक साल के अंदर ही जावेद और जेबा ने तलाक ले लिया था।

अदनान सामी से हुई जेबा की

पाकिस्तानी सिंगर अदनान सामी जब 22 साल के थे, तब उनका दिल जेबा बख्तियार पर आ गया। दोनों ने 1993 में शादी की, 4 साल तक दोनों की शादी चली, लेकिन इसके बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए। 1996 में अदनान और जेबा ने तलाक ले लिया, दोनों एक बेटा अजान भी है। अदनान सामी के बाद जेबा को चौथी बार पाकिस्तान के सोहेल खान लेघारी से प्यार हुआ और उन्होंने उनसे शादी की, आज जेबा सोहेल के साथ पाकिस्तान में अपनी जिंदगी की रही है और कई पाकिस्तानी सीरियल्स में भी नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस नकियाह हाजी ने शैतानी रस्में में चुनौतीपूर्ण स्टंट पर की बात

शो शैतानी रस्में में निक्की का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस नकियाह हाजी ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने अपने किरदार में जान डालने के लिए कड़ी मेहनत की है।नकियाह ने शो में सबसे अधिक मांग वाले दृश्यों के बारे में की।शो के अपने अनुभव के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, मैंने शैतानी रस्में में किए जाने वाले हर स्टंट को बहुत अच्छे तरीके से आनंद लेते हुए किया है। दर्शकों का प्रोत्साहन मुझे और उत्साहित कर देता है। ऐसे सीन करने के लिए काफी मेहनत लगती है।एक्ट्रेस ने कहा, सीन के लिए मुझे कुएं में गिरना था, लेकिन मैं ज्यादा ऊंचाई से गिर गई, जिसके चलते मुझे चोट आई। एक और अन्य सीन के लिए मुझे एक कुंड में डूबना था, जमा देने वाले ठंडे पानी के भीतर सांस रोकना मुश्किल हो गया। यह शूट अविश्वसनीय रूप से था, फिर भी इसे अच्छे से किया गया।उन्होंने विभिन्न शॉट्स के दौरान आई परेशानियों के बारे में बात करते हुए कहा, हर एपिसोड चुनौतियां लेकर आता है। जिसे करने के लिए कड़ी मेहनत लगती है। सीन के दौरान चेहरे पर भाव बनाए रखना महत्वपूर्ण है।शैतानी रस्में स्टार भारत पर होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। समय और धन की कद्र आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक घटना आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से भरा दिन, जब नज़दीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाक़ात संभव है, जिसके चलते पुरानी ख़ुशनुमा यादें फिर तरोताज़ा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख़्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है जीवनसाथी आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक्त में कोई पुस्तक पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकाग्रता को भंग कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन–देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा।
आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फायदा उठाएँ। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार माँगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। अचानक आयी ज़िम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज़्यादा और ख़ुद के लिए कम कर पा रहें. प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताज़गी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन–देन में सावधानी की ज़रूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 04 अप्रैल 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी सायं 04:17 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 08:12 तक
योग : सिद्ध दोपहर 01:14 तक
करण : विष्टि सायं 04:17 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 04:17 तक , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वाटेरा में मिला 30 लाख रुपए कीमत का 4,860 लीटर घी

गुणवत्ता जांच के लिए सैंपल लेकर गोदाम सीज

सिरोही,03 अप्रैल (एजेंसियां)। सिरोही जिले की रोहिड़ा पुलिस एवं खाद्य विभाग द्वारा वाटेरा गांव में एक आवासीय मकान में बने गोदाम में दबिश देकर वहां अवैध रूप से भंडारण किए गए 4,860 लीटर घी को जब्त किया गया है। यह घी 324 पैकेट में भरा हुआ था। इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है। सबसे बड़ी एवं बात यह है कि संबंधित के पास इसका न तो कोई बिल था और न ही इसे बेचने के लिए खाद्य सुरक्षा लाइसेंस। फिलहाल, गुणवत्ता की जांच के लिए घी के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवा दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में अवैध कारोबार के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत रोहिड़ा थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह की अगुवाई में सहायक उपनिरीक्षक छैल सिंह, हेड कांस्टेबल समय सिंह, कांस्टेबल श्रवण कुमार, प्रकाशचंद एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिरोही दिलीप सिंह की टीम को गश्त दौरान वाटेरा गांव में भंवरलाल पुत्र लीलाराम घांची के मकान में बने हुए गोदाम में भारी मात्रा मे अवैध रूप से घी भण्डारण किए हुए होने की सूचना मिली थी।

इस पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को मौके पर बुलाकर भंवरलाल के घर में बने हुए गोदाम की ली गई। वहां पर अवैध रूप से बिना बिल एवं खाद्य सुरक्षा अनुज्ञापत्र के कुल 324 पैकेट में भरा हुआ 4,860 लीटर घी श्री मूल ब्रांड का पाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा इसे जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही जांच के लिए सैंपल लेकर गोदाम को सीज दिया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भरा नामांकन

बीजेपी के कई दिग्गज नेता रहे मौजूद

कोटा,03 अप्रैल (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कोटा–बूंदी लोकसभा सीट बीजेपी के प्रत्याशी ओम बिरला ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इससे पूर्व ओम बिरला ने कोटा के नयापुरा स्थित जेके पेविलियन स्टेडियम के बाहर सभा को संबोधित किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी और बीजेपी जिलाध्यक्ष राकेश जैन सहित कई वर्तमान व पूर्व विधायक, भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करने के बाद ओम बिरला रैली के रूप में नामांकन भरने कलेक्ट्रेट पहुंचे। रैली में हजारों लोगों की भीड़ देखी गई।

नामांकन दाखिल करने के बाद ओम बिरला ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों कार्य योजनाओं और सफलता से पूरी दुनिया में भारत की साख बढ़ी है। पिछले 10 साल के कार्यकाल से लोगों के प्यार और स्नेह के पर इस बार फिर से केंद्र में भाजपा की सरकार बनेगी। कांग्रेस उम्मीदवारों द्वारा मैदान छोड़ने की बात पर बिरला ने कहा कि कांग्रेस में भगदड़ क्यों मची हुई है, यह वही बता सकते हैं। लेकिन उनका हमेशा ही यह मानना रहा है कि सकारात्मक होकर चुनाव लड़ना चाहिए। मोदी जी के विजन के अनुसार, विकसित भारत की सभी योजनाओं को तीसरे कार्यकाल में लागू करके सफल बनाएगी। इस चुनाव में राजस्थान से फिर से तीसरी बार क्लीन स्वीप करते हुए 25 में से 25 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

किराए के मकान में रह रही महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

जोधपुर,03 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र के सेक्टर–11 किराए के मकान में रह रही महिला का शव घर में मिलाने से क्षेत्र में हड़कंप मच इसका पता तब चला, जब किराए के घर पर रह रही महिला का भाई दोपहर करीब डेढ़ बजे बहन के घर पहुंचा। उसने घर के बाहर से आवाज लगाई। लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद भाई ने दरवाजा खोलकर अंदर गया तो शोभा का शव बेड पर पड़ा जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

जानकारी के अनुसार, जोधपुर शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र के सेक्टर–11 में शोभा सिंधी (45) नाम की महिला अकेली किराए के मकान में रहती थी। शोभा तलाकशुदा थी और पिछले तीन–चार साल से अकेली सेक्टर–11 में रह रही थी। जा रहा है कि वह रेडीमेड कपड़ों का काम करती थी। शोभा का भई नजदीक ही सेक्टर–11 में भाई पप्पू रहता था। पप्पू ने सुबह शोभा को फोन किया, लेकिन उठाया नहीं। सूचना पर जोधपुर पश्चिम डीसीपी राजेश यादव, प्रताप नगर एसीपी अनिल कुमार और चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थानाधिकारी दवे सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा है और जांच पड़ताल में जुट गया है।

कांग्रेस के पूर्व सांसद भाजपा में शामिल कहा –गहलोत फौज मार कप्तान

जयपुर,03 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के कई दिग्गजों समेत कुल 113 नेताओं ने बीजेपी ज्वाइन कर ली है। इनमें कांग्रेस छोड़ बीजेपी में आए शंकर पन्नू ने मीडिया से बातचीत में अशोक गहलोत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जिंदगी भर कांग्रेस का निष्ठावान रहा। कांग्रेस ने निष्ठावान कार्यकर्ताओं को चुन–चुनकर मारा है।

शंकर ने कहा, कांग्रेस में चाटुकार, बेइमान और बदमाश प्रवृत्ति के लोग आ गए हैं। कांग्रेस अब पार्टी नहीं, गिरोह बन गया। साल 1977 में जब गहलोत हारे, तब भी मैं उनके साथ था। गहलोत पुत्र मोह में धृतराष्ट्र बन हैं। गहलोत फौजमार कप्तान हैं, उनमें कोई ईमानदारी नहीं बची है।

बीजेपी ज्वाइन करने वाले नेताओं में पूर्व सांसद, विधायक और भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ने वाले नेता भी शामिल हैं। प्रदेश बीजेपी मुख्यालय में राजस्थान की सह–प्रभारी विजया रहाटकर की मौजूदगी में हनुमानगढ़ से कांग्रेस के पूर्व शंकर पन्नू, पिलानी से पूर्व विधायक जेपी चंदेलिया, जेजेपी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व एमएलए नंदकिशोर महरिया ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

चालक के साथ मारपीट कर वाहन ले भागे बदमाश

करौली,03 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले की कैला देवी थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय लूट गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ट्रेवल कंपनियों से वाहन किराए पर लेकर चालक से मारपीट करके वाहन तथा अन्य सामान लूटकर फरार हो जाते थे। पुलिस ने इस वाहन लूट गैंग के सरगना सागर गुर्जर सहित तीन शातिर लुटेरों को किया है। आरोपियों से ट्रेवल्स कंपनी की टैक्सी कार एवं लूट का अन्य सामान बरामद किया गया है।

एसपी बृजेश उपाध्याय ने बताया कि रामपुरा की घाटी थाना कैला देवी क्षेत्र में ट्रेवल्स कंपनी की टैक्सी कार के चालक के साथ मारपीट करके वाहन लूटकर भागे आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार किया है। साइबर सेल, करौली के कांस्टेबल पुष्पेन्द्र कुमार की सूचना पर पुलिस ने यह खुलासा किया।

पुलिस ने बताया कि पहले इस गैंग के मुख्य सरगना सागर और विश्वेन्द्र को गिरफ्तार किया गया, उसके बाद पूछताछ में लूट का वाहन खरीदने के आरोपी सुरेन्द्र को गिरफ्तार कर कार बरामद की गई। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

चुनावों की तैयारी को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद

नाकाबंदी के साथ कर रही है कड़ी निगरानी

जैसलमेर,03 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड है। जिले में आचार संहिता लगने के बाद पुलिस ने भी शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करने के लिए कमान संभाल ली है। इसी के चलते जिले भर में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए कड़ी नाकाबंदी भी शुरू कर दी गई है और सभी वाहनों को चेक करने के बाद आगे जाने दिया जा रहा है।

बाड़मेर–जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। इसे लेकर जैसलमेर पुलिस ने अपनी तैयारियां कर ली हैं। हेड कॉन्स्टेबल गोरखा राम ने बताया कि चुनाव को प्रभावित करने की किसी भी प्रकार की गतिविधि को रोकने लिए पुलिस ने नाकाबंदी करके चेकिंग अभियान चलाया है ताकि अवैध गतिविधियों की रोकथाम की जा सके।

साथ ही रात के समय भी अधिकारी नाकाबंदी पर जाकर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। शहर में आने वाली हर गाड़ी की चेकिंग के साथ–साथ कागजों की जांच की जा रही है, ताकि भी असामाजिक तत्व चुनाव के दौरान शहर में माहौल खराब न कर सके। संदिग्ध लगने वाली गाड़ियों की पूरी तरह से छानबीन की जा रही है। पुलिस प्रशासन भयमुक्त वातावरण में व्यवस्थित चुनाव कराने को लेकर पूरी तरह मुस्तैद है।

सौ करोड़ के सहकारिता घोटाले का आरोपी नरेश गोयल गिरफ्तार

हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने पकड़ा

चंडीगढ़,03 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की ने सौ करोड़ के सहकारिता घोटाले के आरोपी सहकारिता विभाग के संयुक्त रजिस्ट्रार नरेश कुमार गोयल को गिरफ्तार कर लिया है। कुछ दिन पहले हरियाणा सरकार ने गोयल की गिरफ्तारी की स्वीकृति दी थी। गोयल की गिरफ्तारी नहीं होने पर विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर उसे बचाने आरोप लगाया था।

एक सप्ताह पहले ही बनाई गई एचएसजीएमसी की कमेटी पर हाईकोर्ट ने लगाया स्टे, अगली सुनवाई 28 को

कुरुक्षेत्र,03 अप्रैल (एजेंसियां)। एक सप्ताह पहले ही बनाई गई हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की नई कमेटी पर पंजाब एवं हरियाणा एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने स्टे लगा है, जिसके चलते अब यह कमेटी कोई कार्य नहीं कर सकेगी जबकि इससे पहले की कमेटी बहाल रहेगी। इस मामले में अब अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी।

पहले की कमेटी में कार्यकारिणी सदस्य रहे विनर सिंह ने उच्च न्यायालय में नई कमेटी के गठन पर आपत्ति जताते हुए अप्रैल को याचिका दायर कर चुनौती दी गई थी। उन्होंने बताया कि 28 मार्च को कमेटी की बजट बैठक तय की गई थी, जिसमें सिर्फ बजट ही पास किया जाना था।

बैठक का यही एजेंडा उन्हें भी मिला था, लेकिन जब बैठक हुई तो उसमें कमेटी में ही उलटफेर दिया गया। बैठक में नई कमेटी बनाई गई, जो पूरी तरह से अनुचित थी। इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। मामले को लेकर बातचीत में विनर सिंह ने बताया कि अदालत ने न केवल उनकी याचिका स्वीकार की बल्कि सुनवाई करते हुए नई कमेटी पर स्टे लगा दिया है। नई कमेटी कोई कार्य नहीं कर सकेगी जबकि इससे पहले की कमेटी ही कार्यरत मानी जाएगी। इसमें वे कार्यकारिणी सदस्य तो रमणीक सिंह मान महासचिव के तौर पर रहेंगे जबकि अन्य पदाधिकारी भी पहले की तरह कार्य कर सकेंगे। कमेटी के प्रधान भूपिंद्र सिंह असंध का कहना है कि अदालत ने नई कमेटी पर स्टे लगाया है, लेकिन उन पर नहीं। वे इससे पहले की कमेटी में भी

प्रधान थे और पहले की तरह ही कार्य करते रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले को लेकर कार्रवाई लेकर उचित कदम उठाया जाएगा और उम्मीद है जल्द ही स्टे भी हट जाएगा।

कमेटी प्रवक्ता कवलजीत अजराना का कहना है कि विनर सिंह की ओर से अदालत को गुमराह करने का काम किया गया है। बैठक में पूरे नियमों के तहत कमेटी बनाई गई थी। विनर सिंह भी बैठक में थे और उन्होंने खुद महासचिव पद के लिए रमणीक सिंह मान के नाम का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उनके पक्ष में पांच व सुखविंदर सिंह मंडेबर को 28 सदस्यों ने समर्थन दिया था। पूरी कार्रवाई ऑन रिकार्ड है, जिससे अदालत अवगत कराया जाएगा, जिसके बाद अदालत के समक्ष सच्चाई आ जाएगी। उम्मीद है यह स्टे जल्द हट जाएगा। ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब छठी के दीवान हाल में 28 मार्च को एचएसजीएमसी की बैठक में भूपिंद्र असंध को प्रधान बनाए जाने के अलावा रमणीक सिंह मान की छुट्टी कर उनकी जगह सुखविंदर सिंह मंडेबर को मौका दिया गया था। उनके साथ ही इस कमेटी में सुदर्शन सिंह सहगल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बीबी रविंदर कौर अजराना को कनिष्ठ उपप्रधान, गुलाब सिंह मूनक को संयुक्त सचिव बनाया गया था।

रणजीत सिंह हिसार में 85000 वोट लेकर जमानत जब्त करा चुके, इस बार 40000 भी नहीं आएंगे–अभय चौटाला

हिसार,03 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में इनेलो के प्रदेश महासचिव अभय सिंह चौटाला कहा कि चौधरी रणजीत सिंह 1998 में हिसार से चुनाव लड़े तो 85 हजार वोट लेकर जमानत जब्त करा गए थे। इस बार 40 हजार भी नहीं आएंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ईडी का डर दिखाकर कंपनियों से चंदा वसूला है। 400 पार का नारा देने वाली भाजपा भी नहीं जीत पाएगी।

हरियाणा में भाजपा को 10 में से 6 प्रत्याशी कांग्रेस से लेने पड़े हैं। जिस नवीन जिंदल को पीएम नरेंद्र मोदी कोयला चोर बताते थे वह अब भाजपा वाशिंग मशीन में नहाने के बाद कोहिनूर हो गए हैं। कुरुक्षेत्र की जनता कोयले की राख बनाएगी। में मीडिया से बातचीत करते हुए इनेलो के प्रदेश महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि चौधरी रणजीत सिंह ने 1989 में चौधरी देवीलाल की सरकार तोड़ने का प्रयास किया था। वह दिल्ली के होटल में सम्राट में एमएलए लेकर गए थे। अगर वह देवीलाल की नीतियों का अनुसरण वाले हैं तो चौधरी देवीलाल के सक्रिय राजनीति में रहते हुए उन्हें छोड़कर क्यों गए? अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हम सभी 10 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ेंगे। प्रत्याशी तय करने के लिए सभी लोकसभा से फीडबैक ले रहे हैं।

लोगों के नामांकन ले रहे हैं। प्रत्याशियों की लिस्ट तैयार कर 6 अप्रैल को चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि मनाने के बाद चौधरी ओमप्रकाश चौटाला को सौंपेंगे। प्रत्याशियों को लेकर अंतिम फैसला वहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि जजपा लूट व झूठ की दुकान थी। इस चुनाव में जनता इसे बंद करेगी। दुष्यंत चौटाला ने गठबंधन छोड़ा नहीं उन्हें निकाला गया है। अजय सिंह चौटाला ने दादरी में पिछले दिनों बयान दिया था कि भाजपा बुलाएगी तो फिर जाएंगे। यह लोग भाजपा के इशारे पर ही काम करते हैं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता चुनाव में उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पा भाजपा के जिस सांसद राजकुमार सैनी ने प्रदेश को जलाने का काम किया, वह अब कांग्रेस को समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा 400 का नारा दे रही लेकिन 200 पार नहीं कर पाएंगे। हरियाणा में चेहरे बदलने से कुछ नहीं होगा। जनता लुटेरों को सबक सिखाने काम करेगी।

कांग्रेस उम्मीदवार पद्मराज आर ने लोकसभा चुनाव के लिए दाखिल किया नामांकन

दिनेश गुंडूराव समेत अन्य नेता रहे मौजूद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) कांग्रेस सांसद उम्मीदवार पद्मराज आर ने आगामी लोकसभा (एलएस) चुनावों के लिए बुधवार को डीसी कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया।

पद्मराज आर ने कुद्रोली गोकर्णनाथेश्वर मंदिर से डीसी कार्यालय तक जुलूस का नेतृत्व किया। जुलूस को वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी जनार्दन पुजारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पद्मराज आर के साथ राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, और डीके जिला प्रभारी दिनेश गुंडू राव, एमएलसी बीके हरिप्रसाद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष और एमएलसी हरीश कुमार, पुत्तूर विधायक अशोक कुमार राय, पूर्व विधायक जेआर लोबो, रामनाथ राय, अभयचंद्र जैन, पूर्व एमएलसी इवान डिसूजा, कांग्रेस नेता मिथुन राय और इनायत अली समेत अन्य नेता मौजूद थे। पद्मराज ने रिटर्निंग ऑफिसर और डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुहिलान के पास अपना नामांकन दाखिल किया। दिनेश गुंडू राव ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा दक्षिण कन्नड़ से, पद्मराज का चयन किया गया है, और हमें कुद्रोली गोकर्णनाथेश्वर मंदिर से आशीर्वाद मिला है। मैं यहां बड़ी संख्या में एकत्र हुए सभी पार्टी सदस्यों और समर्थकों को बधाई देता हूं।

मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आगामी चुनावों में पद्मराज आर के भाग लेने पर कोई आपत्ति नहीं है। हम इन चुनावों में विजयी होंगे। भाजपा जीत सुनिश्चित करने के लिए चुनावी बांड सहित विभिन्न रणनीति अपना रही है और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने और परेशान करने के लिए एजेंसियों का उपयोग करके विभिन्न राज्यों में परेशानी पैदा कर रही है। हालाँकि, जनता इन मामलों से अवगत है। राज्य चुनावों के दौरान भाजपा की आलोचना के बावजूद, कांग्रेस पार्टी ने 135 सीटें हासिल कीं। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम आगामी लोकसभा चुनावों में 20 सीटें जीतेंगे।

मैं लोगों से पद्मराज के लिए वोट करने का आग्रह करता हूं। पद्मराज ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा यहां एकत्र हुए लोगों की आंखों में खुशी देखकर मुझे विश्वास हो गया है कि कांग्रेस पार्टी की आवाज सभी तक पहुंच गई है।

मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मेरी उपस्थिति में यह खुशी बरकरार रहेगी। मैं कांग्रेस पार्टी का एक विनम्र कार्यकर्ता रहा हूं, इसके हितों का समर्थन करता हूं और नेताओं और जनता दोनों के सामने आने वाले मुद्दों को समझता हूं।

मैं जिले से विभाजनकारी राजनीति को खत्म करने और सभी धार्मिक पृष्ठभूमि के लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

हम गुरुवार से हर घर तक अपनी पार्टी के मूल्यों और उपलब्धियों को पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। अगले 60 दिनों तक, मैं पार्टी के साथ अथक परिश्रम करूंगा, और मैं आपका आशीर्वाद और समर्थन चाहता हूं। बी के हरिप्रसाद ने कहा दक्षिण कन्नड़ जिले से, पद्मराज ने कांग्रेस पार्टी से अपना नामांकन दस्तावेज जमा किया है।

उनके चयन का सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने समर्थन किया, जो राजनीति में नए और सक्षम व्यक्तियों को लाने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पद्मराज ने रामनाथ राय, मंजूनाथ भंडारी, अभयचंद्र जैन, जे आर लोबो, इनायत अली और हरीश कुमार के साथ अपना नामांकन दाखिल किया।

केवल नियंत्रण हासिल करने के बारे में नहीं

मैं सभी से जिम्मेदारी से मतदान करने और कांग्रेस नेतृत्व के नए चेहरे को पहचानने का आग्रह करता हूं। यह चुनाव क्षेत्र या जनसंख्या पर केवल नियंत्रण हासिल करने के बारे में नहीं है। यह हमारे संविधान की सुरक्षा के बारे में है। कांग्रेस में, हम जाति और धर्म को राजनीति में लाने के बजाय विकास जैसे विषयों पर चर्चा करने में विश्वास करते हैं। हमारा प्राथमिक उद्देश्य संविधान की रक्षा करना है, जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के माध्यम से हासिल किया गया था। दक्षिण कन्नड़ जिले के गढ़ होने के भाजपा के दावों के बारे में, हरिप्रसाद ने कहा भाजपा का गढ़ महाराष्ट्र में टिक नहीं पाया, जहां इसकी शुरुआत सावरकर ने की थी। हम विश्वास के साथ नहीं कह सकते कि भाजपा के गढ़ जीत सुनिश्चित करते हैं, क्योंकि इनमें से कई किले ढह गए हैं। भाजपा कांग्रेस पर श्रीलंका को जमीन देने का आरोप लगाती है और विभाजन के लिए उसे जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन वे सिक्किम के गठन और पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लादेश में परिवर्तन को आसानी से नजरअंदाज कर देते हैं, दोनों कांग्रेस शासन के तहत हासिल किए गए थे। अब, उनके नेता चीन के लगभग 2,000 वर्ग किमी भूमि के अधिग्रहण के बारे में चुप हैं। क्या उनके पास उस भूमि को पुनः प्राप्त करने की कोई योजना है? उन्हें स्पष्ट करने की आवश्यकता है।

तेजस्वी ने साधा ओवैसी पर निशाना, कहा-

हैदराबाद से लोग आएंगे, लेकिन ऐसा मत कीजिएगा, वरना

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया लोकसभा सीट से महागठबंधन की प्रत्याशी बीमा भारती ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर ही दिया। नामांकन के दौरान रंगभूमि मैदान में बुधवार को दोपहर जनसभा की गई। इसमें स्टार प्रचारक के तौर पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव शामिल हुए। तेजस्वी ने अपनी पार्टी की प्रत्याशी बीमा भारती के लिए वोट मांगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि आज बड़ी खुशी की बात है कि आज राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार बीमा भारती ने नामांकन किया है। मुझे पूरा भरोसा है कि पूर्णिया की महान जनता पूर्णिया की बेटी को भरपूर आशिर्वाद देगी और बीमा भारती को लोकसभा भेजने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बीमा भारती अतिपिछड़ा समाज से आती हैं और वह बहादुर महिला हैं।

तेजस्वी यादव मंच से बिना नाम लिए असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने बिना नाम लिए कहा कि बहुत लोग आएंगे, बहुत तरह के लोग सीमांचल के इलाके में वोट काटने का काम करेगा। ठगने का काम करेगा। विखराव करने का काम करेगा, बांटने का काम करेगा, आपलोग बंटिएगा मत क्यों कि बंटने से किसी का भला नहीं होता है। बंटने से सिर्फ भाजपा का भला होता है। इसलिए एक जुट रहिये। तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी कहां-कहां से लोगों को बुलाएगा। हैदराबाद से बुलाएगा, यहां से बुलाएगा, वहां से बुलाएगा। लेकिन याद रखिएगा कोई आए ना आए, तेजस्वी जरूर आपके दुख तकलीफ को देखने आएगा।

तेजस्वी यादव ने इस मौके पर नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि आज के दौर में अच्छे अच्छे लोग पलट जाते हैं। हमारे चाचा (नीतीश कुमार) भी पलट गए। लेकिन बीमा भारती ने डरने का काम नहीं किया बल्कि वह समाजवादी विचार धारा के साथ खड़ी रहीं। जहां अन्याय हुआ वहां न्याय के साथ लड़ाई लड़ी। इनके पति और 18 साल के बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। एक बेटी हैं जो साथ हैं आई हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूर्व में इनके ससुर की हत्या हो गई थी, एक बेटे की भी हत्या हो गई। आज जनता हमारी मालिक हैं। आप हमारे मालिक हैं । जनता की अदालत सबसे बड़ी आदालत होती हैं। आज आप लोगों से न्याय मांगने के लिए आए हैं। आप लोग न्याय कीजिए अतिपिछड़ा बेटी के साथ। तेजस्वी यादव ने कहा कि बीमा भारती ने इतना बड़ा त्याग दिया, आज झोली फैलाकर खड़ी हैं। आप लोगों से न्याय मांग रही हैं। इन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देकर त्याग किया है और हमलोगों के साथ खड़ी रही। हमलोगों का अब फर्ज होता हैं कि जो हमलोगों के लिए त्याग किया है हमलोग इनका साथ दें।

सब-इंस्पेक्टर और होमगार्ड जवान को दबंगों ने लाठी-डंडे से पीटा

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के बेगूसराय में एक बार फिर दबंगों की दबंगई देखने को मिली है। जहां दबंगों ने बिहार सैन्य पुलिस (बीएमपी) 8 के सब इंस्पेक्टर और होमगार्ड जवान को दबंगों ने लाठी-डंडे और पिस्तौल की बट से पीट पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं, पिटाई देख दोनों को बचाने आए घर वालों को भी दबंगों ने जमकर पीटा। इस पिटाई में बीएमपी 8 के सब इंस्पेक्टर और होमगार्ड जवान समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, सभी घायलों का इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल में चल रहा है। इस मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसके मुताबिक दबंगों के द्वारा लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर से हमला किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, बीएमपी 8 के एसआई और होमगार्ड जवान को पीटे जाने का मामला मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदीरी लभरचक वार्ड नंबर 6 का है। वहीं, घायल चारों लोग एक ही परिवार के हैं। इनकी पहचान रामदीरी लभरचक वार्ड नंबर 6 के निवासी बीएमपी 8 के सब इंस्पेक्टर बलराम सिंह, होमगार्ड के जवान अशोक सिंह और भाई बालेंद्र सिंह प्रसाद तथा मां राज कुमारी देवी के रूप में की गई है।

निगरानी टीम ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता और टेक्नीशियन को किया गिरफ्तार

खुलेआम ले रहे थे रिश्वत

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के दरभंगा के सरकारी बाबुओं के लिए बुधवार काला दिन रहा। निगरानी टीम ने दरभंगा जिले से तीन रिश्वतखोर बाबुओं को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पहला मामला कुशेस्वरस्थान थाना क्षेत्र का है। जहां निगरानी टीम ने सेंट्रल बैंक की शाखा खुलते ही शाखा प्रबंधक गुड्डू कुमार रजक को 30 हजार रुपये घूस की रकम लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। वहीं, दूसरी कार्रवाई कर टीम ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता अजित कुमार को 40 हजार रुपये और टेक्नीशियन रिंकू कुमारी को गिरफ्तार किया है। इस छापेमारी दल का नेतृत्व डीएसपी धर्मेंद्र कुमार कर रहे थे। टीम में

कुल 13 सदस्य थे।

जानकारी के मुताबिक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बुधवार को डीएमसीएच परिसर स्थित ग्रामीण विद्युत कार्यालय में छापेमारी की। इस दौरान टीम ने कार्यपालक अभियंता अजीत कुमार और टेक्नीशियन रिंकू कुमारी को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के लिए पुलिस उपाधीक्षक पवन कुमार के नेतृत्व में 13 सदस्यीय टीम पहुंची थी।

टीम का नेतृत्व कर रहे डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि समस्तीपुर जिले के खानपुर निवासी अनिल कुमार ने बेलाही ने अपनी आटा चक्की चलाने के लिए विद्युत कनेक्शन लेने के लिए आवेदन किया था। उससे टेक्नीशियन रिंकू कुमारी विभाग के कार्यपालक अभियंता के नाम पर रिश्वत मांग रही थी। इस शिकायत पर छापेमारी की गई। इसमें रिंकू कुमारी के हाथ से कार्यपालक अभियंता रिश्वत की राशि ले रहे थे। इसी बीच दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

निगरानी के डीएसपी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि एक मार्च को पीड़ित अनिल कुमार ने निगरानी में शिकायत की थी, जिसका सत्यापन करने के बाद आज कार्रवाई की गई थी। उसमें बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता अजित कुमार और टेक्नीशियन रिंकू कुमारी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित अनिल कुमार समस्तीपुर जिला के खानपुर का निवासी है। उसे बेलाही में आटा चक्की लगाने के लिए बिजली का कनेक्शन लगवाना था। इस मामले को लेकर कार्यपालक अभियंता के द्वारा 40 हजार रुपये घूस की मांग की गई थी।

सीतामढ़ी में डबल मर्डर, विवाद में दो सगे भाइयों की हत्या

पटना (एजेंसियां)। सीतमाढ़ी के नानपुर में एनएच किनारे दो सगे भाइयों की लाश मिली है। अपराधियों ने दोनों की हत्या कर दी। दोनों की पहचान मोतिहारी विश्वनाथ प्रसाद के पुत्र आशीष कुमार और आकाश कुमार के रूप में की गई। सदर एसडीपीओ रामकृष्ण ने बताया कि प्राथमिक जांच के बाद जमीनी विवाद में हत्या की बात सामने आ रही है। अपराधियों ने साक्ष्य को छुपाने के उद्देश्य से बदमाशों ने नानपुर और बोखरा थाने के क्षेत्र में सड़क किनारे फेंक दिया गया था। जांच में पता चला कि दोनों भाई अपने घर मोतिहारी से सीतामढ़ी एक अप्रैल को आए थे। वापस नहीं लौटने और मोबाइल बंद आने पर उनके पिता विश्वनाथ प्रसाद द्वारा 2 अप्रैल को व्हाट्सएप के माध्यम से आवेदन भेज कर पुलिस से गुहार लगाई थी। विश्वनाथ प्रसाद ने बताया कि वह आने में असमर्थ हैं। उन्होंने अपने दोनों के बेटों को साथ अनहोनी की आशंका जताई गई थी। परिजनों के बयान के आधार पर चार संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पीएम मोदी की रैली से एक दिन पहले चिराग पासवान पर बड़ा आरोप

पूर्व मंत्री समेत कई ने छोड़ी पार्टी

पटना (एजेंसियां)।

एक सप्ताह पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और एनडीए के पूर्व सांसद अरुण कुमार ने चिराग पासवान पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पार्टी से अलग हो गये। और अब इस पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री इंजीनियर रविंद्र सिंह समेत दर्जन भर नेता पार्टी को अलविदा कह गये। इनका आरोप है कि चिराग पासवान ने करोड़ों रुपए लेकर टिकट बेचा है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश संगठन मंत्री इंजीनियर रविंद्र सिंह ने इस बात की जानकारी प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दी। उन्होंने कहा कि कांफ्रेंस

के दौरान पार्टी के दर्जनों नेताओं ने आज एक साथ सामूहिक इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वालों में पूर्व मंत्री और पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेणु कुशवाहा, पूर्व विधायक तथा राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुमार, संगठन सचिव इंजीनियर रविंद्र सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह समेत दर्जनों नेता शामिल हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश संगठन मंत्री इंजीनियर रविंद्र सिंह का कहना है कि खगड़िया से राजेश वर्मा, समस्तीपुर से शांभवी चौधरी और वैशाली से वीणा देवी से मोती रकम लेकर उन्हें टिकट दिया गया है। उनके इस निर्णय से संगठन सहमत नहीं था। रविन्द्र सिंह ने कहा कि इन तीनों को टिकट देने से कार्यकर्त्ता में नाराजगी है। यह नहीं होना चाहिए था इसलिए हमलोग एक साथ पार्टी छोड़ रहे हैं।

एनडीए के पूर्व सांसद अरुण कुमार लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से पिछले सप्ताह ही अलग हो गये थे। उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी।

अरुण कुमार ने चिराग पासवान पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। अरुण कुमार के पार्टी छोड़ने के कारण पूछने पर उन्होंने बताया था कि मैंने किन परिस्थितियों में उनका साथ दिया, लेकिन उन्होंने मुझे धोखा दिया। अरुण कुमार ने कहा था कि चिराग के चाचा पशुपति पारस ने उन्हें धोखा दिया, उस समय मैं चिराग के साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि चिराग ने मुझे आश्वस्त किया था कि वह मुझे नवादा या जहानाबाद से उम्मीदवार बनायेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इससे पहले चिराग यह भी कहते रहे कि मैं नीतीश कुमार के साथ नहीं जाऊंगा लेकिन अंतत क्या हुआ, वह अपनी बात से पलट गये। चिराग ने मुझे धोखा दिया है। अरुण कुमार ने कहा कि अपने 40 साल के राजनीतिक जीवन में मुझे इससे बड़ा धोखा नहीं मिला था जो चिराग ने मुझे अब दिया है।

मोदी की गारंटी चाइनीज माल की तरह, एक-दो बार इस्तेमाल के बाद बेकार हो जाएगा: तेजस्वी

पटना (एजेंसियां)।

सबसे ज्यादा चर्चा में रहे पूर्णिया लोकसभा सीट से महागठबंधन की प्रत्याशी बीमा भारती ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल कर ही दिया। कांग्रेस की पारंपरिक सीट को अपने पाले में कर पप्पू यादव को बेटिकट करने वाले राष्ट्रीय जनता दल की ओर पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में बुधवार दोपहर जनसभा की गई। इसमें स्टार प्रचारक के तौर पर नेता प्रतिपक्ष और लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव शामिल हुए। तेजस्वी ने अपनी पार्टी की प्रत्याशी बीमा भारती के लिए वोट मांगे। उन्होंने कहा कि पूर्णिया की महान जनता अपनी बेटी बीमा भारती को आशीर्वाद जरूर देगी। इसका मुझे भरोसा है। तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर तंज

कसते हुए कहा कि कहा कि मोदी जी आएंगे और कहेंगे 'मोदी की गारंटी'। लेकिन, मोदी जी की गारंटी चाइनीज माल की तरह है। एक दो बार इस्तेमाल कीजिएगा फिर बेकार हो जाएगा। वह केवल चुनाव भर ही गारंटी लेंगे। अरे मोदी जी आप एक बार मेरे चाचा की गारंटी लेकर दिखाइए। उनकी गारंटी है या नहीं यह बताइए। वह कब पलटेंगे पता नहीं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अति पिछड़ा समाज से आतीं हैं और बहादुर महिला हैं। सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि आज के दौर में अच्छे से अच्छे लोग पलट जाते हैं। हमारे चाचा भी पलट गए। हमारे चाचा को हाईजैक कर लिया गया। लेकिन, बीमा भारती ने डरने का काम नहीं किया। समाजवादी विचारधारा के साथ रहीं। अन्याय के खिलाफ इन्होंने लड़ाई लड़ी। इनके पति और 18 साल बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोगों की पार्टी सबको साथ लेकर चलती है। लालू जी ने भगवतिया देवी को सांसद बनाया। तेजस्वी यादव ने फिर दोहराया कि राजद माय के साथ बाप की भी पार्टी है। ब से बहुजन और पी से पुअर यानी गरीब। राजद सबकी पार्टी है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा से लड़ाई लड़ने के लिए आप सबलोग का साथ दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com